दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज

भोपाल ■ शनिवार 05 जुलाई 2025 ■ वर्ष -09 ■ अंक-131 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सुविचार

बारह ज्ञानी एक घंटे में जितने प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं, उससे कहीं अधिक प्रश्न मूर्ख एक मिनट में पूछ सकता है। - स्वामी शिवानंद

ब्रीफ न्यूज

जबलपुर के पद्मश्री डॉ. एमसी डाबर का निधन

जबलपुर। मप्र के जबलपुर से एक दुःखद खबर सामने आई। मानवता की सेवा को ही अपना धर्म मानने वाले पद्मश्री डॉ. एमसी डाबर का उनके निवास पर निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। सुबह 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। डॉ. डाबर ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा गरीब और जरूरतमंद लोगों की निःस्वार्थ सेवा में लगाया। उन्हें कम फीस में इलाज करने वाले डॉक्टर के रूप में जाना जाता था।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मिली मान्यता

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है।

प्लेन हादसाः एयरलाइन मुआवजा देने से बच रही

नई दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले यात्रियों के परिजन को एअर इंडिया मुआवजा देने से बचना चाहती है। यह आरोप 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म स्टीवर्ट्स ने लगाए हैं। स्टीवर्ट्स 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ रही है। उधर, एअर इंडिया ने आरोपों को नकार दिया है।

कोलकाता गैंगरेपः पुलिस ने चार घंटे सीन रीक्रिएट किया

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को लॉ कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप की जांच के सिलसिले में क्राइम सीन रीक्रिएट किया। पुलिस गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के साथ लॉ कॉलेज पहुंची थी। तीनों मुख्य आरोपियों मोनोजीत मिश्रा, मौजूदा स्टूडेंट प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद और सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को सुबह 4.30 बजे कॉलेज ले जाया गया। प्रक्रिया को पूरा करने में चार घंटे लगे।

अमरनाथ यात्रा- पहले दिन 12,348 लोगों ने किए दर्शन

पहलगाम। अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू हुई। पहले दिन देर शाम तक 12,348 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। इनमें 9,181 पुरुष और 2,223 महिलाएं शामिल रहीं। 99 बच्चे, 122 साधु, 7 साध्वी, 708 सुरक्षाबलों के जवान और आठ ट्रांसजेंडर श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच 5200 तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था शाम बेस कैंप से रवाना हुआ, जो शुक्रवार दोपहर 2 बजे पहलगाम बेस कैंप पहुंच गया। भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी है।

भोपाल में सम्मान समारोह...मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 15 मेधावी विद्यार्थियों को दिया लैपटॉप, की घोषणा

सरकारी स्कूलों से निकल रहे गुदड़ी के लाल अगले साल से सरकार खरीदकर देगी लैपटॉप

- 94,234 स्टूडेंट्स के बैंक खातों में 25-25 हजार की राशि ट्रांसफर की
- 15 साल में 4 लाख 32 हजार विद्यार्थियों को मिला योजना का लाभ
- भोपाल में छात्रों को प्रोत्साहन राशि अंतरण का राज्य स्तरीय समारोह

लैपटॉप सिर्फ एक उपकरण नहीं, बल्कि सुनहरे भविष्य की तैयारी का माध्यम, कॉपी-किताबें, गणवेश, सायकिल-स्कूटी के बाद लैपटॉप भी दे रहे

- मध्यप्रदेश की सरकारी स्कूलों का परीक्षा परिणाम निजी स्कूलों से रहा अधिक
- मध्यप्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में भी सहयोग कर रही सरकार
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीबीटी की शुरुआत की, जिससे पारदर्शिता आई

सत्ता सुधार ■ भोपाल

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शिक्षा मनुष्य के समग्र विकास की धुरी है और 'सबको शिक्षा' ही राज्य सरकार का विकास मंत्र है। हमारी सरकार ने प्रदेश के हर बच्चे तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाने के हरसंभव प्रयास किए हैं। केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि प्रतिभावान बच्चों को नई तकनीक और नई शिक्षा पद्धति से जोड़कर उनके उज्जवल भविष्य की नींव भी रखी जा रही है। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप देकर हम प्रदेश का एक बेहतर और स्वर्णिम भविष्य गढ़ने जा रहे हैं। दरअसल, सीएम शुक्रवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में लैपटॉप प्रोत्साहन राशि अंतरण के राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सत्र 2024-25 में कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लाने वाले प्रदेश के 94,234 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय करने के लिए 235 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की। योजना के तहत लैपटॉप खरीदने के लिए प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को 25-25 हजार डीबीटी के जरिए उनके बैंक खातों में सिंगल क्लिक के जरिए हस्तांतरित किए गए। वहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार देखा गया है कि सरकार से लैपटॉप के लिए मिलने वाली राशि लाभार्थी दूसरे कामों में खर्च कर देते हैं। ऐसे में अब हम कोशिश करेंगे कि अगले साल से सीधे अच्छी कंपनी के लैपटॉप ही मेधावी छात्रों को दिए जाएं।

सरकारी स्कूल अब प्रभावकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सीमित संसाधन होते हुए भी कई गुदड़ी के लाल सामने आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वे स्वयं और मंत्रिमंडल के सभी साथियों ने सरकारी स्कूलों में ही प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की है। सरकारी स्कूलों से ही देश को गुदड़ी के लाल मिले हैं। सरकारी स्कूल ही अब बेहद प्रभावकारी हो गए हैं।

निजी स्कूलों को पछाड़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार 52 प्रतिशत लाभार्थी सरकारी स्कूलों से हैं जबकि 48 फीसदी प्राइवेट स्कूलों से। यह पहली बार है, जब सरकारी स्कूलों के बच्चों का प्रतिशत प्राइवेट स्कूलों से अधिक रहा है। यह उपलब्धि स्कूल शिक्षा विभाग, शिक्षकों और माता-पिता के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा- लैपटॉप कोई दिखावटी ट्रॉफी नहीं है, यह ज्ञान की असली कुंजी है। एक किताब, एक लैपटॉप और एक गुरु...यही जीवन के सच्चे साथी हैं।

बेटियां बढ़ रहीं आगे

सीएम ने बताया कि इस साल योजना के लाभार्थियों में 60 फीसदी बेटियां हैं। 56,246 बेटियों और 37,988 बेटों को लैपटॉप के लिए पैसे दिए गए हैं। यह एक सकारात्मक संकेत है कि बेटियां न केवल बराबरी कर रही हैं, बल्कि पढ़ाई में आगे भी निकल रही हैं। अब बेटों को अपनी स्थिति मजबूत करनी होगी।

अच्छे नेताओं की जरूरत

मुख्यमंत्री ने लाभार्थी बच्चों से संवाद करते हुए सवाल पूछा- तुममें से कोई यह क्यों नहीं कहता कि मैं नेता बनूंगा, चुनाव लड़ूंगा, देश की सेवा करूंगा। डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस बनना बहुत अच्छा है, लेकिन समाज को चलाने के लिए अच्छे नेताओं की भी जरूरत है।

देहदान-अंगदान करने वाले होंगे सम्मानित

सरकार ने अंगदान-देहदान को प्रोत्साहन देने हाल ही में एक निर्णय लिया है। देहदान या अंगदान करने वालों के परिजन को सरकार द्वारा 26 जनवरी एवं 15 अगस्त के कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाएगा। मृत्यु के बाद किसी को अपने अंगों और देह का दान कर जीवन देना अमरता पाने जैसा है। अंगदानियों के पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।

मोदी ने कहा- त्रिनिनाद की पीएम कमला बिहार की बेटी

राम मंदिर का मॉडल, महाकुंभ का जल दिया

पीएम ने कहा- भारतीय प्रवासी दिल में रामायण लाए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार तड़के त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। उन्होंने पीएम कमला प्रसाद बिसेसर को बिहार की बेटी कहा और उन्हें राम मंदिर का मॉडल और सरयू नदी के जल के साथ-साथ प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ का जल भी भेंट किया। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय की यात्रा को साहस की मिसाल बताया। पीएम ने कहा- वे (भारतीय प्रवासी) गंगा और यमुना को पीछे छोड़ आए, लेकिन अपने दिल में रामायण को साथ लाए। उनके योगदान ने इस देश को सांस्कृतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध किया है। वे अपनी मिट्टी छोड़ आए, लेकिन अपने संस्कार नहीं छोड़े। वे सिर्फ प्रवासी नहीं थे, बल्कि एक सभ्यता के दूत थे। पीएम मोदी ने ऐलान किया कि भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को भी ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्ड दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार तड़के त्रिनिदाद और टोबैगो की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर और उनके 38 मंत्रियों और चार सांसदों ने एयरपोर्ट पर मोदी की अगवानी की।

एमपी में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण पर 'सुप्रीम' नोटिस

पूछा- 13फीसदी पद होल्ड हैं, नियुक्तियों में क्या परेशानी

मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव से कोर्ट ने मांगा एफिडेफिट

सत्ता सुधार ■ दिल्ली/भोपाल

मध्यप्रदेश में ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण लागू करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने पूछा कि जो 13 फीसदी पद होल्ड हैं, उन पर नियुक्तियों में क्या दिक्कत है।

सरकार ने 2019 में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने के लिए एक्ट पास किया गया था। कोर्ट नंबर-12 में जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने सुनवाई की। यह केस सीरियल नंबर-35 पर लगा था। याचिकाकर्ता ओबीसी महासभा की ओर से एक बार फिर से मप्र की 51 प्रतिशत ओबीसी होने की दलील दी गई। मामले में मप्र हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर करीब 70 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में पहुंची हैं, उन्हीं पर आगे सुनवाई होगी। तत्काल आरक्षण देने संबंधी इस याचिका में अभी कोई राहत नहीं मिली है।

सीयूईटी में सिर्फ एक ने स्कोर किया 100 पर्सेंटाइल

13.5 लाख कैंडिडेट्स ने दी थी परीक्षा, रिजल्ट घोषित

नई दिल्ली। एनटीए ने शुक्रवार को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट यूजी-2025 के परिणाम जारी किए। यह राष्ट्रीय स्तर की स्नातक प्रवेश परीक्षा 13 मई से 4 जून तक 300 भारतीय और 15 अंतरराष्ट्रीय शहरों में 19 दिनों और 35 शिफ्टों में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में 13.5 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया था। एनटीए के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष एक उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि केवल एक उम्मीदवार ने चुने गए पांच विषयों में से चार में 100 पर्सेंटाइल हासिल किए हैं।

इसके अलावा, 17 अभ्यर्थियों ने तीन विषयों में, 150 छात्रों ने दो विषयों में और 2,679 छात्रों ने एक विषय में पूर्ण अंक प्राप्त किए। एनटीए ने इस बार टॉपर्स के नाम उजागर करने के बजाय उनकी आवेदन संख्या की सूची जारी की, जिससे गोपनीयता बरकरार रखते हुए अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया गया।

हिमाचल में बारिश और बाढ़ से अब तक 69 लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल में बाढ़ और भूस्खलन से तबाही जारी है। अब तक 69 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में युद्धस्तर पर राहत बचाव कार्य चल रहा है। आपदा पर सीएम सुक्खू कड़ी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध की तरह आपदा का सामना कर रहे हैं। लोगों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। तबाही के बीच सीएम सुक्खू ने शुक्रवार को कई राहत और बचाव योजनाओं की घोषणा की। डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री और अन्य मंत्रियों के साथ सीएम सुक्खू ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपदा से विस्थापित परिवारों को हर महीने 5 हजार रुपए मिलेंगे। जो परिवार राहत आश्रयों में रह रहे हैं और अपने गांवों में किराये का आवास ढूंढ रहे हैं, उन्हें हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा 5 हजार रुपए प्रति माह दिए जाएंगे।

सीएम का एलान- बेघर को 5 हजार महीना देगी सरकार

आस्था नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलेट

सब लेफ्टिनेंट पूनिया ने रचा इतिहास, अब उड़ाएंगी घातक लड़ाकू विमान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने इतिहास रचते हुए सब लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया को अपनी पहली महिला फाइटर पायलट के रूप में घोषित किया है। आस्था अब भारत के विमानवाहक पोतों, जैसे आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य, से मिग-29 के या राफेल फाइटर जेट के नौसैनिक संस्करण को उड़ाने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। आयोजित बेसिक हॉक कन्वर्जन कोर्स के विंगिंग समारोह में सब लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया और लेफ्टिनेंट अतुल कुमार ढुल को रियर एडमिरल जनक बेवली, एसीएनएस (एयर) द्वारा प्रतिष्ठित विंग्स ऑफ गोल्ड सम्मान से नवाजा गया। नौसेना ने कहा- सब लेफ्टिनेंट आस्था नौसेना विमानन के लड़ाकू विमान में पहली महिला बन गई हैं, जिन्होंने बाधाओं को तोड़ दिया है और नौसेना में महिला लड़ाकू पायलटों के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त किया है।

खुलासा | **ऑपरेशन सिंदूर पर उप सेना प्रमुख सिंह ने कहा- चीन ने पाकिस्तान को हथियार और लाइव डेटा दिया**

पाकिस्तान के साथ दो और दुश्मनों से भारत ने लड़ी जंग

- चीन-तुर्किए और पाकिस्तान का गठबंधन बेनकाब
- आबादी वाले क्षेत्रों में एयर डिफेंस करना होगा मजबूत
- आखिरी घंटे में तय किया कि 21 में से किन नौ ठिकानों को निशाना बनाना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पाकिस्तान के खिलाफ भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को पूरी दुनिया ने देखा। भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उप सेना प्रमुख ने कहा कि यकीनन ऑपरेशन सिंदूर से हमें बहुत सारे सबक सीखने को मिले हैं। एफआईसीसीआई के एक कार्यक्रम में सिंह ने कहा कि जंग एक बॉर्डर पर हो रही थी लेकिन विरोधी तीन थे। पाकिस्तान मोर्चे पर सामने था, वहीं चीन उसे हर संभव मदद दे रहा था। हालांकि, इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है। पिछले पांच सालों में पाकिस्तान जिन हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है, उनमें से 81 फीसदी चीन के हैं।

स्वदेशी हथियारों ने किया अच्छा काम

उप सेना प्रमुख ने कहा कि संघर्ष के दौरान हमारे कुछ स्वदेशी हथियारों ने बेहतरीन काम किया। लेकिन कुछ ने नहीं भी किया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चीन से लाइव इनपुट मिल रहे थे। हमें इस पर तेजी से काम करना होगा। हमारे पास इजरायल की तरह आयरन डोम नहीं है। उस तरह की लग्जरी हमारे पास नहीं है क्योंकि हमारा देश बहुत बड़ा है और इन चीजों में बहुत पैसे लगते हैं। हमें भविष्य की तैयारी करनी होगी और भविष्य के लिए तैयार रहना होगा।

हमें चाहिए मजबूत डिफेंस सिस्टम

उन्होंने कहा कि चीन अपने हथियारों के साथ अन्य हथियारों को टेस्ट कर रहा था। वह लाइव लैब की तरह हथियारों को परख रहा था। तुर्किये ने भी पाकिस्तान को सपोर्ट करने में अहम भूमिका निभाई। जब भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता हो रही थी तो उस वक्त पाकिस्तान को हमारे वेक्टर्स के लाइव अपडेट्स चीन से मिल रहे थे। हमें मजबूत एअर डिफेंस सिस्टम की जरूरत है, जिससे भविष्य की चुनौतियों का सामना किया जा सके।

भाषा के आधार पर मारपीट- गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे

फडणवीस बोले- मराठी पर गर्व करना गलत नहीं

एजेंसी ■ मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में मराठी भाषा पर गर्व करना गलत नहीं है। लेकिन अगर कोई भाषा के नाम पर गुंडागर्दी करता है, तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर किसी के साथ भाषा के आधार पर कोई मारपीट करता है, तो इसे भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फडणवीस की ओर से यह मराठी भाषा न बोलने को लेकर विवाद बढ़ रहा है। यह विवाद उस समय और बढ़ गया, जब मनसे के कार्यकर्ताओं ने एक गुजराती व्यक्ति को मराठी न बोलने को लेकर पीट दिया और घटना का वीडियो वायरल हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस ने इस घटना पर प्राथमिकी दर्ज की है और कार्रवाई भी की है। अगर भविष्य में कोई इस तरह का भाषा विवाद खड़ा करता है, तो उस पर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हमें अपनी मराठी भाषा पर गर्व है, लेकिन भारत की किसी भी भाषा के साथ इस तरह का अन्याय नहीं किया जा सकता, यह बात हमें ध्यान में रखनी होगी।

ब्रीफ न्यूज

टंडन होंगे मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष

भोपाल। राज्य शासन द्वारा मानव अधिकार आयोग के सदस्य राजीव कुमार टंडन को अपने पद के साथ आगामी आदेश तक मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष के रूप में प्राधिकृत किया गया है। राज्य शासन द्वारा शुक्रवार को आदेश जारी कर दिए गए हैं।

सीएम डॉ. यादव ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने दर्शन, वेद एवं योग के माध्यम से विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाले, राष्ट्रऋषि स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा के संकल्प को साकार करने के लिए श्रेष्ठ जीवन आदर्श की प्रेरणा देकर आपने युवाओं का मार्ग प्रशस्त किया। आपके प्रखर विचार एवं कृतित्व देश की अमूल्य धरोहर हैं। सीएम ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित करते हैं।

मुख्यमंत्री ने पद्मश्री डॉ. डाबर के निधन पर जताया शोक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर निवासी प्रख्यात चिकित्सक पद्मश्री डॉ. एमसी डाबर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सेवा भावी चिकित्सक डॉ. डाबर की सेवाएं मानव कल्याण के लिए थीं। चिकित्सा जगत के लिए वे एक आदर्श उदाहरण रहेंगे और उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजन को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। 2023 में डॉ. डाबर को पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

खेत पर जाली लगाने का आधा खर्च सरकार वहन करेगी

भोपाल। फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेतों पर जाली लगाने का आधा खर्चा राज्य सरकार वहन करेगी। अब राष्ट्रीय बागवानी एकीकृत विकास कार्यक्रम के तहत उद्यानकी फसल उगाने वाले कृषक अपने खेत के चारों ओर गेलनवाईज जाली लगवा सकते है। उद्यानकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा इच्छुक किसानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। विभाग द्वारा किसानों को जाली लगाने में आने वाला खर्च खर्चा 300 रुपए प्रति रनिंग मीटर आता है यानि एक हजार रनिंग मीटर का खर्चा तीन लाख रुपए है इसमें डेढ़ लाख राज्य सरकार देगी और शेष डेढ़ लाख किसान वहन करेगा।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा पर शिक्षकों का प्रशिक्षण

भोपाल। राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास की दिशा में सेवाकालीन प्रशिक्षण इन दिनों चल रहा है। यह प्रशिक्षण अकादमिक वर्ष 2025-26 में एनसीईआरटी की कक्षा-6 की नवीन पाठ्य-पुस्तक पर केन्द्रित है। प्रशिक्षण प्रदेश के विकासखण्ड मुख्यालयों पर चल रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा एक्सिस बैंक के सीएसआर फण्ड सहयोग से कार्यरत संस्था 'पीपल' द्वारा यह प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया कई निर्माण कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण

सिंगरौली को जल्द मिलेगा मेडिकल कॉलेज

अगले साल से यहां से निकलेंगे कई डॉक्टर, सरई में बनाई जाएगी 4 लेन सड़क, माडा अस्पताल को सीएचसी बनाया जाएगा

- बहनों को रक्षाबंधन में मिलेगा 250 रुपए का शगुन
- सरई में महिला सशक्तिकरण व जनजातीय गौरव सम्मेलन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंगरौली प्रदेश का सीमावर्ती, खनिज सम्पन्न और सर्वप्रिय जिला है। सिंगरौली को शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने वाली है। अगले साल से यहां पढ़-लिखकर डॉक्टर निकलेंगे। मुख्यमंत्री ने सरई में कहा कि सिंगरौली में भरपूर कोयला एवं अन्य खनिज संपदा उपलब्ध है। यहां 4 लेन सड़क बनाई जाएगी। माडा अस्पताल को अपग्रेड कर सीएचसी बनाया जाएगा। सरई में उपखंड कार्यालय, बरगवा-परसवा में 52 किलोमीटर लंबी 4 लेन सड़क बनाई जायेगी। सरई में 100 बेड के नये अस्पताल की स्थापना के लिए सर्वे कराया जाएगा। हमारी सरकार सबके चतुर्दिक विकास के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को सिंगरौली जिले के सरई गांव में महिला सशक्तिकरण तथा जनजातीय गौरव सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। कुछ दिनों बाद 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा है, इस दिन प्रदेश के सभी स्कूल-कॉलेज, हॉस्टल सहित बच्चों की सुविधा से जुड़े निर्माण कार्यों का एक साथ लोकार्पण होगा। शासकीय स्कूलों के बच्चों को साइकिल, ड्रेस और किताबों का वितरण भी किया जाएगा। भागवत गीता से मध्यप्रदेश का संबंध है। वृंदावन ग्राम बनाकर भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता को जीवंत करना है। बच्चे पढ़ाई करके कहीं भी जाएं, पर अपने गरीब मित्र को न भूलें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल की सरकार के समय प्रदेश में बेटे-बेटियों के लिंगानुपात में बड़ा अंतर था। हमारी सरकार में लाड़ली बेटी जन्म से ही लखपति हो, इसकी शुरुआत मध्यप्रदेश से हुई। बेटियां जब 18 साल की होंगी, तो सरकार की ओर से उन्हें एक-एक लाख रुपए से अधिक राशि दी जाएगी। राज्य सरकार लाड़ली बहनों और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को और अधिक सशक्त करने के लिए कार्य कर रही है। पहले प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय मात्र 11 हजार थी, लेकिन अब हमारी सरकार के प्रयासों से यह 1 लाख 52 हजार रुपए हो गई है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन से पहले सभी पात्र बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि शगुन के रूप में भेजी जाएगी। दीपावली के बाद सभी लाडली बहनों को हर माह 1500 रुपए महीना देंगे। हमारी सरकार ने 27 हजार करोड़ से अधिक की बजट राशि महिलाओं को समर्पित की है। प्रदेश की बहनों को नगर पालिका, नगर निगम और पंचायत चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है। अगले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बहनों को 33 प्रतिशत सीटों पर आरक्षण का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लिए राज्य सरकार नेक-नीयत और विशेष भावना से कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सिंगरौली की कुल आबादी में 39 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति है, इनमें से 5 लाख को शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हमारी सरकार की भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना से जनजातीय वर्ग को बड़ी मदद मिली है। प्रधानमंत्री जन-मन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का लाभ भी जनजातीय वर्ग को दिया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें फसलों का समुचित मूल्य देने के लिए संकल्पित है।

निर्माण कार्यों का शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने मेडिकल कालेज में 400 बिस्तर के अस्पताल भवन, एकल नलजल योजनाओं, नगर निगम सिंगरौली में सड़क निर्माण, नाली निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र चितरंगी के 13, विधानसभा सिंगरौली के 25, विधानसभा देवसर के 15 तथा विधानसभा धौनी के एक निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी इसी सम्मेलन के जरिए किया।

सिंगरौली को हवाई सेवा से जोड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगरौली को हवाई सेवा से भी जोड़ा गया है। हमारी सरकार ने जरूरतमंदों को बेहतर इलाज के लिए एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराई है। मृत्यु के बाद शव को अस्पताल से घर तक छोड़ने के लिए सभी जिलों में शव वाहन की सुविधा शुरू की जा रही है। राज्य सरकार ने देहदान/अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए अंगदान और देहदान करने वालों को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दिए जाने का निर्णय किया है। अंगदान से किसी दूसरे जरुरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल जाता है।

503 करोड़ के निर्माण कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री ने सरई में हुए सम्मेलन से सिंगरौली जिले को 503 करोड़ 9 लाख 19 हजार रुपए के 54 निर्माण कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 104 करोड़ 67 लाख 26 हजार रुपए की लागत के 20 निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा 398 करोड़ 41 लाख 93 हजार रुपए की लागत के 34 निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सांदीपनि हायर सेकण्डरी स्कूल चकरिया के नवनिर्मित भवन, विद्युत सब स्टेशन हरफरी, संदीपनि हायर सेकण्डरी स्कूल भवन हिरवाह का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने 34 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने 11 सड़कों के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर होगा 'सहकारी युवा संवाद'

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आज को होगा कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारी युवा संवाद शनिवार सुबह 10 बजे समन्वय भवन में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारिता मंत्री करेंगे। मुख्यमंत्री युवाओं से सहकारी युवा संवाद करेंगे। कार्यक्रम को सहकारिता मंत्री सारंग भी संबोधित करेंगे और अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णबाल द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया जाएगा। अतिथियों एवं युवाओं के मध्य समावेशी एवं संवहनीय विकास में सहकारिता की भूमिका विषयक संवाद होगा। इस दौरान राज्य सहकारी संघ द्वारा क्रियान्वित भारत सरकार हस्तशिल्प विभाग के सीएचसीडीएस स्कीम के हस्तशिल्प प्रशिक्षणार्थियों को टूलकिट वितरण भी होगा। राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज द्वारा इस संयुक्त आयोजन में विषय विशेषज्ञों द्वारा सहकारिता की अवधारणा एवं विकास, सहकारिताओं के प्रकार, सहकारिता की वैधानिक पृष्ठभूमि, सहकारी सेक्टर में स्वरोजगार की संभावनाएं और सहकार से समृद्धि योजना का विवरण एवं प्रगति के बारे में जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम की शुरूआत सहकारी गीत गायन से होगी। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा सहकारी ध्वजारोहण एवं सहकारिता पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

चेस फॉर फ्रीडम की चैंपियनों से मिली मंत्री निर्मला भूरिया कहा-

ये बेटियां बालिका गृह की बच्चियां नहीं रहीं, ये प्रेरणा बन चुकी हैं

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भोपाल के बालिका गृह की कुछ खास बच्चियां गौरव की प्रतीक बन गई हैं। इन बच्चियों ने 'फर्स्ट एशियन चेस फॉर फ्रीडम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया और यह साबित कर दिया कि हालात चाहे जैसे भी हों, हौसले अगर बुलंद हों तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। शुक्रवार को इन चैम्पियन बच्चियों ने महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया से मुलाकात की, तो माहौल भावनाओं से भर गया। आंखों में चमक, चेहरे पर आत्मविश्वास और मन में कुछ कर दिखाने की आग, हर बच्ची की मुस्कान एक नई कहानी कह रही थी। मंत्री भूरिया ने बच्चियों को बधाई दी और कहा कि ये सिर्फ एक जीत नहीं, ये समाज के लिए एक संदेश है कि हर बच्ची, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में जन्मी हो, अगर उसे अवसर मिले तो वह सितारों को छू सकती है।

उन्होंने बच्चियों का न केवल हौसला बढ़ाया बल्कि यह भी भरोसा दिलाया कि उनके सपनों को साकार करने के लिए सरकार हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि ये बेटियां अब सिर्फ बालिका गृह की बच्चियाँ नहीं रहीं। अब वे प्रेरणा बन चुकी हैं, उन लाखों बच्चों के लिए, जो अपने जीवन को एक नई दिशा देना चाहते हैं। प्रशिक्षक अभिजीत कुंटे ने बताया कि पहली बार जब वह इन बच्चियों को प्रशिक्षण देने गया तो सब डरी सहमी थी, पर इनके जज्बे को सलाम है। इनकी कई महीने की मेहनत ने इन्हें चैंपियन बना दिया है। अब बालिकाएं अक्टूबर में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेंगी। वे चाहती हैं कि आने वाले समय में वे और भी बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लें और देश के लिए खेलें।

बच्चों को प्रोत्साहन देना सबसे बड़ा सम्मानः वली

आयुक्त महिला बाल विकास सूफिया फारुकी वली ने कहा कि इन बच्चों को प्रोत्साहन देना, इनका सबसे बड़ा सम्मान है। मिशन वात्सल्य की टीम के मोटिवेशन के साथ इन बच्चियों ने लगन और मेहनत से ये अपार सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बच्चियों को बधाई देते हुए कहा कि आपने जीवन की निराशा को आशा में बदलकर अपने भविष्य को गढ़ा है। बता दें फर्स्ट एशियन चेस फॉर फ्रीडम चैंपियनशिप ऑनलाइन चैंपियनशिप है। इसमें चार महाद्वीपों के 15 देशों ने भाग लिया। इंडियन ऑयल की परिवर्तन प्रिजन टू प्राइम के तहत इन बच्चियों को चेस खेल का प्रशिक्षण दिया गया।

जन अभियान परिषद, शासन प्रशासन का मजबूत स्तंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हर क्षेत्र में प्रदेश विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। सरकार के इस अभियान को जन भागीदारी ने सशक्त किया है। शुक्ल ने कहा कि जन अभियान परिषद शासन प्रशासन का मजबूत स्तंभ है। जन अभियान परिषद केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में महती भूमिका निभाता है। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी शुक्ल शहडोल के शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर एक दिन में 51 हजार पौधो का रोपण करना यह सराहनीय कार्य है। उन्होंने ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान में रूद्राक्ष के पौधे का रोपण किया।

भाषाई बंधन से प्रतिभा नहीं होगी बाधितः शुक्ल

हिंदी में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को मिलेगी शुल्क में छूट

प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान पर पर मिलेंगे पुरस्कार

सत्ता सुधार ■ भोपाल

डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा में भाषाई बंधन से प्रतिभा को बाधित नहीं होने देने के लिए मातृभाषा में उच्च शिक्षा के कई कोर्स के संचालन की व्यवस्था की है। प्रदेश में मातृभाषा हिंदी में एमबीबीएस की पढ़ाई सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए हिंदी माध्यम से अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रोत्साहन की व्यवस्था की है। यह योजना इसी दिशा में एक अतिरिक्त प्रेरणा प्रदान करने का कार्य करेगी। शुक्ल ने कहा कि यह पहल पीएम मोदी के सर्वसमावेशी शिक्षा के विजन और गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प से प्रेरित है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बना, जहां हिंदी में एमबीबीएस पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई। वर्तमान में प्रदेश के सभी शासकीय मेडिकल कॉलेजों में हिंदी माध्यम की पुस्तकें प्रथम वर्ष से लेकर अंतिम वर्ष तक पूरी संख्या में उपलब्ध हैं, जिससे हजारों छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह उन विद्यार्थियों के लिए सम्मान और स्वाभिमान की पहचान है जो हिंदी माध्यम में दक्ष हैं और चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहते हैं।

कॉलेज भेजेंगे हिंदी में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की सूची

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा प्रदेश के सभी संबद्ध मेडिकल एवं डेंटल कॉलेजों को हिंदी माध्यम में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। कॉलेज ऐसे विद्यार्थियों की सूची विश्वविद्यालय को भेजेंगे जो स्वेच्छा से हिंदी में परीक्षा देना चाहते हैं। कक्षाओं और प्रायोगिक सत्रों में उपयुक्त व्यवस्था के साथ हिंदी के परीक्षकों की अनुशंसा की जाएगी। हिंदी माध्यम को और अधिक सशक्त बनाने के लिए शिक्षकों को भी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

विद्यार्थियों को किया जाएगा सम्मानित

योजना के तहत हिंदी में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, हिंदी माध्यम में अध्ययन कर विश्वविद्यालय स्तर पर मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। एमबीबीएस या बीडीएस डिग्री पाठ्यक्रम में हिंदी माध्यम से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को 2 लाख रुपए का पुरस्कार मिलेगा, द्वितीय स्थान पर 1 लाख 50 हजार रुपए, तृतीय स्थान पर 1 लाख रुपए तथा चतुर्थ स्थान पर 50 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इसी प्रकार प्रत्येक वर्ष या प्रोफेशन में विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम से चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 1 लाख रुपए, 75 हजार रुपए, 50 हजार रुपए और 25 हजार रुपए की राशि से सम्मानित किया जाएगा।

जीपीएफ गुमशुदा कटौत्रों के निराकरण के लिए शिविर 7 से

तीनों कोषालयों में चलेगा जागरूकता और समाधान अभियान

भोपाल। प्रधान महालेखाकार द्वितिय द्वारा भोपाल में सामान्य भविष्य निधि के गुमशुदा कटौत्रों से संबंधित समस्याओं के निराकरण और कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भोपाल के तीन प्रमुख कोषालयों-जिला कोषालय, विंध्याचल कोषालय एवं वल्लभ भवन कोषालय में 7 जुलाई से 11 जुलाई तक विशेष शिविर लगाया जाएगा। यह शिविर विंध्याचल भवन तृतीय तल यूनएडीपी हॉल में निर्धारित किया गया है। शिविर में अभिदाताओं के सामने चर्चा कर समस्या का समाधान किया जाएगा। अभिदाताओं को विसंगतियों के समाधान के लिए वांछित दस्तावेज लाना होगा। यह शिविर सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके माध्यम से न केवल गुमशुदा जीपीएफ कटौत्रों की समस्याओं का समाधान होगा।, बल्कि भविष्य निधि से जुड़े अंतिम भुगतान प्रकरणों में बरती जाने वाली सावधानियों, आवश्यक प्रपत्रों, और पत्राचार की प्रक्रिया को लेकर भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी राजीव सिंह पवैया ने बताया कि सभी अधीनस्थ तीनों कोषालयों से समन्वय करते हुए प्रशासन ने नोडल अधिकारी की नियुक्ति, व्यापक प्रचार-प्रसार तथा सभी आहरण संवितरण अधिकारी को पंपलेट्स के माध्यम से जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। शिविर स्थल पर कम से कम 150 अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था, बिजली, पानी, लैपटॉप-प्रिंटर के लिए तकनीकी सुविधाएं और अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जायेगी।

निर्देश | सभी संस्थानों को सुरक्षा और शर्तों का करना होगा पालन

सरकार ने दी महिलाओं को रात में काम करने की इजाजत

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पुख्ता सुरक्षा उपायों और विशेष नियम एवं शर्तों को लागू करने की अनिवार्यता के साथ मध्यप्रदेश सरकार ने महिलाओं को दुकानों, वाणिज्यिक संस्थानों और कारखानों में रात की पाली यानी नाइट शिफ्ट में काम करने की इजाजत दे दी है। संस्थानों में महिला श्रमिकों को सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण दिया जाएगा। राज्य सरकार ने महिला श्रमिकों को कुछ शर्तों के साथ कार्य करने की अनुमति दी है। इस संबंध में श्रम विभाग द्वारा निर्देश जारी किए गए है। दुकानों एवं वाणिज्यिक स्थापनाओं में रात की पाली में 9 बजे से सुबह 7 बजे तक कार्य करने के लिए नियोजकों को महिला श्रमिकों की लिखित सहमति लेना अनिवार्य होगा। कम से कम 5 महिला श्रमिक के समूह में ही उन्हें कार्य पर लगाया जाएगा। कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण, शौचालय, वॉशरूम, पेयजल और विश्राम कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इन सुविधाओं के आने जाने के मार्ग का सीसीटीवी से निगरानी में होगा। जहां 10 या अधिक महिलाएं कार्यरत हों, वहां महिला गार्डस की व्यवस्था करनी होगी एवं विश्राम कक्ष भी उपलब्ध कराया जाएगा। सभी प्रतिष्ठानों को लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम का पूर्ण पालन करना होगा। महिला कर्मचारियों के लिए घर से लाने और ले जाने की परिवहन सुविधा देना नियोक्ता की जिम्मेदारी होगी। कार्यस्थल पर प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, शौचालय, भोजन व विश्राम कक्ष उपलब्ध होंगे। रात में ठहरने की व्यवस्था महिला वार्डन व सुपरवाइजर के नियंत्रण में होगी। रात की पाली में सुपरवाइजरी स्टाफ का एक-तिहाई हिस्सा महिलाएं होंगी। पाली परिवर्तन के दौरान कम से कम 12 घंटे का अंतराल जरूरी होगा।

विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने सरकार कृत-संकल्पित : मंत्री कुशवाह

सत्ता सुधार ■ भोपाल

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण एवं शाजापुर जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को शिक्षा की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार कृत-संकल्पित है। मंत्री कुशवाह प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत शुक्रवार को शाजापुर में लैपटॉप वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जिले के 1558 विद्यार्थियों को 25-25 हजार रुपये की राशि प्रदान की। मंत्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भोपाल से राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के 94 हजार 234 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 25-25 हजार रुपए की राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। उन्होंने सांकेतिक रूप से शाजापुर जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए चैक वितरित किये। मंत्री कुशवाह ने शाजापुर जिले के प्रवास के दौरान वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए बाढ़ राहत और बचाव कार्यों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिये सभी विभागों को सजग रहना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि बाढ़ की स्थिति की सतत निगरानी करें। प्रयास ऐसा हो कि जान-माल का नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में समुचित व्यवस्थाएं, राहत एवं बचाव कार्य, आवश्यक सामग्री की उपलब्धता तथा समन्वयकारी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। स्थानीय विधायकगण और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

आपदा की स्थिति से निपटने सभी विभागों को सजग रहना होगा

भोपाल आज का तापमान
MIN 22 MAX 24

ब्रीफ न्यूज़

नौकरी का झांसा देकर युवाओं को ठगने वाला पकड़ाया

भोपाल। भोपाल और उसके आसपास के युवाओं को अमेजन में टेलीकॉलर की नौकरी दिलाने के नाम पर ठगने वाले एक शातिर जालसाज को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अबतक 80 युवाओं को अपने लपेटे में लेकर लाखों रुपये ठग लिए थे। अमेजन जैसी नामी कंपनी में नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर युवाओं से लाखों की ठगी करने वाले एक आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान तलैया के रहने वाले नबील सिद्दीकी के तौर पर हुई है। वह इस ई-मेल से नकली जॉइनिंग लेटर भेजता था ताकि उसका जाल असली लगे। नबील युवकों को ग्रुप में भर्ती का झांसा देता था और हर इंटरव्यू के नाम पर 10-10 हजार रुपये की वसूली करता था। एडिशनल डीसीपी (क्राइम) शैलेंद्र सिंह चौहान के अनुसार, आरोपी ने अब तक लगभग 80 लोगों से करीब 8 लाख रुपये ठगे हैं, असल रकम इससे कहीं अधिक होने की संभावना है।

वीडियो एडिट करने का झांसा देकर, ले भागा आई फोन

भोपाल। होटल संचालक को सोशल मीडिया में कैंपेन कराने के लिए एक व्यक्ति की सहायता लेना जी का जंजाल बन गया। यह मामला भोपाल शहर के मंगलवारा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, उनके मोबाइल से वीडियो शूट हुए थे। जिसको एडिट करने के बहाने आरोपी उसे ले गया फिर वापस ही नहीं लौटा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जालसाजी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। मंगलवारा थाना पुलिस के अनुसार पीयूष नागर पिता शैतान सिंह नागर उम्र 19 साल अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहते हैं। उनका अयोध्या बायपास और इंद्रपुरी में कारोबार है। इसके अलावा उनकी मंगलवारा स्थित इंडिगो होटल भी है। तीनों संस्थानों की सोशल मीडिया में कैंपेन के लिए उन्हें विचार आया।

पुलिस आयुक्त ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध एवं भोपाल में जन सुरक्षा तथा लोक परिशांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा।

उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो पोस्ट न करें

कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि, जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है, उन्हें प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट, जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा।

लाइक, शेयर या फारवर्ड नहीं करेगा

कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर, भड़काकर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश, जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाएं, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फारवर्ड करेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियां करने के लिए आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो। भोपाल शहर की सीमा में किसी भी साइबर कैफे के स्वामी संचालक द्वारा किसी भी अनजान व्यक्ति, जिसका परिचय किसी विश्वसनीय प्रमाण-पत्र, जैसे परिचय पत्र, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, पासपोर्ट फोटोयुक्त, पैन कार्ड या ऐसे ही अन्य साक्ष्य से प्रमाणित न हो, को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जाएगा साइबर कैफे के स्वामी/संचालक द्वारा समस्त आगंतुकों/प्रयोगकर्ताओं का रजिस्टर रखा जाना आवश्यक है, जिसमें उनका हस्तलिखित नाम, पता, दूरभाष नम्बर तथा परिचय का प्रमाण पत्र अंकित हो, इसके बिना सायबर कैफे का प्रयोग वर्जित होगा। भोपाल नगर की सीमा में उपरोक्त गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा। इस आदेश अथवा इस आदेश के किसी अंश का उल्लंघन करना भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

भोपाल में वायरल, डेंगू, टाइफाइड और फूड पाइजनिंग के मरीज बढ़े

अस्पतालों को किया गया सतर्क

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राजधानी में लगातार हो रही तेज बरसात को देखते हुए सभी सरकारी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। बरसात के मौसम में मलेरिया, डेंगू, टाइफाइड, फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियों के बढ़ने की आशंका को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय ने सभी अस्पतालों को बेहतर इलाज प्रबंधन के निर्देश दिए हैं। अब अस्पतालों में पर्याप्त दवाओं का भंडारण, जांच की सुविधाएं और बिस्तर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बीएमओ और सीएमएचओ स्तर के अधिकारी निगरानी करेंगे

इसके साथ ही साफ-सफाई, पानी का रिसाव न हो, और मरीजों को बीमारी से बचाव के प्रति जागरूक करने जैसे उपायों पर भी जोर दिया गया है। भोपाल जिले में प्राथमिक और संजीवनी क्लीनिक को मिलाकर 85 अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र हैं। इन सभी पर बीएमओ और सीएमएचओ स्तर के अधिकारी नियमित निगरानी करेंगे। अस्पताल भवनों की स्थिति पर भी ध्यान देने को कहा गया है, ताकि पानी भराव या सीलन जैसी समस्याएं मरीजों के इलाज में बाधा न बनें।

मरीजों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिए हैं कि जहां मरीजों की संख्या अधिक है, वहां बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जाए और जरूरत पड़ने पर तत्काल इलाज की व्यवस्था की जाए। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए अलग से विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों में नियमित साफ-सफाई हो, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा। जेपी अस्पताल में बरसात से जुड़ी बीमारियों में बढ़ोतरी जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि बरसात शुरू होते ही अस्पताल में वायरल बुखार, डेंगू, मलेरिया और पेट से जुड़ी बीमारियों के मरीज बढ़ने लगे हैं। खासतौर पर दस्त, उल्टी, फूड पाइजनिंग और टायफाइड जैसे मामलों में इजाफा हुआ है। हमने ओपीडी और इमरजेंसी में विशेष सावधानी और अतिरिक्त स्टाफ की व्यवस्था की है।

डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय

- घर के आसपास पानी जमा न होने दें (कूलर, गमले, छत आदि)
- पूरी बांह के कपड़े पहनें
- सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें
- मच्छर मारने वाले स्प्रे या क्रीम लगाएं
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे फागिंग व दवा छिड़काव में सहयोग करें

वायरल फीवर और फ्लू से बचाव

- मौसम बदलने पर भीगने से बचें
- भीग जाएं तो तुरंत कपड़े बदलें और शरीर को गर्म रखें
- ज्यादा ठंडी चीजें खाने-पीने से बचें
- बुखार, सर्दी-खांसी होने पर डॉक्टर से तुरंत परामर्श लें

फूड पॉइज़निंग, टायफाइड व पेट की बीमारियों से बचाव

- सड़क किनारे मिलने वाले कटे फल, चाट, गोलगप्पे आदि न खाएं
- हमेशा साफ और उबला हुआ
- फिल्टर पानी ही पिएं
- खाने से पहले और शौच के बाद हाथ साबुन से धोएं
- बासी, खुले में रखे खाने से परहेज़ करें
- साफ-सफाई और व्यक्तिगत स्वच्छता
- घर व आसपास की नियमित सफाई करें
- बच्चों को खुले पानी या कीचड़ से दूर रखें
- कपड़े और बिस्तर सूखे और स्वच्छ रखें।

अब जेट पेचर तकनीक से भरे जाएंगे शहर की सड़कों के गड्ढ़े

आयुक्त संकेत भोंडवे ने जेट पेचर मशीन से गड्ढ़े भरने के कार्य का किया अवलोकन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने राजधानी के ई-7 अरेरा कालोनी में सड़कों के गड्ढ़े भरने के लिए जेट पेचर तकनीक पर आधारित अत्याधुनिक मशीन के माध्यम से सड़कों के गड्ढ़े भरने के डिमांसट्रेशन का अवलोकन किया। भोंडवे ने इस अवसर पर कहा कि जेट पेचर तकनीक के माध्यम से नगरीय क्षेत्रों में कम समय व परिशुद्धता के साथ सड़कों के गड्ढ़े भरे जायेंगे। इससे नागरिकों को भी त्वरित गति से राहत मिलेगी और सड़के भी मजबूत रहेगी। जेट पेचर मशीन के डिमांसटेऊशन के समय निगम की अपर आयुक्त टीना यादव, नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के प्रमुख अभियंता प्रदीप मिश्रा, अधीक्षण यंत्री जीवेन्द्र सिंह, निगम के अधीक्षण यंत्री सुबोध जैन सहित नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा नगर निगम भोपाल के अन्य अधिकारी मौजूद थे। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने शुक्रवार को सुबह ई-7 अरेरा कालोनी क्षेत्र में जेट पेचर तकनीक के माध्यम से सड़कों के गड्ढ़े भरने की प्रक्रिया का अवलोकन किया और अत्याधुनिक जेट पेचर मशीन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। आयुक्त भोंडवे को अवगत कराया गया कि अत्याधुनिक जेट पेचर मशीन में सड़क निर्माण सामग्री का विशेष मिश्रण प्रयुक्त होता है जिसे प्रेशराइज इंजेक्शन तकनीक के माध्यम से नगरीय क्षेत्रों की सड़कों के गड्ढ़े भरने में उपयोग किया जाता है।

सरेराह हत्या करने वाला कुख्यात बदमाश बन्ने खां गिरफ्तार

बैतूल में छिपा था 30 हजार का इनामी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

गिरफ्तारी के दौरान बन्ने खां पुलिस से भागते वक्त गिरा और उसके पैर में फैक्चर हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे भोपाल लाया गया और कोर्ट में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। जन्मदिन पार्टी में युवक की हत्या करने वाला कुख्यात बदमाश नसीम उर्फ बन्ने खां को भोपाल पुलिस ने बैतूल से गिरफ्तार किया है। कुख्यात बदमाश बन्ने खां पर हत्या के मामले में 30 हजार का इनाम घोषित था। पुलिस से भागने के चक्कर में उसके पैर में चोट लगी और पुलिस ने उसका इलाज भी कराया। इलाज होने के बाद उसे गिरफ्तार किया है। नसीम उर्फ बन्ने खां मूलतः शाजापुर जिले का रहने वाला है और वर्षों से भोपाल में परिवार के साथ रह रहा है। बन्ने खां के खिलाफ इस हत्या के साथ भोपाल,

सीहोर और राजगढ़ में करीब 46 प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। उसके खिलाफ कई बार इनाम घोषित हो चुका है। पुलिस हिरासत से भी वह भाग चुका है। 22 वर्षीय अमित 28 जून की दरमियानी रात एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने छोला थाने के लीलाधर कॉलोनी पहुंचा था। जन्मदिन पार्टी में राजा खटीक भी शामिल था। नसीम उर्फ बन्ने खां बदमाश राजा खटीक को ही मारने छह साथियों के साथ पहुंचा था। जैसे ही बन्ने खां के लीलाधर कॉलोनी पहुंचने की सूचना मिली, राजा खटीक मौके से भाग गया और बन्ने खां ने अमित वर्मा को गोली मार दी।

पुलिस से बचने भागा तो टूट गया पैर

एडीसीपी जोन-4 मलकीत सिंह के अनुसार बदमाश बन्ने खां की घेराबंदी में भोपाल पुलिस की टीम बैतूल पहुंची थी। नसीम वहां एक रिश्तेदार के यहां छिपा था। पुलिस की टीमों ने जब घेराबंदी कर उसे पकड़ने पहुंची तो वह बचने के लिए भागने लगा। भागते समय शरीर अनबैलेंस हुआ और वह गिरा तो उसके एक पैर में फैक्चर आ गया है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे भोपाल लाया गया और कोर्ट में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है। आरोपी के अन्य साथियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बन्ने खां की मां, प्रेमिका सहित चार आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अभी कुछ आरोपी फरार हैं।

बेटी ने बातचीत बंद की तो दोस्त सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बनकर धमकाने लगा

सोची समझी रणनीति के तहत किया गया आपराधिक कृत्य पाया गया

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बनकर धमकाने का मामला सामने आया है। पीड़ित को मोबाइल नंबर पर जस्टिस एन.कोटेश्वर सिंह बनकर चैट की जा रही थी। इस मामले की जांच भोपाल शहर की हबीबगंज थाना पुलिस कर रही है। इन बातों से घबराए व्यक्ति ने कोर्ट के अलावा पुलिस को भी इस मामले की जानकारी दी थी। जिसकी जांच के बाद आईटी एक्ट का दर्ज कर लिया गया है।

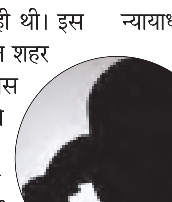

मोबाइल पर न्यायाधीश बनकर आ रहे थे संदेश: हबीबगंज थाना पुलिस सूत्रों के अनुसार इस मामले के आरोपी को चिन्हित कर लिया गया है। हालांकि अभी उसकी आधिकारिक रुप से गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस मोबाइल धारक के संबंध में टेलीकॉम कंपनी से उसके बारे में ब्यौरा जुटा रही है। मामले की जांच एसआई अखिलेश त्रिपाठी कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि शिकायत थाने में सौरभ अरोरा पिता नरेंद्र पाल अरोरा उम्र 41 साल ने दर्ज कराई है। वे अरेरा कॉलोनी में रहते हैं और प्रायवेट कंपनी में जॉब करते हैं। उनके पास मोबाइल पर न्यायाधीश बनकर बार-बार संदेश आ रहे थे। इस बात से वे काफी घबरा गए थे और मानसिक रुप से परेशान रहने लगे थे। परिचितों और दोस्तों से राय लेने के बाद इस सारे घटनाक्रम के संबंध में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को भी लिखित में जानकारी दी। यह घटनाक्रम दिसंबर, 2024 से जारी था। मामला थाने पहुंचा तो प्रारंभिक विवेचना में यह सोची समझी रणनीति के तहत किया गया आपराधिक कृत्य पाया गया। जिसमें 03 जुलाई की रात को पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

महापौर ने किया प्रौद्योगिकी सम्मेलन का शुभारंभ

भोपाल। महापौर मालती राय ने अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग नवाचार एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन-2025 के तहत इंटरनेशनल कान्फ्रेंस का उद्घाटन किया। महापौर मालती राय ने शुक्रवार को रायसेन रोड स्थित एलएनसिटी कॉलेज के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग नवाचार एवं प्रौद्योगिकी-2025 के तहत आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर एलएनसिटी के प्रदीप चौकसे सहित देश भर के विभिन्न तकनीकि संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

महिला के खाते से ढ़ाई लाख रुपए ट्रांजेक्शन, स्कीमर मशीन में छेड़छाड़ करके दिया वारदात को अंजाम

पंजाब नेशनल बैंक एटीएम बूथ में फर्जी हेल्पलाइन

- वृद्धा का खाता कर दिया खाली क्राइम ब्रांच की मदद से पकड़ में आया संदिग्ध
- शॉपिंग मॉल में की खरीददारी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में जालसाज ने स्कीमर लगाकर फर्जीवाड़ा किया। यह वारदात लगभग पांच महीना पहले हुई थी। इस मामले की जांच भोपाल शहर की हबीबगंज थाना पुलिस कर रही है। जिसकी गुपचुप तरीके से पड़ताल की जा रही थी। अब इस मामले से जुड़ा एक संदेही पुलिस के हत्थे लग गया है। उसने महिला के खाते से करीब ढ़ाई लाख रुपए का ट्रांजेक्शन किया है। रकम से उसने काफी खरीददारी भी की है।

मशीन में फंस गया था एटीएम कार्ड

हबीबगंजथाना पुलिस के अनुसार गायत्री सोंगर पति लक्ष्मण सिंह सोंगर उम्र 62 साल ने शिकायत दर्ज कराई थी। वे ई-7 अरेरा कॉलोनी में रहती है। उन्होंने बताया कि वे 10 फरवरी को बारह नंबर मार्केट में स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम गई थी। वहां पंद्रह हजार रुपए निकालते वक्त उनका एटीएम मशीन में फंस गया था। इसके बाद टोल फ्री नंबर पर उन्होंने कॉल किया। यह नंबर एटीएम बूथ पर ही लिखा हुआ था। जैसा बोला गया वैसा उन्होंने किया। जिसके बाद एटीएम बाहर आ गया। इसके बाद अगले दो दिनों के भीतर में उनके खाते में एक दर्जन बार ट्रांजेक्शन हुए और खाते से दो लाख, 46 हजार, 800 रुपए उनके खाते से निकल गए। इस दौरान आरोपी ने भोपाल के अलग-अलग शॉपिंग मॉल में जाकर खरीददारी भी की थी। शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की जा रही थी। प्रकरण की जांच एसआई शिवेंद्र पाठक कर रहे थे। हबीबगंज थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसमें क्राइम ब्रांच की भी मदद ली गई थी। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में एक संदेही को क्राइम ब्रांच ने दबोच लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

राजधानी के कई इलाकों में गंदे-बदबूदार पानी की सप्लाई

पार्षद ने मेयर को लिखी चिट्ठी

भोपाल। भोपाल के वार्ड-34 और वार्ड-40 में गंदे और बदबूदार पानी की सप्लाई से स्थानीय निवासी परेशान हैं। पार्षद पप्पू घाड़गे और स्थानीय रहवासियों ने महापौर से शिकायत की है। पानी में क्लोरिन की अधिकता से जलन और उल्टी जैसी समस्याएं भी हो रही हैं। भोपाल के कई इलाकों में गंदे और बदबूदार पानी की सप्लाई ने नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय पार्षद पप्पू विलास राव घाड़गे ने महापौर मालती राय को चिट्ठी लिखकर इस गंभीर समस्या पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि नर्मदा पाइपलाइन से जहांगीराबाद और आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई किया जा रहा पानी कई दिनों से पीने योग्य नहीं है। घाड़गे ने वीडियो सुबूत भी नगर निगम को सौंपे हैं। वहीं, वार्ड-40 के निवासी अलमास अली ने शिकायत की है कि पानी में क्लोरिन की अत्यधिक मात्रा मिलाए जाने से त्वचा में जलन और उल्टी जैसी स्वास्थ्य समस्याएं सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्लोरीन की अदिक मात्रा की वजह से बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। पार्षद घाड़गे ने मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

संसदीय राजभाषा समिति ने की हिंदी से एमबीबीएस कोर्स पढ़ाने सराहना

राजभाषा समिति ने इसे ठोस कदम बताया और दिए सुदृढ़ीकरण के लिए सुझाव

सत्ता सुधार ■ भोपाल

संसदीय राजभाषा समिति ने मध्यप्रदेश में हिंदी माध्यम से संचालित चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था की सराहना की है। समिति ने इस पहल को भारतीय भाषाओं में तकनीकी व उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ठोस कदम बताया और सुदृढ़ीकरण के लिए सुझाव दिए। संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में सम्पन्न हुई। समिति ने संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों से संवाद कर हिंदी माध्यम में अध्ययन से जुड़े अनुभव एवं पुस्तकों की गुणवत्ता पर फीडबैक प्राप्त किया।

समिति ने सुझाव दिया कि प्रारंभिक स्तर पर आने वाली चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सतत निगरानी, चरणबद्ध समीक्षा तथा फीडबैक आधारित सुधारात्मक पहल अपनाई जानी चाहिए। बैठक में संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य उ÷वल रमण सिंह (सांसद, लोकसभा, इलाहाबाद-उत्तर प्रदेश), शंकर लालवानी (सांसद, लोकसभा, इंदौर-मध्यप्रदेश), डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी (सांसद, रा'यसभा, मध्यप्रदेश), डॉ. अनिल सुखदेवराव बोंडे (सांसद, रा'यसभा, महाराष्ट्र), हरिभाई पटेल (सांसद, लोकसभा, मेहसाणा-गुजरात), कुलदीप इंदौरा (सांसद, लोकसभा, गंगानगर-राजस्थान) और जियाउर्रहमान (सांसद, लोकसभा, संभल-यूपी) मौजूद थे। समिति सचिव प्रेमनारायण, हिंदी अधिकारी मनोज कुमार और रिपोर्टर मोहम्मद आरिफ भी बैठक में सम्मिलित हुए। गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की स्वशासी समिति के अध्यक्ष मयंक अग्रवाल और महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. कविता एन सिंह ने समिति का स्वागत किया। उन्होंने प्रदेश में हिंदी माध्यम से मेडिकल शिक्षा की प्रगति पर प्रस्तुति दी। बताया गया कि प्रदेश के समस्त चिकित्सा महाविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों के सहयोग से एमबीबीएस पाठ्यक्रम के सभी 15 विषयों की पुस्तकों का हिंदी में सफलतापूर्वक अनुवाद एवं संपादन किया गया है।

सर्वांगीण विकास, सामाजिक समरसता से सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण

मुख्यमंत्री आज ग्वालियर में समरसता सम्मेलन में होंगे शामिल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज के सर्वांगीण विकास और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की सामाजिक समरसता की भावना के अनुसार सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रदेश के सामाजिक परिदृश्य में तेजी से सकारात्मक बदलाव आ रहा है। मुख्यमंत्री का कहना है कि विकास की मुख्यधारा में हर वर्ग को साथ लेकर चलने से ही सामाजिक एकता मजबूत होती है। सामाजिक समरसता ही वह भावना है जो कठिन परिस्थितियों में भी परस्पर सहयोग और मदद के लिए प्रेरित करती है। सशक्त समाज से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में ग्वालियर में शनिवार को 'समरसता कार्यक्रम' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर के जौरासी गांव में बनने वाले अंबेडकर धाम का भूमि-पूजन करेंगे। यह स्थल सामाजिक समरसता, न्याय और समानता के प्रतीक डॉ. अंबेडकर के विचारों का जीवंत केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री इस अवसर पर विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरित करेंगे, सामाजिक समरसता की शपथ दिलाएंगे और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नागरिकों को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में सामाजिक एकता पर विषय विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस अवसर पर सहभोज का आयोजन भी किया गया है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना के अंतर्गत बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को ×0 हजार रुपये तक का पुरस्कार दिया जाता है। डॉ. अंबेडकर छात्रवृत्ति योजना और अंबेडकर फेलोशिप के जरिए उ'च शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन को बढ़ावा दिया जा रहा है। सीहोर और मुरैना में स्थापित डॉ. अंबेडकर तकनीकी शिक्षा संस्थानों में आवासीय प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है।

डॉ. अंबेडकर सामाजिक समरसता अभियान के तहत प्रदेशभर में पंचायत स्तर तक जनसंवाद, रैलियाँ, नाटक, प्रतियोगिताएं और संविधान जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। प्रदेश के कई बस स्टैंड, सड़कें, उद्यान, पुस्तकालय एवं महाविद्यालयों का नामकरण डॉ. अंबेडकर किया गया है। वर्ष 2016 में महू रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अंबेडकर नगर स्टेशन किया गया।

डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय सामाजिक सहयोग एवं सशक्तिकरण संस्थान द्वारा डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र योजना चलाई जा रही है, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों को सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं केवल कल्याणकारी ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को जीवन में उतारने की दिशा में प्रभावी कदम हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में रा'य एक ऐसे समाज की ओर अग्रसर है, जहां सभी वर्गों को समान अवसर और सम्मान के साथ विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा रहा है।

अंबेडकर के विचार जन-जन तक पहुंचाने की पहल

केन्द्र सरकार ने डॉ. अंबेडकर के विचारों, योगदान और आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। इनका उद्देश्य सामाजिक न्याय, शिक्षा, सशक्तिकरण और समावेशी विकास को मजबूती देना है। डॉ. अंबेडकर को वर्ष 1990 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया, जो उनके ऐतिहासिक योगदान का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान था।

सांस्कृतिक धरोहर का करना है संरक्षण

रा'य सरकार ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों और योगदान को सम्मान देते हुए सामाजिक समरसता को सशक्त करने के लिए शिक्षा, रोजगार, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक न्याय को केंद्र में रखकर कई योजनाएं शुरू की हैं। डॉ. अंबेडकर के जीवन, विचारों और योगदान को सम्मान देते हुए अनुसूचित जाति वर्ग के सशक्तिकरण के लिए रा'य शासन की कई प्रभावी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। योजनाओं का उद्देश्य सामाजिक समरसता, आर्थिक उन्नयन, शैक्षिक प्रगति और सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण करना है।

नर्मदा परिक्रमा तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए परिक्रमा पथ का विकास होगा

कोतमा में 443.31 करोड़ लागत के विकास कार्यों का किया वर्चुअल भूमि-पूजन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अमरकंटक के पर्यटन विकास में नये आयाम जोड़े जायेंगे। उन्होंने कहा कि अमरकंटक धार्मिक एवं पर्यटन के लिए विश्व प्रसिद्ध है यह त्रिवेणी नर्मदा, सोन एवं जोहिला का मायका है, मध्यप्रदेश सरकार नर्मदा परिक्रमा पथ क्षेत्र के समग्र विकास के लिये संकल्पबद्ध है। इसके तहत घाटों का विकास, अन्न क्षेत्र का विकास और वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा। नदियां हमारी समृद्धि का माध्यम हैं और नर्मदा परिक्रमा के तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिये भवन बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अनूपपुर का 1300 करोड़ की राशि से निर्मित रामसेतु ऋषिकेश में बने सेतु की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अनूपपुर जिले के कोतमा में आयोजित हरियाली से खुशहाली का नया परिवेश कार्यक्रम में अमृत हरित महाअभियान तथा हितग्राही सम्मेलन को रीवा से वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोतमा में आयोजित हितग्राही सम्मेलन में रिमोट का बटन दबाकर 443.31 करोड़ रुपए की लागत वाले 114 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने नीट एण्ड जेईई कोचिंग, अमरकंटक में नर्मदा नदी पर 13 करोड़ रूपए की लागत से प्रसाद योजना के तहत राम घाट पर बनाए गए रामसेतु का लोकार्पण किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य और केन्द्र की सरकार प्रदेश में धार्मिक एवं आस्था वाले तीर्थ स्थानों का लगातार विकास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या धाम की तर्ज पर 2800 करोड़ की लागत से चित्रकूट धाम का भी विकास किया जाएगा। राज्य और केंद्र की सरकार 1450 किलोमीटर लंबा राम वन गमन पथ तैयार करने पर कार्य कर रही है। बदलते दौर के मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

लोगों को स्वच्छ पेयजल, बेहतर सड़क सुविधा और युवाओं को बेहतर शिक्षा मिलेगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनूपपुर जिले में नीट एवं जेईई की निःशुल्क प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के लिए 84 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस की शुरुआत एक अभिनव और अनुकरणीय पहल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनूपपुर के लोगों को स्वच्छ पेयजल, बेहतर सड़क सुविधा और युवाओं को बेहतर शिक्षा मिलेगी। अनूपपुर में नए केंद्रीय विद्यालय का निर्माण हो रहा है। आज सोन बैराज का भूमि-पूजन हुआ है, इससे सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। शीघ्र ही लगभग 13 करोड़ की लागत से इनडोर स्टेडियम और स्टेडियम तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को गुरुपूर्णिमा की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि आगामी 10 जुलाई को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों को साईकल वितरण तथा शिक्षा संस्थानों का लोकार्पण किया जाएगा। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोग से प्रदेश सरकार किसान, महिला, युवा, गरीब के जीवन को बेहतर बनाने के लिए संकल्पित है। प्रदेश में महिलाओं को शासकीय सेवाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना की पात्र हितग्राहियों को रक्षाबंधन से पहले अतिरिक्त 250 रुपए शगुन के रूप में मिलेंगे। दीपावली के बाद भाई दूज से लाडली बहनों को हर महीने 1500 रुपए दिए जाएंगे। राज्य सरकार संकल्प पूरा करते हुए 2028 तक 3000 रुपए बहनों के खातों में भेजेगी। इस अवसर पर उन्होंने वीरांगना रानी दुर्गावती और लोकमाता अहिल्या बाई का स्मरण करते हुए कहा कि इनकी अद्भुत प्रशासन क्षमता आज भी हम सब का मार्गदर्शन कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के 2 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 52 हजार रुपए हो गई है। प्रदेश सरकार ने स्कूली विद्यार्थियों को पढ़ाई में असुविधा न हो, इसके लिए समय पर पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराने का काम किया है। आगामी दिनों में गणवेश, स्कूटी, साईकल का भी वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 जुलाई को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर विद्यार्थियों को साईकिलों का वितरण किया जाएगा। सांदीपनि विद्यालय के रूप में हमारी शिक्षा व्यवस्था को एक अनुपम सौगात मिल रही है।

पिछड़ा वर्ग सूची में जातियों को शामिल करने आयोग ने की जनसुनवाई

वर्तमान में केन्द्रीय सूची में मध्यप्रदेश के लिए 68 जातियां सम्मिलित

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर एवं आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल ने शुक्रवार को प्रदेश की पिछड़ा वर्ग सूची में सम्मिलित 32 जातियों को मध्यप्रदेश राज्य की केन्द्रीय सूची में सम्मिलित करने के लिए राजकीय अतिथि गृह भोपाल में जनसुनवाई की। जिसमें इन जातियों के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश राज्य की पिछड़ा वर्ग की केन्द्रीय सूची में सम्मिलित होने के लिये अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

सचिव राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने बताया कि वर्तमान स्थिति में केन्द्रीय पिछड़ा वर्ग की केन्द्रीय सूची में मध्यप्रदेश राज्य के लिए 68 जातियां सम्मिलित हैं। जबकि मध्यप्रदेश शासन की सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जाति की सूची में 94 जाति/उपजाति/वर्ग समूह सम्मिलित हैं। ज्ञातव्य है कि मध्यप्रदेश शासन, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकीय विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से इन 32 जाति/उपजाति/वर्ग समूह के सामाजिक, शैक्षणिक एवं सेवा में पिछड़ेपन के आंकड़े एकत्रित करने के लिए सर्वे कार्य कराया गया है। फील्ड सर्वे के उपरांत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा इन जातियों के आकड़े शासन को प्रस्तुत किए गए है।

इन आंकड़ों का अध्ययन करने के लिए जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, सदस्य सीताराम यादव, विभागीय प्रमुख सचिव डॉ. ई रमेश कुमार, अपर सचिव अनुराग चौधरी, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण आयुक्त सौरभ सुमन मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव डॉ. देवेश कुमार मिश्रा सम्मिलित रहें।

उद्यमियों ने किया सूरत टेक्सटाइल और गारमेंट क्लस्टर का एक्सपोजर विजिट

एमएसएमई उद्यमियों को देश के प्रमुख औद्योगिक क्लस्टरों से अवगत

सत्ता सुधार ■ भोपाल

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की रैंप योजना एवं मध्यप्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के नेतृत्व में × से 5 जुलाई 2025 तक सूरत के विख्यात टेक्सटाइल एवं गारमेंट क्लस्टर में मध्यप्रदेश के 22 एमएसएमई उद्यमियों का एक्सपोजर विजिट जारी है। लघु उद्योग निगम इस विजिट की नोडल एजेंसी है। इस एक्सपोजर विजिट में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, मंदसौर, धार, गुना आदि से चयनित एमएसएमई इकाइयों ने भाग लिया। इनका चयन पूर्व निर्धारित पात्रता मानदंडों के आधार पर किया गया जिससे उच्च विकास क्षमता वाली इकाइयों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस भ्रमण का उद्देश्य एमएसएमई उद्यमियों को देश के प्रमुख औद्योगिक क्लस्टरों से अवगत कराना, सफल व्यावसायिक मॉडल से सीखने का अवसर देना और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से उनके कौशल को विकसित करना है। दौरे के पहले दिन गुरूवार को रैंप योजना के राज्य नोडल अधिकारी तथा उप मुख्य महाप्रबंधक-लघु उद्योग, अनिल थागले ने प्रतिभागियों को योजना और इस दौरे के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य महाप्रबंधक ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और इस प्रकार के अध्ययन दौरों की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस पहल से एमएसएमई इकाइयों को न केवल आधुनिक औद्योगिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिलता है बल्कि वे अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाकर प्रतिस्पर्धात्मक रूप से आगे भी बढ़ सकते हैं। एक्सपोज़र विजिट के दौरान प्रतिभागियों नेयोगानंद टेक्सटाइल्स प्रालि, प्लस के लाइट फैशन प्रालि, मंत्रा, लक्ष्मीपति समूह की इकाइयों आदि का भ्रमण कर बड़े पैमाने पर उत्पादन, ब्रांडिंग और विपणन रणनीतियों को भी समझा।

कारईवाई | निगम अमले ने कई क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

ठेले, गमले, कैरेड, टेबिल भट्टी की जब्त, तोड़े चबुतरे

सत्ता सुधार ■ भोपाल

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने के साथ ही जिला प्रशासन सहित अन्य विभागों को सहयोग देने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से बनें शेड, स्लेब, चबूतरे तोड़े तथा दुकानों के सामने रखा सामान, ठेले, गुमठी, टपरा, काउंटर, पान पार्लर, पटिये तथा फल-सब्जी की दुकानों को हटाने की कार्यवाही की और ठेले, टेबिल, कैरेड, भट्टी, गमले आदि किए जब्त।

अतिक्रमण न करने की दी समझाइशः

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शुक्रवार को पीरगेट, कोहेफिजा, गुफा मंदिर रोड, ऐशबाग, चाणक्यपुरी, करोद, महात्मा गांधी मार्केट, न्यू मार्केट, भारतमाता चौराहा, माता मंदिर, एमपी नगर, गायत्री मंदिर, जहांगीराबाद, अरेरा कालोनी, लिंक रोड नं. 01, 02, 03, चूना भट्टी, जवाहर चौक, अशोका गार्डन, कटारा हिल्स, बर्रई, अमलतास कालोनी, गौरीशंकर परिसर, कोलार, डीमार्ट, कलियासोत, 1100 क्वाटर्स, लिली टॉकीज, रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन आदि क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए कोहेफिजा मेनरोड के किनारे बना 01 अवैध टपरा, चूना भट्टी क्षेत्र में नाली पर बनें स्लैब, हर्षवर्धन नगर माता मंदिर क्षेत्र में अवैध रूप से बना चबूतरा, जवाहर चौक क्षेत्र में सड़क किनारे बना 01 अवैध छप्पर, कटारा बर्रई क्षेत्र में अवैध रूप से बना शेड आदि तोड़ा तथा विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण कर रखी गई भवन निर्माण सामग्री, दुकानों के बाहर रखा सामान, फल-सब्जी की दुकानें व बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, काउंटर, पान पार्लर, आदि को हटाया और 13 ठेले, 08 गमले, 05 कैरेड, 03 टेबिल, 01 भट्टी सहित अन्य प्रकार का सामान जब्त किया।

कार्यालय थाना प्रभारी, स्टेशन बजरिया भोपाल

फोन नं. 0755-2735621,2677368 E-mail psbajariya@gmail.com

क्रमांक-/20/2025 दिनांक- 29/06/2025

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना स्टेशन बजरिया भोपाल के मर्ग क्र. 20/2025 धारा 194 बीएनएसएस. में अज्ञात पुरुष उम्र लगभग 60-65 वर्ष करीब जिसका हुलिया- कद 5 फीट शरीर दुबला पतला बाल काले हल्के दाढ़ी नीली टी शर्ट मटमैला नेकर व ब्राउन फुल पेंट पहने है। भीखारी नुमा लग रहा है।। जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि इस मृत व्यक्ति के संबंध में किसी को कोई जानकारी हो या इसके वह परिजन हो तो थाना स्टेशन बजरिया में आकर संपर्क करें अथवा दूरभाष क्र. 0755-2677368, जांच कर्ता सउनि गंजन सिंह मो.न. 7049106047 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना स्टेशन बजरिया
भोपाल (म.प्र.)

G-15159/25

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 27 / 2025

निविदा सं. : 20255015 जिसकी खुलने की तिथि : 19/06/2025 थी, जो कि इस कार्यालय निविदा सं. : EPS/77/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं- **Tender No. & Short Description:** 20255015 **Description** Bogie frame with brake rigging for WAG-9 locomotive Bogie frame, **Tender Opening Date:** From 03/07/2025, **Tender Title:-** Bogie Frame with brake rigging for WAG-9 locomotive Bogie frame complete as per CLW Spec. No. CLW / MS/3/Bogie/003 Alt-2 or latest and Drg. No. 1209-01.112-202 Alt-Nil or latest along with brake gear arrangement and details for WAG9HC loco to CLW Drg/Spec No. 1209 01.116-059 Alt-5 or latest and 1209-01.218060 along with pipe line arrangement as per CLW Drg. No. 1209-12.017-032 Alt-1 or Latest suitable for brake system in fitted condition, To - 18/07/2025, **Tender Title:-** Bogie Frame with brake rigging for WAG-9 locomotive Bogie frame complete as per CLW Spec. No. CLW / MS / 3 / Bogie / 003 Alt-2 or latest and Drg. No. 1209-01.112-202 Alt-Nil or latest along with brake gear arrangement and details for WAG9HC loco to CLW Drg./Spec No. 1209-01.116-059 Alt-5 or latest and 1209-01.218060 along with pipe line arrangement as per CLW Drg. No. 1209-12 017-032 Alt-1 or latest suitable for brake system in fitted condition. NOTE: it is clarified that SET means comprising of 02 Nos/Set. अद्यतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट https://www.ireps.gov.in. देखें

(हस्ता)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे,जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सामाजिक समरसता कार्यक्रम

सायं 6:00 बजे | दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार, कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

अपराह्न 4:00 बजे | आई एस बी टी, ग्वालियर

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

ज्योतिरादित्य सिंधिया
केन्द्रीय मंत्री, संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास

नरेन्द्र सिंह तोमर
अध्यक्ष, मध्यप्रदेश विधानसभा

5 जुलाई, 2025

समरस समाज की स्थापना के सतत प्रयास

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की **जन्मभूमि महू , महानिर्वाण स्थल दिल्ली, दीक्षा भूमि नागपुर, चैत्य भूमि मुंबई और शिक्षा स्थल लंदन 'मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना' में सम्मिलित**

महू को अंतर्राष्ट्रीय स्थल के रूप में विकसित करते हुए **अम्बेडकर इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर एवं स्मारक संग्रहालय का विकास** एवं महू रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर हुआ **अम्बेडकर नगर स्टेशन**

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना - स्व-रोज़गार के लिए डेयरी इकाई लगाने हेतु ₹42 लाख तक ऋण
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना - अनुसूचित जाति के युवाओं को ₹1 लाख तक की स्व-रोज़गार अनुदान सहायता
- डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर उद्योग उदय योजना - एमएसएमई क्षेत्र में अनुसूचित जाति-जनजाति उद्यमियों को वित्तीय सहायता
- अम्बेडकर गौ-शाला विकास योजना - आधुनिक गौ-शालाओं हेतु 125-150 एकड़ शासकीय भूमि आवंटन
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना - अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों को 10वीं-12वीं में सर्वोच्च अंक लाने पर ₹30 हजार का पुरस्कार
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर छात्रवृत्ति योजना - अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु अम्बेडकर फैलोशिप
- भोपाल में मध्यप्रदेश के सबसे लंबे फ्लाईओवर का नाम डॉ. अम्बेडकर के नाम पर रखा गया
- डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य - सागर में 258.64 वर्ग कि.मी. में प्रदेश का 25वां अभयारण्य

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025
D-11058/25

बैंक में जमा राशि का पूर्ण बीमा क्यों नहीं, बैंक उपभोक्ताओं से लूट

भारतीय बैंकों में करोड़ों लोगों की राशि बचत खाते और एफडी के रूप में जमा है। सरकार ने बैंकों को अब दिवालिया कानून के अंतर्गत ला दिया है। बैंक में ग्राहकों की जमा राशि पर पहले एक लाख, बाद में 2 लाख और अब अधिकतम 5 लाख रुपए तक का बीमा किया जाता है। इस बीमा की वर्तमान पाँच लाख रुपए की सीमा को दस लाख तक करने की चर्चाएँ संसद ओर वित्त मंत्रालय में हो रही हैं। सवाल यह है, कि जब सरकारी बैंकिंग को सबसे सुरक्षित समझा जाता था। अब बैंक दिवालिया कानून की जद में आ गए हैं। बैंकों में जमाकर्ता की पूरी रकम सुरक्षित होनी चाहिए। बैंकों में जो राशि जमा है। बैंक डूबने की स्थिति में जमा करता को बैंक में जमा पूरी राशि वापस मिलनी चाहिए। बैंकों के साथ अनुबंध के तहत नागरिक अपनी जीवनभर की बचत बैंकों को सौंपते हैं। डिपॉजिट इंश्योरेंस योजना 1962 से लागू है। आरंभिक सीमा 1,500रुपए थी। बढ़ते-बढ़ते 1993 में इस राशि को एक लाख और 2020 में 5 लाख किया गया। अब वित्त मंत्रालय इस सीमा को संशोधित करने पर विचार कर रहा है। आँकड़े बताते हैं, कि 97.8 प्रतिशत बैंक खाते पूरी तरह से बीमित हैं। इसके बाद भी कुल जमाराशि का केवल 43.1प्रतिशत राशि ही बीमा के दायरे में आती है। बैंक के खाते भले सुरक्षित लगें, पर ?500000 से अधिक जमा राशि आज भी जोखिम में है। बीमा का मूल उद्देश्य प्रत्येक जमाकर्ता के धन वापसी की गारंटी होनी चाहिए। बीमित बैंक खाते में मिनिमम गारंटी का औचित्य बैंक ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी है। बैंकों का जोखिम आम जमाकर्ताओं के कंधों पर क्यों डाला जा रहा है।

मार्च 2024 तक डिपॉजिट इंश्योरेंस फंड में 1,98,753 करोड़ रुपए उपलब्ध थे। वर्ष 2024 मे बैंकों ने 23,879 करोड़ प्रीमियम जमा किया। बीमा दावों का भुगतान केवल 1,432 करोड़ का हुआ। ये आँकड़े दर्शाते हैं, कोष के पास पर्याप्त राशि उपलब्ध है। बैंक यदि दिवालिया होते हैं, तो अनियंत्रित दावों की स्थिति में यह राशि ऊंट के मुंह में जीरे के समान हो सकती है। इसलिए सरकार और बीमा फंड, बैंकों में जमा राशि को एक निश्चित राशि तक ही बीमा से कवर करने की बात करता है। हालिया मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सरकार 10 लाख या उससे अधिक

के विकल्प पर विचार कर रही है। इससे अधिकांश मध्यमवर्गीय खाताधारकों की पूँजी कुछ हद तक सुरक्षित हो जाएगी। मौजूदा निश्शुल्क सीमा 10 लाख के ऊपर की राशि के लिए जमाकर्ता को एक ऐड-ऑन कवर की सुविधा दी जानी चाहिए। जैसे वाहन बीमा में ऐक्सेसरी को कवर किया जाता है।

ये कलियुग है जनाब! टीचर बने टीजर?

मनोज कुमार अग्रवाल

महाराष्ट्र के मुंबई से एक शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक टीचर ने स्कूल में पढ़ने वाले नाबालिग छात्र से शारीरिक संबंध बनाए। जांच में सामने आया कि टीचर ने एक बार नहीं ब्लकि कई बार छात्र को अपनी हवस का शिकार बनाया।

पुलिस ने बताया है कि जब परिवार ने छात्र के व्यवहार में बदलाव देखा, तो उसने कथित तौर पर खुलकर यौन शोषण की बात बताई। हालांकि, परिवार को लगा कि स्कूल पास करने में कुछ ही महीनों का समय बाकी है, तो वो चुप रहे। उन्हें उम्मीद थी कि टीचर बच्चे का पीछा छोड़ देगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि इस साल छात्र बोर्ड की परीक्षा पास कर गया, लेकिन वह डिप्रेशन में था। मामले ने दोबारा तूल तब पकड़ा, जब टीचर ने घरेलू नौकर के जरिए बच्चे से फिर संपर्क साधने की कोशिश की। उसने संदेश भिजवाया कि वह मिलना चाहती है। पुलिस ने कहा, 'तब परिवार ने हमारे पास आने का फैसला किया और केस दर्ज कराया।' टीचर की उम्र 40 साल बताई जा रही है और वह शादीशुदा है। साथ ही उसका एक बच्चा भी है। जबकि, पीड़ित छात्र 11 कक्षा में था और 16 साल का था। शिकायत में कहा गया है कि वह दिसंबर 2023 में हाई स्कूल के वार्षिक समारोह के दौरान डांस ग्रुप बनाने के समय वह कई बार छात्र के संपर्क में आई। तब ही वह उसके प्रति आकर्षित हुई। जनवरी 2024 में उसने पहली बार छात्र के सामने संबंधों का प्रस्ताव रखा। छात्र ने शुरुआत में दूरी बनाना शुरू कर दी। इसके बाद टीचर ने स्कूल से अन्य उसकी एक महिला मित्र का सहारा लिया और बात आगे बढ़ाई। इस मामले में दोस्त के खिलाफ भी केस दर्ज हुआ है। उसने कथित तौर पर पीड़ित छात्र से कहा था कि वो दोनों एक दूसरे के लिए बने हैं और उम्रदराज महिलाओं और लड़कों के बीच रिलेशनशिप आम बात है।

इसके बाद टीचर ने उसे दक्षिण मुंबई के अलग-अलग पांच सितारा होटल ले जाना शुरू किया और शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने बताया है कि संबंध बनाने से पहले कई बार टीचर छात्र को शराब पिलाती थी।

आपको पता रहे कि माता-पिता के बाद समाज में अध्यापक का ही सर्वोच्च स्थान माना गया है। अध्यापक ही बच्चों को सही शिक्षा देकर ज्ञानवान बनाते हैं, परंतु आज चंद अध्यापक-अध्यापिकाएं अपनी मर्यादा भूल कर बच्चों का यौन शोषण तक कर रहे हैं। 22 फरवरी को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) के लखावटी गांव में स्थित एक सैकेंडरी स्कूल में पहली कक्षा की छात्रा स्कूल में स्कर्ट के स्थान पर लैगिंग्स पहन कर आ गई तो गुस्से में आकर उसकी टीचर ने पूरी क्लास के सामने उसकी लैगिंग उतरवा कर अढ़ाई घंटे तक क्लास रूम में खड़ी किए रखा। इसका

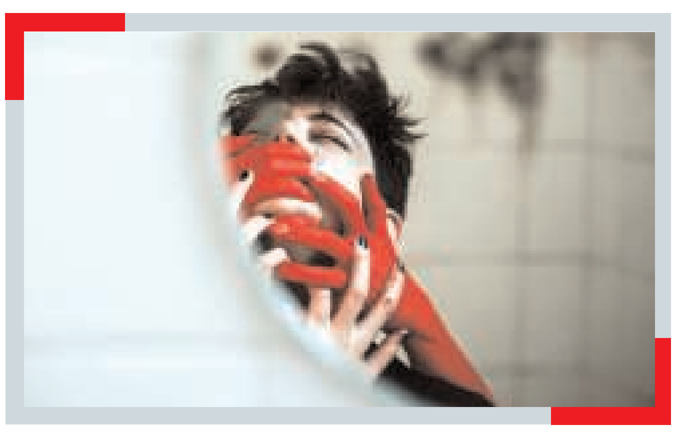

पता चलने पर बच्ची के अभिभावकों ने स्कूल में पहुंच कर भारी हंगामा किया और पुलिस में टीचर के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई। 20 मार्च को हाथरस (उत्तर प्रदेश) के एक कालेज में भूगोल विभाग के प्रमुख प्रोफैसर रजनीश कुमार के विरुद्ध छात्राओं को अपने घर बुलाकर उनका यौन शोषण करने के आरोप में केस दर्ज किया गया। छात्राएं चेहरा ढांप कर उसके कमरे में पहुंचतीं जहां वह उनका यौन शोषण करता था। 9 अप्रैल को कुशी नगर (उत्तर प्रदेश) में मल्लूडीह स्थित सरकारी स्कूल में मैनुद्दीन अंसारी नामक एक अध्यापक एक छात्रा को परीक्षा में नम्बर बढ़ाने का झांसा देकर एक कमरे में ले गया और उसके साथ बलात्कार कर डाला। घटना का पता चलने पर गांव वालों ने स्कूल के बाहर नारेबाजी करते हुए धरना लगा दिया और आरोप लगाया कि विद्यालय के प्रिंसीपल सहित अन्य कर्मचारियों को इसकी जानकारी होने के बावजूद उन्होंने अध्यापक को कुछ नहीं कहा, अतः स्कूल का पूरा स्टाफ बदला जाए। 14 अप्रैल को विकास नगर (उत्तराखंड) में चकराता ब्लाक के सरकारी स्कूल के अध्यापक के विरुद्ध पुलिस ने एक युवती से बलात्कार करने के आरोप में केस दर्ज किया। इस घटना से दुखी होकर पीड़िता ने आत्महत्या करने का प्रयास किया परन्तु समय रहते पता चल जाने पर घर वालों ने उसे अस्पताल पहुंचा दिया जिससे उसकी जान बच गई। 18 अप्रैल को कटनी (मध्य प्रदेश) के बरही स्थित सरकारी हायर सैकेंडरी स्कूल के अध्यापक नवीन प्रताप सिंह का 7 स्कूली बच्चों को शराब पिलाने का वीडियो वायरल होने पर उसे निलंबित किया गया। 28 अप्रैल को बस्ती (उत्तर प्रदेश) के प्राइमरी स्कूल में पोर्न देखने के आदी अली आजम नामक अध्यापक के विरुद्ध अपने किराए के मकान के सांझा बाथरूम में सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाकर दूसरे किराएदार की बेटियों के निजी क्षणों के वीडियो बनाने के आरोप में पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। 28 मई को मोतीहारी (बिहार) के कोरिया लोखान स्थित प्राइमरी स्कूल में शमीम अख्तर नामक एक अध्यापक को स्कूल परिसर में एक महिला के साथ रंगरलियां मनाते पकड़े जाने पर गांववासियों ने उसकी जमकर पिटाई करने के बाद हाथ-पैर बांध कर पुलिस के हवाले कर दिया। 23 जून को गुरुग्राम (हरियाणा) स्थित एक निजी स्कूल की शादीशुदा अध्यापिका को एक नाबालिग छात्र को परीक्षा में अच्छे नंबर दिलवाने का झांसा देकर उसे होटलों के अलावा अपने घर ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।और अब 25 जून को धार (मध्य प्रदेश) जिले में सिधाना गांव के एक प्राइमरी स्कूल में तैनात कविता कोचे नामक अध्यापिका द्वारा नशे की हालत में शराब पीकर स्कूल में आकर हंगामा करने और स्टाफ तथा छात्रों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का वीडियो वायरल होने के बाद स्कूल प्रबंधन ने कविता कोचे को निलंबित करने के साथ ही उसके विरुद्ध पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई। अध्यापकों के एक वर्ग द्वारा मर्यादाहीन आचरण के उक्त उदाहरण इस आदर्श व्यवसाय पर एक घिनौना धब्बा हैं। अतः छात्रों के साथ इस तरह का आचरण करने वाले अध्यापक-अध्यापिकाओं को कठोरतम सजा दी जाए ताकि इससे दूसरे अध्यापक-अध्यापिकाओं को भी नसीहत मिले व छात्र-छात्राएं सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई कर सकें।

शांति से काम लें और असलियत को समझें

आज विज्ञान का युग इतना बढ़ गया है कि हर तरफ विज्ञान का डंका बजाने वाले देश अब विज्ञान से विनाश की ओर जा रहे हैं आदमी सुबह उठता है रात में आराम करता है बाद में जब घर आता है तो हर तरफ युद्ध का समाचार सुन सुन कर बोर होने लगता है इससे पहले था ब्लैक एंड वाइट टीवी का जिसमें लोग एक चैनल देख्ते थे और टीवी से ख़ुशी मिलती थी टीवी मनोरंजन हेतु होता है दूसरे देश का युद्ध से हमारा क़ोई लेना देना नहीं है इससे लोग उब चुके है और जब वही चीज बार बार सुनने क़ो मिलता है तो और भी गुस्सा आता है और टीवी क़ो बन्द कर देते है हैरानी की बात यह है कि सभी में एक ही चीज चलता है ख़ासकर इजराइल और ईरान का युद्ध जो यहाँ से बहुत दूर है अब तो छोटे देश अर्मेनीया और रूस का भी समाचार मिल रहा है जबकी बीते 3साल से रूस और यूक्रेन का लागातार युद्ध देख देख कर लोग उब चुके है और देश में चुनाव से लेकर 15 साल पूरानी गाड़ी क़ो दिल्ली में

पेट्रोल नहीं मिलेगा रेल में किराया बढ़ गया मस्जिद से लाउडस्पीकर हटाकर मोबाइल पर सुने आजान ये सब तमाम खबरें बकबास नजर आती है क्योंकि उससे आपको क्या मिला हाँ ऐ दिखाया जाए पढ़ाई कैसे की जाए रोजगार कैसे मिले तो सभी के लिए लाभकारी होगा भगवान राम के बारे में कुछ दिखा दो लोगों क़ो शौक नहीं है पुरानी गाड़ी पर चलने का लेकिन उनकी इनकम और ख़र्ज देखिए और गाड़ी फ्री में तो नहीं मिल रही है धर्म में कौन क्या कर रहा है इससे क्या लेना डेन्स धर्म वास्तव में सही ज्ञान धारण करना है अपने आप क़ो पहचानने का सही संदेश है लोगों का अपना अपना धर्म है और वो कर्म करने का रास्ता बतलाता है और जैसा कर्म करोगे वैसा फल देगा भगवान ऐ गाना भी सुना होगा भगवान श्री राम के बारे में कुछ लोग समझना पसंद करते हैं कुछ नहीं कहते हैं ऐ नया जमाना है समय अब बदल गया है और आज तो न्यूज में ऐ सुनाई देती है कि पती ने पत्नी से तंग आकर आत्महत्या कर लिया और नबी किया है तो हत्या कर दिया गया आदमी की भावना समझना चाहिए एज एक पैसा कितनी मेहनत से कमाता है और जब पानी में बहता देखता है तो स्वभाविक है कि वह तंग हो जायेगा अतः हमें बच्चों में अच्छा संस्कार देना चाहिए टीवी से दूर रख कर पढ़ाई में मेहनत करोगे तभी सफलता हासिल होगी और आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और वही देश की सेवा में काम आएगा भगवान राम जैसे पहले दिखते थे वैसे आज भी दिखते हैं लेकिन पहले लोगों में आस्था प्रबल थी इसलिए जब रामानन्द सागर की फ़िल्म रामायण टीवी पर आयी तो पूरा दुकान बन्द और रोड पर रामायण देखने के लिए सब दुकान बन्द कर देते थे जैसे मानी कर्फ़ू लगा है समय भी वही है पहले भी घंटा में 60 मिनट होते थे वो आज भी उतना ही हैं कुछ बदला है तो समय का चक्र और वह किसी का इंतज़ार नहीं करता इसलिए समय नहीं लोग बदल गए हैं जिसे सुधारने की आवश्यकता है पढ़ाई करना साथ साथ मानवता की रक्षा लोगों क़ो मदद करना गरीबों की सेवा करना माता पिता की सेवा करना ही हमारा धर्म है भगवान श्री राम भी यही संदेश दिए हैं और आप इस दुनिया से आखिर लेकर क्या करने जा सकते हैं अपना कर्म माता पिता की सेवा मामवता की रक्षा करना ही आपकी असली पूंजी है जो स्पस्ट रूप से दिखाई तो नहीं देती लेकिन यही सत्य है अतः धन दौलत हीरा जवाहरत ऐ सब आकर्षित करते हैं और समय पर काम भी आते हैं लेकिन कुछ समय के लिए बाद में नस्ट होना तय है लेकिन जो गरीब है उसे भी ईश्वर उसको बचाता है और समय पर काम आता है शरीर क़ो बनाने वाला ही शरीर क़ो ठीक करना जानता है और असंभव क़ो संभव बनाता है प्रभु राम के चरण के स्पर्श मात्र से अहिल्या क्यों जीवित हो गई क्योंकि भगवान राम इतने पवित्र थे और 14 साल पैदल चलने के कारण उनके चरणों में सकारात्मक ऊर्जा निकलती है जो हर दोष क़ो दूर करती है इसलिए अपने क़ो समझने की कोशिश करें भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति और धर्म के आधार स्तंभ माने जाते हैं। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने अपने पूरे जीवन में धर्म, सत्य, कर्तव्य और मर्यादा का पालन किया। श्रीराम का जीवन केवल एक कथा नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है, जिससे हम जीवन में आदर्श व्यवहार, संयम, और सत्य की राह पर चलने की सीख ले सकते हैं।

श्रीराम त्रेतायुग में अयोध्या के राजा दशरथ और माता कौशल्या के पुत्र थे। वे विष्णु के सातवें अवतार माने जाते हैं, जिनका जन्म पृथ्वी से अधर्म और असत्य को समाप्त करने के लिए हुआ था। रामायण में महर्षि वाल्मीकि ने उनके जीवन का विस्तार से वर्णन किया है। राम का जीवन आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई, और आदर्श राजा का उदाहरण है।

श्रीराम के जीवन से हमें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलती हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का पालन किया और धर्म के मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए। जब पिता दशरथ ने उन्हें 14 वर्षों के लिए वनवास जाने का आदेश दिया, तब उन्होंने बिना किसी प्रश्न के आज्ञा का पालन किया। इससे हमें सिखने को मिलता है कि माता-पिता की आज्ञा का पालन करना हमारे कर्तव्य में शामिल है।

वनवास के दौरान उन्होंने कई कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी भी धैर्य नहीं खोया। माता सीता के हरण के बाद भी उन्होंने क्रोध में आकर अनुचित मार्ग नहीं अपनाया, बल्कि धैर्य और रणनीति से कार्य किया। इससे हमें धैर्य और संयम का मूल्य समझने को मिलता है।

संजय गोस्वामी

हिंदी भाषा में बोलने की आवश्यकता

आज हिंदी भाषा क़ो लेकर क्षेत्रीय राज्य में सियासत हो रही है लेकिन आप भारत में रहते हैं अतः आपका कर्तव्य है हिंदी भाषा क़ो बोलना चाहिए और क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान करना चाहिए अतः आप क्षेत्रीय भाषा में बात करें लेकिन हिंदी से वोट बैंक का सहारा न बनने दें हिंदी से नफरत ना करें ऐ हमारी संस्कृति है इसमें भारत की आत्मा है हिंदी विदेश में गूंजे या ना गूंजे लेकिन अपने देश में गुंजना जरुरी है जो आजादी के 76साल बाद भी व्यवस्था नहीं सुधर रही है हिंदी के कार्य में लगी देश की हिंदी संस्थानों का हाल बहुत बुरा है ख़ासकर पंजीकृत संस्था का अतः पहले अपने देश में इन संस्थानों को पटरी पर लाना जरुरी है पत्रिका जो विज्ञान से सम्बंधित है उसमें किसी अच्छे विज्ञान लेखकों को नजर अंदाज किया जाना और अपने खास लोगों को बार बार लेख छापना व मानदेय देना एक विकृत मनोवृती है जो सही नहीं है हाल ही डॉ आर चिदंबरम सर जो पोखरण 1 और 2 परमाणु परीक्षण किया तो विश्व में भारत की डंका बजी आज ईरान और इजराइल में खुनी संघर्ष परमाणु बम को लेकर हो रहा है यानि हमारा देश परमाणु तकनीक के मामले में सबसे शक्ति शाली देश है उनके कार्य को देखते हुए हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ने सहानुभूति व स्मृति अंक पत्रिका वैज्ञानिक का जनवरी -मार्च 25 निकाला जो शायद ही किसी और ने निकाला होगा वैज्ञानिक हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की पत्रिका है लेकिन वो भी संकटो से जूझ रही है कभी चुनाव तो कभी फंड का ना होना लेकिन इसमें कुछ निष्ठावान लोग भी है जो 55साल पुरानी संस्था को बचाने के लिए प्रयासरत है इसी उद्देश्य से हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के नव निर्वाचित कार्यकारिणी समिति सदस्यों और निवर्तमान कार्यकारिणी समिति सदस्यों के संयुक्त बैठक, मुंबई में 30/5/2025 सुबह 11:30 बजे शुरुआत की गई जिसका एजेंडा था- नव निर्वाचित कार्यकारिणी समिति(25-27) को कार्यभार सौंपना। परिषद के कामकाज के संबंध में भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा करना।परिषद के तत्कालीन सचिव श्री एस पी प्रभाकर ने ऊपर दिए विवरण के अनुसार आयोजित की गई ।जिसमें परिषद के लगभग सभी सदस्य रहें हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची है जो इन उद्देश्यों क़ो पूर्ण कर सकती है इस हेतु परिषद की नई कार्यकारिणी का गठन हेतु 18 मई 25 को अनुशक्तिनगर में विशेष आम सभा में चुनाव अधिकारी श्री बलवंत सिंह ने नई कार्यकारिणी 25-27 हेतु सभी चयनित उम्मीदवार के परिणाम प्रस्तुत किए गए -जो निम्न है अध्यक्ष -कृष्ण कुमार वर्मा - -उपाध्यक्ष - ब्रजेश कुमार सिन्हा,सचिव,शेर सिंह मीणा, संजय गोस्वामी -सयुंक्त सचिव,राज कुमार डाबरा -कोषाध्यक्ष बी.एन मिश्र -सयुंक्त कोषाध्यक्ष,सदस्य हेतु डॉ सुभाष दोन्दे,अश्विनी कुमार मिश्रा,संजू वर्मा, राजेश कुमार सचान - अनिल अहिरवार प्रकाश कश्यप - आलोक कुमार त्रिपाठी आदि निर्विरोध चुने गए थे व परिषद की हैंड ओवर मीटिंग 30/5/2025 सुबह 11:30 हुई और 2बजे ख़त्म हुआ जिसमें परिषद के पुरानी व नई समिति के सदस्य भी मौजूद थे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की हैंड ओवर मीटिंग सौहार्द पूर्ण तरीके से संपन्न हुई आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है।

फीचर

एएफएमएस से बीएससी नर्सिंग करें

कॉलेज ऑफ नर्सिंग ऑफ आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज (एएफएमएस) में शैक्षणिक वर्ष 2025 के लिए चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग कोर्स में प्रवेश लें।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी में कम मार्क्स के चलते अगर किसी छात्रा का एमबीबीएस में एडमिशन नहीं हो पाता है तो उसके लिए इंडियन आर्मी के प्रतिष्ठित संस्थान एएफएमएस से बीएससी नर्सिंग कोर्स बेहतरीन ऑप्शन है। इस कोर्स में चयन होने पर न केवल चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग कोर्स की पूरी पढ़ाई का खर्च सरकार उठाती है, बल्कि स्टाइपेंड भी दिया जाता है। इतना ही नहीं, कोर्स पूरा होते ही भारतीय सेना के मेडिकल कॉर्प में नौकरी भी मिलती है। परमानेंट कमिशन मिलता है।

नीट यूजी 2025 पास छात्राएं इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों को सेना के छह संस्थानों की 220 सीटों पर एडमिशन दिया जाएगा। ये संस्थान पुणे, कोलकाता, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, लखनऊ व बेंगलुरु में स्थित है।

कौन कर सकता है आवेदन

- केवल अविविवाहित / डिवोर्स्ड / कानूनी तौर पर अलग हो चुकीं / विधवा महिलाएं ही आवेदन कर सकती हैं।
- भारत की नागरिक हों।
- उम्मीदवार का जन्म 1 अक्टूबर 2000 से 30 सितंबर 2008 के बीच हुआ हो।
- उम्मीदवार मेडिकली फिट हो। लंबाई कम से कम 152 सेमी हो।
- उम्मीदवार ने 12वीं कक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी व इंग्लिश विषयों के साथ रेगुलर मोड में एक बार में पास की हो। फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी व इंग्लिश का एग्रीगेट मार्क्स 50 फीसदी से कम न हो

चयन कैसे होगा नीट यूजी स्कोर से अभ्यर्थियों को स्क्रीनिंग के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

प्रेरणा

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है।

अपनी बात

एसपी प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि अगर किसी का काम या विचारधारा पसंद नहीं आए तो उसे नक्सल करार देने का चलन बढ़ गया है। पवार ने शिवसेना की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मनीषा कायंदे की टिप्पणी पर यह बात कही। बता दें मनीषा कायंदे ने बुधवार को विधान परिषद में दावा किया था कि अर्बन नक्सलियों ने वारी वार्षिक तीर्थयात्रा में घुसपैठ की है।

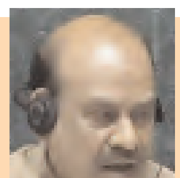

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संसद में बार-बार होने वाले व्यवधानों में काफी कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप कार्य उत्पादकता और सार्थक चर्चा में वृद्धि हुई है। मानेसर, गुरुग्राम में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बिरला ने कहा कि लोक सभा में सत्र देर रात तक चलते हैं और लंबे समय तक वाद-विवाद होता है, जो इस बात को दर्शाता है कि लोकतांत्रिक संस्कृति परिपक्व और जिम्मेदार हो रही है।

ब्रीफ न्यूज

खर्राखेड़ा में मजदूर का घर ढहा, हफ्ते भर बाद भी नहीं पहुंचे जिम्मेदार

बमोरी। अंचलभर में हो रही तेज बारिश से कच्चे मकानों में अब काफी नुकसान देखने को मिल रहा है। जानकारी के मुताबिक बीते सप्ताह तेज बारिश के चलते बमोरी के खर्राखेड़ा में कैलाश अहिरवार के मकान में बारिश का पानी भर गया। अचानक हुए जल भराव से कच्चा मकान भरभरा के ढह गया घर में रखे खाने पीने के समान तक को भी मजदूर सुरक्षित नहीं कर पाया। कैलाश के अनुसार उसके कच्चे मकान में काफी नुकसान हुआ है पंचायत सचिव को भी इसकी जानकारी दी हफ्ता भर बाद भी प्रशासन की ओर से अभी तक कोई नहीं पहुंचा फिलहाल आसपास के लोगों ने कैलाश के परिवार को सहारा दिया।

अजाक्स संघ ने वेतनमान और एरियर को लेकर डीईओ को सौंपा ज्ञापन

गुना। अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) गुना द्वारा नवनियुक्त प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल का आत्मीय स्वागत कर उन्हें शिक्षकों से संबंधित लंबित मामलों के निराकरण हेतु ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में अध्यापक संवर्ग की क्रमोन्नति, वेतनमान निर्धारण, क्रमोन्नति का एरियर एवं पूर्व से लंबित महंगाई भत्ते के एरियर के भुगतान की मांग की गई। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि सभी स्वत्वों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा और प्रकरणों का तेजी से निराकरण किया जाएगा। उन्होंने सकारात्मक कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

बजरंग दल सेवा सप्ताह में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

गुना। विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल सेवा सप्ताह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर बांसखेड़ी गुना में आयोजित किया गया जिससे नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ। इस पूरे सप्ताह अलग-अलग स्थान पर जारी रहेगा। सभी कार्यकर्ता इस सेवा कार्य में भाग ले रहे है। जिसमें प्रमुख रूप से सुरक्षा प्रमुख डॉक्टर मनीष रघुवंशी ने सेवाएं दी साथ ही गुना विभाग विभाग मंत्री सुरेश शर्मा, जिला मंत्री राकेश शर्मा, जिला सह मंत्री रामप्रसाद शर्मा, ग्रामीण प्रखंड मंत्री प्रदीप कुशवाह समाजसेवी अजय पंत आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

गुना। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुना में सहकारिता से महिला सक्तिकरण एवं युवाओं वर्ग में जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 100 से अधिक छात्राओं ने उपस्थित होकर पूरे मनोयोग से सहकारिता के सिद्धांतों, सहकारी भावना को समझा एवं कार्यक्रम में सहकारिता से संबंधित एक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। प्रश्नोत्तरी उपरांत प्रतिभागी छात्राओं को पुरस्कार भी वितरण किया गया। कार्यक्रम समाप्ति पर स्कूल परिसर मे वृक्षारोपण कराया गया।

हाल ही में डली एबी रोड की सड़क क्षतिग्रस्त, जेसीबी के साथ मोर्चा संभालने पहुंचा प्रशासन

रातभर आफत बनकर बरसे बदरा, नालों ने उगला कहर, गोविंद गार्डन में जलसैला

भारी बारिश के बीच कड़कड़ाती बिजली से रात रहे दहशत में रहे लोग

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात हुई तेज मूसलाधार बारिश ने शहर को पूरी तरह से जलमग्न कर दिया। रातभर हुई भारी बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर आ गए, जिससे निचली बस्तियों में पानी घुस गया और सड़कों पर दो से तीन फुट तक पानी बहता रहा। शहर की सड़कों से लेकर कॉलोनियों और घरों तक पानी भर गया, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। वहीं, बिजली की तेज कड़क और अंधेरे में भरे पानी ने लोगों में डर और दहशत का माहौल बना दिया। तेज बारिश का सबसे अधिक असर एबी रोड के नाले पर देखने को मिला, जो भगत सिंह कॉलोनी से नानाखेड़ी की ओर बहता है। भारी बारिश के कारण नाला उफान पर आ गया और पानी पुल के ऊपर से दो से तीन फुट ऊपर तक बहने लगा। पानी का बहाव इतना तेज था कि एबी रोड की नई बनी सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई। नाले का पानी सड़क पर फैलने के कारण ट्रैफिक बाधित हुआ और आसपास की बस्तियों में भी हालात बिगड़ गए।

मौसम विभाग ने जानकारी दी कि गुना शहर में बीती रात 53.9 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके साथ ही इस वर्ष अब तक कुल 609 मिमी वर्षा दर्ज हो चुकी है, जबकि जिले का औसतन वार्षिक वर्षा आंकड़ा 1200 मिमी है। यानी आधे से अधिक बारिश अब तक हो चुकी है। तेज बारिश के चलते गोविंद गार्डन और आसपास के क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। नाले के अवरुद्ध होने के कारण पानी रुक गया और पूरे क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों में प्रशासन को लेकर नाराजगी और आक्रोश दिखाई दिया। मौके पर पहुंची एसडीएम शिवानी पांडे, नगर पालिका की प्रभारी सीएमओ मंजूषा खत्री, नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने स्थिति का जायजा लिया और जेसीबी मशीन की मदद से जल निकासी के प्रयास शुरू किए। प्रशासनिक टीम ने सबसे पहले एबी रोड पर एक निजी मैरिज गार्डन के पास बने अस्थायी छोटे-छोटे पुलों को तुड़वाकर पानी की निकासी की व्यवस्था बनाई। इसके बाद टीम गोविंद गार्डन पहुंची, जहां पहले से अवरुद्ध नाले को आंशिक रूप से खोला गया था, लेकिन रात की बारिश के बाद पुनः जलजमाव हो गया। यहां भी पानी निकासी के लिए तत्काल कदम उठाए गए।

एसडीएम शिवानी पांडे ने बताया कि गोविंद गार्डन के पास एबी रोड पर डाली गई नई सड़क बारिश के पानी के चलते पूरी तरह खराब हो गई है। ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं कि वह जल्द ही इसे दोबारा से सही कराए। उन्होंने बताया कि संजोग गार्डन के पास नाले की बजाय छोटी-छोटी पुलियाएं डाल दी गई थीं, जिससे पानी का बहाव रुक गया। अब पीडब्ल्यूडी और नगर पालिका के सहयोग से इस पूरे हिस्से को खोला जा रहा है ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचा जा सके। एसडीएम ने यह भी बताया कि गोविंद गार्डन के पास एक अवैध कॉलोनी में नाले के ऊपर मकान बनाया गया है। प्रशासन ने पहले इस निर्माण को तोड़ दिया था, लेकिन अब उसे और पूरी तरह हटाया जाएगा ताकि जल बहाव में कोई बाधा न आए। बहरहाल गुना की यह बारिश एक चेतावनी की तरह सामने आई है, जिसने यह साफ कर दिया है कि शहर की जल निकासी व्यवस्था अभी भी पूरी तरह दुरुस्त नहीं है। कई इलाकों में बारिश के कारण आमजन को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

कियोस्क संचालकों का एसपी ऑफिस पर प्रदर्शन

साथी के साथ हुई लूट व मारपीट पर सख्त कार्रवाई की मांग

हम कोई सरकारी कर्मचारी नहीं, लेकिन जिम्मेदारी सरकारी जैसी, बैंक मित्रों की गुहार

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के मधुसूदनगढ़ में कियोस्क संचालक इंदर सिंह बंजारा के साथ 3.10 लाख की लूट और जानलेवा हमले की घटना ने जिलेभर के बैंक मित्र समुदाय को हिला कर रख दिया है। इस घटना के विरोध और अपने साथी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर शुक्रवार को जिलेभर के सैकड़ों कियोस्क संचालकों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। घटना 2 जुलाई को उस समय हुई, जब इंदर सिंह मधुसूदनगढ़ स्थित स्टेट बैंक शाखा से नकद 3.10 लाख निकालकर अपने सेवा केंद्र ठकावद जा रहे थे। रास्ते में तीन अज्ञात बदमाशों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। लुटेरों ने इंदर सिंह के सिर पर वार किया, उनके वस्त्र फाड़े और पूरी नकदी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद से इंदर सिंह गंभीर हालत में इलाजरत हैं।

इस घटना के बाद से बैंक मित्र संचालकों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। शुक्रवार को एसपी ऑफिस पहुंचे कियोस्क संचालकों ने अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए बताया कि वे बिना किसी सुरक्षा, बीमा या सरकारी सुविधा के गांव-गांव वित्तीय सेवाएं पहुंचाते हैं। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे लाड़ली बहना, पेंशन वितरण, जनधन खाता, डीबीटी, मनरेगा भुगतान जैसी कई जिम्मेदारियां उन पर हैं, लेकिन उनके जीवन की सुरक्षा को लेकर कोई व्यवस्था नहीं है। कियोस्क संचालक हरिचरण धाकड़ ने बताया कि इंदर सिंह जैसे साथी की स्थिति गंभीर है, लेकिन पुलिस ने अभी तक न तो आरोपियों को पकड़ा और न ही राशि की कोई बरामदगी हो सकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर हम किस भरोसे काम करें? क्या हमारी सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है?

बैंक मित्र समुदाय की ओर से दिए गए ज्ञापन में चार प्रमुख मांगें रखी गईं। जिसमें दोषियों की त्वरित गिरफ्तारी, 3.10 लाख की बरामदगी, नकद लेन-देन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासनिक निगरानी योजना। ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं होती तो बैंक मित्र समुदाय को शांतिपूर्ण आंदोलन और सेवाओं के बहिष्कार जैसे कदम उठाने पड़ सकते हैं। ज्ञापन सौंपते समय हरिचरण धाकड़, तरुण रघुवंशी, रामप्रकाश लोधी, जितेंद्र पटेल, दीपक नामर, योगेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में बैंक मित्र और आम नागरिक मौजूद रहे। बैंक मित्रों ने यह भी कहा कि यह केवल एक लूट नहीं, बल्कि उन हजारों ग्रामीण उपभोक्ताओं की भी अनदेखी है, जिनकी आजीविका और सेवाएं इन कियोस्कों से जुड़ी हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन कब तक इस मामले में ठोस कदम उठाता है। इस बारे में कियोस्क संचालक हरिचरण धाकड़ ने बताया कि हमारे मधुसूदनगढ़ के कियोस्क संचालक साथी इंदर सिंह बंजारा के साथ लूटपाट और जानलेवा हमले की घटना हुई है। मधुसूदनगढ़ से कैश निकालकर अपने सेंटर जा रहा था। बदमाशों ने उसके सिर पर जानलेवा हमला हुआ है।

पुलिस ने अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की है। उसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। हमारी मांग है पुलिस पूरी रिकवरी करे। हम गरीब और सामान्य परिवारों से है, हम कोई सरकारी कर्मचारी नहीं है। हम लोगों के कियोस्कों सेंटरों की बैंकों से दूरी रहती है। घटना के बाद से हम असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पुलिस हमें आवश्यक सुरक्षा मुहैया करें। बैंकों से भी हमारी मांग है कि हम बैंकों से जो कैश निकालकर अपने सेंटरों पर ले जाते हैं। उसको सुरक्षित सेंटरों पर पहुंचाएं।

पत्नी और बच्चे को बेचने का आरोप, पति ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में मानव तस्करी से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बच्चे को बहला-फुसलाकर गुना के कनेरी गांव में बेचने का आरोप अपने सगे रिश्तेदारों पर लगाया है। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक गुना को लिखित शिकायत देते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिवपुरी जिले के गोपालपुर निवासी राजकुमार मोगिया ने बताया कि वह पिछले दो वर्षों से महाराष्ट्र के जालना जिले के गांव गवान में रहकर मजदूरी कर रहा था। इसी दौरान उसने अपनी पत्नी रंजना के लिए सोने का मंगलसूत्र, चांदी का चूड़ा और कानों के टॉप्स सहित 30,000 की नकदी दी थी। राजकुमार के अनुसार, जब वह हाल ही में किसी कार्य से अपने गांव लौटा, तो उसकी पत्नी अपने मायके में रह रही थी। राजकुमार ने बताया कि 25 जून को जब उसने अपने साले महेंद्र मोगिया को फोन कर पत्नी का हालचाल पूछा, तो पता चला कि उसकी बहन जंजी मोगिया और उसके पति राधे ने रंजना और बेटे रमण को साथ लेकर कहीं चले गए हैं। पूछताछ करने पर जंजी ने झूठे आश्वासन दिए कि वे जल्द ही पत्नी को वापस भेज देंगे, लेकिन कुछ दिनों बाद खबर मिली कि जंजी और राधे ने उसकी पत्नी व बेटे को गुना के कनेरी गांव में एक व्यक्ति को बेच दिया है। शिकायत में कहा गया है कि जब राजकुमार ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे धमकी दी कि यदि उसने रिपोर्ट की तो उसकी हत्या कर दी जाएगी। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने 1.30 लाख में उसकी पत्नी और बच्चे को ग्राम कनेरी के निवासी अवतार पुत्र उम्मेद पारदी को बेच दिया है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना 2025

2053 विद्यार्थियों को मिला लैपटॉप क्रय हेतु 25-25 हजार का लाभ

सत्ता सुधार ■ गुना

मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना 2025 के अंतर्गत गुना जिले के 2053 विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय हेतु 25-25 हजार रुपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार से इस योजना के तहत राज्य के 94,234 विद्यार्थियों को वन क्लिक के माध्यम से यह राशि अंतरित की गई। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालय गुना के मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों ने देखा।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम में गुना विधायक पन्नालाल शाक्य, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सारिका लुंबा, पूर्व जिलाध्यक्ष हरिसिंह सिंह यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्म सोनी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विकास जैन नखराली, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील अग्रवाल, रमेश मालवीय सहित गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल मंचासीन रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जैसे ही राज्य स्तर पर विद्यार्थियों के खातों में वन क्लिक के माध्यम से राशि अंतरित की गई, वैसे ही गुना जिले के 2053 मेधावी विद्यार्थियों के खातों में भी ?25,000 की राशि जमा हुई। यह राशि उन्हें कक्षा 12वीं में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने पर प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की गई है, जिससे वे अपनी आवश्यकतानुसार लैपटॉप क्रय कर सकें।

एसडीएम चांचौड़ा टीबी मरीजों के लिए बने निक्षय मित्र

गुना। टीबी मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है। टीबी मुक्त भारत का सपना साकार करने के उद्देश्य से कलेक्टर गुना श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार सीएमएचओ डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर की पहल तथा बीएमओ डॉ. राजेश कुमार पुष्पक के अनुग्रह पर एसडीएम चांचौड़ा श्री रवि मालवीय निक्षय मित्र बने। उन्होंने टीबी मरीजों को पोषण आहार के लिए 5000 नगद स्वास्थ्य विभाग को प्रदान किये। इस राशि से स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 मरीजों को फूड बास्केट प्रदान की जाएगी। जिसमें संतुलित पोषण आहार मरीज को प्रदान किया जाएगा। दवाओं और पोषण आहार के नियमित उपयोग से टीबी के मरीज शीघ्र स्वस्थ होकर अपना दैनिक जीवन पुनः सुचारू रूप से संपादित कर सकते हैं। इस दौरान हेमंत गौड़ बी सी एम, विशाल प्रजापति एसटीएस, रितेंद्र डेकाटे टीडर सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

हरियाली महोत्सव के अंतर्गत एसपी अंकित सोनी ने किया वृक्षारोपण

गुना पुलिस ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सत्ता सुधार ■ गुना

हरियाली महोत्सव के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विशेष पहल करते हुए शुक्रवार को पुलिस लाइन परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गुना पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने आम का पौधा रोपित कर हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया। 1 जुलाई से 7 जुलाई तक पूरे प्रदेश में पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर हरियाली महोत्सव मनाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत गुना जिले में कुल 1625 फलदार व फूलदार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में जिले के सभी थाना, चौकी और पुलिस कार्यालय परिसरों में वृक्षारोपण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। पुलिस लाइन परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय के नेतृत्व में सैकड़ों पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम में एसपी अंकित सोनी ने स्वयं पौधारोपण कर पुलिस बल को पेड़-पौधों की महत्ता और संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और जवानों से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनने और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर, एसडीओपी विवेक अष्ठाना, डीएसपी महिला सुरक्षा युवराज सिंह चौहान, कोतवाली प्रभारी सी.पी.एस. चौहान, कैंट थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव, यातायात प्रभारी अजयप्रताप सिंह कुशवाह, पीएसआई टू एसपी अनिल साहू, निरीक्षक रेडियो विकास उपाध्याय, अंगुल चिन्ह निरीक्षक अरविंद शर्मा, सूबेदार मोनिका जैन, सूबेदार यशवंत रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारियों ने भी वृक्षारोपण में भाग लिया। पुलिस लाइन परिसर के साथ-साथ जिले के सभी थाना-चौकियों और कार्यालयों में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मीटर बदलने की वजह नहीं बता पाए अफसर, कांग्रेस का विद्युत मंडल में उग्र प्रदर्शन

स्मार्ट मीटर मतलब लूट का मीटर? कांग्रेस ने उठाए तीखे सवाल!

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस पार्षद दल ने शुक्रवार को बिजली कम्पनी के परिसर में प्रदर्शन किया। पार्षदों ने बिजली कम्पनी के अधिकारियों ने पूछा कि स्मार्ट मीटर लगाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है, इसका अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं मिला। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जिस तरह ईस्ट इंडिया कम्पनी के माध्यम से अंग्रेजों ने भारत देश को लूटा है उसी तरह केंद्र की मोदी सरकार अडाणी-अम्बानी के माध्यम से आम जनता को लूटने का काम कर रही है। इससे पहले नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षद हनुमान चौराहे पर एकत्रित हुए और झमाझम बारिश के बीच नारेबाजी करते हुए रेलवे स्टेशन रोड स्थित बिजली कम्पनी के कार्यालय पहुंचे। कांग्रेस पार्षदों ने लिखित पत्र देकर बिजली कम्पनी से जानने का प्रयास किया कि पुराने मीटरों में कौन सी खामी आ गई है, जो उन्हें हटाया जा रहा है और स्मार्ट मीटर लगाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ के मुताबिक बिजली कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारियों के पास इस बात का जवाब ही नहीं था।

मीटर बदलने के बाद आ रहे भारीभरकम बिल

कांग्रेस ने बिजली कम्पनी को बताया कि जिन क्षेत्रों में अब तक स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, वहां रीडिंग की रफ्तार बढ़ गई है और बिल इतने भारी-भरकम आ रहे हैं कि लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि जनता स्मार्ट मीटर लगाने के बाद परेशान है और जिन इलाकों में स्मार्ट मीटर अभी नहीं लगाए गए हैं वहां दहशत का माहौल बन गया है। लोगों की इस समस्या को लेकर कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। अगर जल्द ही स्मार्ट मीटर लगाने का निर्णय वापस नहीं लिया गया तो कांग्रेस बड़ा जनआंदोलन खड़ा करेगी, जिसकी जवाबदेही भाजपा सरकार और बिजली कम्पनी की होगी। आपको बता दें कि प्रदर्शन के दौरान शहर में जमकर बारिश हो रही थी। इसके बावजूद कांग्रेस पार्षदों ने बिजली कम्पनी के परिसर में जमकर नारेबाजी की और ज्ञापन देने के बाद जनता को भरोसा दिलाया कि विपक्षी पार्टी उनके साथ खड़ी है। किसी भी सूरत में भाजपा सरकार को जनता के साथ लूट का खुला खेल नहीं खेलने दिया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में शेखर वशिष्ठ के साथ रश्मि रजनीश शर्मा, कृष्णा अरविंद जाटव, रामवीर जाटव, तरन्नुम रईस खान, रामकली विजय कुशवाह, गीता नरेंद्र कुशवाह, तरुण सेन, हलीम गाजी, महेश कुशवाह, वीरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे।

प्यास से तड़पती सकीना का पानी लाने कत्ल हो गए अब्बास

सत्ता सुधार ■ गुना

हिजरी केलेन्डर के पहले महीने मुहर्रम के प्रथम दस दिवस मुस्लिम समाज में इमाम हुसैन और उनके परिवार पर ढाए जुल्मो सितम को दर्द के साथ याद कर मनाए जाते हैं। स्थानीय बोहरा मस्जिद में मुहर्रम की दूसरी तारीख से वाज प्रवचन का सिलसिला जारी है। तकरीर करने मुम्बई से आए आमिल मुल्ला कुरैश बदरी ने शुक्रवार को दर्दनाक वाकया बयान करते हुए बताया कि इमाम हुसैन का पूरा कुनबा 3 दिन से प्यासा था। प्यास से व्याकुल उनकी बेटी सकीना जब सूखी मशकीजा लेकर अपने चाचा अब्बास से पानी मांगने गई तो अब्बास से बच्चों की प्यास नहीं देखी गई। अब्बास को इमाम हुसैन ने जंग की इजाजत नहीं दी थी। पूरा कुनबा तीन दिन की भूख और प्यास से बेहाल था। छोटे बच्चे माओं की गोद में दुबके बैठे थे। उनमे इतनी ताकत भी नहीं बची थी के आवाज निकल सके। इमाम हुसैन की नन्ही बच्ची सकीना ने तीन दिन की भूख और प्यास से तड़पते हुए छोटी सी मश्की पानी लाने के लिए अपने चचा अब्बास को थमाई। अब्बास ने इमाम हुसैन से पानी लाने की इजाजत मांगी थी। इजाजत मिलते ही वे पानी भरने नहर पहुंचे थे जहां यजीद की फौज ने उनका बेदर्दी से कत्ल कर दिया था।

डायपर बदलते समय बरतें सावधानी

नवजात डायपर को जल्दी-जल्दी गीला करते हैं इसलिए इसको बार-बार बदलने की जरूरत पड़ती है। लेकिन छोटे बच्चों की त्वचा इतनी कोमल होती है कि उस पर किसी भी चीज से जल्द इंफेक्शन हो जाता है इसलिए डायपर बदलते समय बहुत सावधानी की जरूरत होती है। अगर छोटे बच्चे की त्वचा की देखभाल अच्छे ढंग से नहीं करेंगे तो उसकी त्वचा पर इंफेक्शन भी हो सकता हैं। नवजात के डायपर बदलते समय ध्यान इन बातों का ध्यान रखें।

- नवजात का डायपर बदलने के लिए सभी जरूरी चींजें और सामान अपने पास रख लीजिए जिससे आपको नवजात को छोड़कर बीच-बीच में कहीं जाना न पड़े।
- नवजात का डायपर बदलने के लिए सबसे पहले नवजात को प्लेन स्थान पर लिटाए। लेकिन ध्यान रखें कि जगह साफ हो।
- सफेद और हल्के कलर का डाइपर ही प्रयोग कीजिए, क्योंकि ज्यादा रंगीन डायपर नवजात के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

- डायपर पहनाते समय इसे पास ही रखें लेकिन बच्चे की पहुंच से दूर हो।
- उसके बाद नवजात के दोनों पैर ऊपर करें और एक हाथ से उसके गंदे डायपर को बाहर निकालें।
- नवजात की सफाई करते वक्त यह ध्यान रखें कि उसका सिर आगे से पीछे की तरफ हो।
- गंदा डायपर निकालने के बाद नवजात को कम से कम 10 मिनट तक वैसे ही रहने दीजिए, जिससे उसका शरीर पूरी तरह से सूख जाए।
- नवजात को साफ कॉटन या रूई और गर्म पानी से नमी वाले भाग को अच्छी तरह से साफ करें और पानी को पूरी तरह से सूखने दीजिए।
- डायपर बदलते समय बच्चे का ध्यान दूसरी बातों में लगाने की कोशिश करें।
- डायपर बदलते समय हमेशा अपना एक हाथ नवजात के पेट पर रखें।

जुबान पर नहीं आना... खतरनाक

क्या आपके साथ ऐसा कभी हुआ है कि आप किसी शब्द को याद कर रहे हों, और वो दिमाग में होकर भी आपकी जुबान पर नहीं आ रहा। यदि हां तो इसको हल्के में लेने की गलती न कीजिए। यह एक बीमारी है। बीसवीं सदी के मशहूर मनोवैज्ञानिक, कार्ल गुस्ताव जंग ने इस बीमारी को लेथोलॉजिका नाम दिया था।

क्या आपके साथ ऐसा कभी हुआ है कि आप किसी शब्द को याद कर रहे हों, और वो दिमाग में होकर भी आपकी जुबान पर नहीं आ रहा। पक्का आपके साथ ऐसा हुआ होगा। सबके साथ होता है। बार-बार यह लगता है कि वो शब्द आपकी जुबां पर है, पर बाहर नहीं आ रहा। वैसे मिलते-जुलते तमाम शब्द जेहन में आते हैं, मगर, दिमाग पर लाख जोर डाल लीजिए, वो सटीक शब्द उस वक्त तो नहीं ही याद आता। बस आप झुंझलाकर रह जाते हैं। इसको हल्के में लेने की गलती न कीजिए। यह एक बीमारी होती है। वैज्ञानिकों ने इस बीमारी का नाम लेथोलॉजिका रखा है। अंग्रेजी का यह शब्द, ज्यादा पुराना नहीं, यह ग्रीक भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला शब्द है लेथे, यानी भूलने की आदत और दूसरा ग्रीक शब्द है लोगोस जिसका मतलब है पढ़ाई। पुरानी यूनानी कहानियों में लेथे एक नदी का भी नाम था। यह उन पांच नदियों में से एक थी, जिसका पानी, मर कर इस दुनिया से जाने वाले पीते थे, ताकि दुनियावी यादों को भुला सकें।

बीमारी का नाम

जुबां पर आए शब्द न याद कर पाने वाली इस बीमारी को ये नाम, बीसवीं सदी के मशहूर मनोवैज्ञानिक, कार्ल गुस्ताव जंग ने दिया था। हालांकि जंग से भी पहले लेथोलॉजिका शब्द का जिक्र अमेरिका की इलस्ट्रेटेड मेडिकल डिक्शनरी में साल 1915 में हुआ था। बहरहाल, यह शब्द किसने सोचा, पहले पहल इस बीमारी को ये नाम किसने दिया, यह ज्यादा अहम नहीं। यह पक्का है कि पता होकर भी जुबां पर शब्द न आने की इस बीमारी पर सबसे पहले कार्ल जंग ने ही काम किया था। वैसे मेडिकल साइंस की तरक्की के चलते, इस बीमारी के बारे में हमारी समझ भी बेहतर हुई है।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक

हमारा दिमाग किसी कंप्यूटर की तरह काम नहीं करता कि आपने किसी चीज को सर्च किया और झट से जवाब हाजिर। असल में किसी शब्द या जानकारी को हम जितनी शिद्दत से समझते हैं, महसूस करते हैं। हमारा दिमाग उसी हिसाब से उस शब्द या जानकारी को अपने अंदर अलग अलग खांचों में रखता है। किसी भी इंसान के लिए पढ़ा हुआ हर शब्द सही समय पर याद करना करीब-करीब नामुमकिन है। अंग्रेजी भाषा को ही लें, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में आज की तारीख में छह लाख शब्द हैं, मगर, अंग्रेजी के बहुत से ऐसे शब्द हैं, जो इसमें नहीं हैं। जानकार कहते हैं कि आम तौर पर हर इंसान बोलने और लिखने में औसतन पचास हजार शब्द इस्तेमाल करता है। इसे वैज्ञानिकों की भाषा में किसी इंसान का एक्टिव शब्दकोश है। इसके सिवा भी हर शख्स को बहुत से और शब्द पता होते हैं। मगर, हम इन शब्दों को कम ही इस्तेमाल में लाते हैं और इस तरह अपने दिमाग को संदेश देते हैं कि इन शब्दों की अहमियत हमारे लिए कम है। नतीजा यह निकलता है कि दिमाग इन शब्दों को छांटकर किसी ऐसी जगह रख देता है, कि, कई बार पता होने पर भी ये याद नहीं आते।

यह कैसे होता है

ऐसा लगता है कि बस अभी आपकी जुबां पर यह शब्द आया, मगर याद नहीं आता। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक यह कुछ वैसा ही होता है, जैसे हम कोई चीज बक्से में बंद करके भूल जाएं। और जिस चीज को हम नियमित रूप से इस्तेमाल नहीं करते, उसको भूल जाते हैं। यही हाल शब्दों के साथ होता है, जिन्हें हम बहुत कम इस्तेमाल करते हैं, उन्हें दिमाग अपने किसी पुराने बक्से में बंद करके भूल जाता है। और ऐसे ही शब्द होते हैं जो दिमाग पर बहुत जोर डालने पर याद नहीं आते। जैसे पुराना सामान, जिसके बारे में आपको पता है कि कहीं रख दिया था, मगर कहां, ये बहुत जोर देने पर भी याद नहीं आता। ऐसे हजारों शब्द होते हैं, जो हमारे दिमाग के किसी बक्से में बंद पड़े रहते हैं और बहुत बार मौके पर याद नहीं आते।

स्टोरेज की जगह घेरना

लेथोलॉजिका ऐसी बीमारी है, जिसमें हम शब्द भी भूल जाते हैं, और उसका पता ठिकाना भी। मतलब उससे हमारा रिश्ता टूट सा जाता है, मगर वो हमारे दिमाग के स्टोरेज की जगह, भी घेरे रहते हैं। शायद हमें जरूरत है ग्रीक पुराणों वाली नदी, लेथे का पानी पीने की, ताकि हम गैरजरूरी बातें भूल सकें, अपने दिमाग में स्टोरेज की जगह बना सकें। इसका फायदा यह होगा कि गैरजरूरी जानकारी दिमाग से साफ होगी और हम अपने जरूरत वाली बातें ही याददाश्त के बक्से में रखेंगे, ताकि जब जरूरत पड़े फौरन उसे निकाल सकें।

नई भाषा सीखिए

वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि बचपन में सीखी गई कई भाषाएं वृद्धावस्था में व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती हैं। यदि आप बचपन में अधिक भाषाएं नहीं सीख पाए, तो कोई बात नहीं आज ही कोई भाषा सीखना शुरू कर दें।

जरूरी बातें याद रखें

अमेरिका के प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम जेम्स कहते हैं कि दिमाग के सही इस्तेमाल के लिए भूलना भी उतना ही जरूरी है जितना कि याद रखना। यदि हम हर चीज को याद रखने की कोशिश करें तो हमारा दिमाग परेशान हो जाए और सही वक्त पर एक चीज भी याद न आए। कुछ चीजें भूल जाने में ही हमारी भलाई है, लेकिन इतना भी नहीं कि हम सामान्य बातें भी भूल जाएं। हमें चाहिए कि हम केवल जरूरी चीजों को ही याद रखें, लेकिन हमारी याददाश्त सामान्य बनी रहे, इस बात का भी हमें अवश्य ध्यान रखना चाहिये। वास्तव में याददाश्त अच्छी या बुरी नहीं होती। अन्य बातों की तरह हमारी याददाश्त भी हमारी सोच से प्रभावित होती है। यदि हम सोचते हैं कि हमारी याददाश्त कमजोर है तो यह ठीक होते हुए भी एक दिन वह अवश्य ही कमजोर हो जाएगी। इसके विपरीत यदि हम सोचते हैं और अपने मन को विश्वास दिला देते हैं कि हमारी याददाश्त अच्छी है तो वह निश्चित रूप से अच्छी हो जाएगी।

दिमाग की भूमिका

हमारी याददाश्त में हमारे दिमाग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन जब तक उसका इस्तेमाल न किया जाए वह बेकार है। सामान्यतः हम अपने मस्तिष्क की क्षमता का बहुत कम इस्तेमाल करते हैं। प्रायः हम इसके 8-10 प्रतिशत भाग का ही इस्तेमाल करते हैं। हम अपने मस्तिष्क की क्षमता का जितना ज्यादा इस्तेमाल करेंगे वह उतनी ही बढ़ती चली जाएगी। याददाश्त को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए अपने मस्तिष्क की क्षमता का अधिकाधिक इस्तेमाल कीजिए। कुछ न कुछ ऐसा करते रहिए जिसमें दिमाग लगाना पड़े।

पर्याप्त नींद लें

पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी है क्योंकि कम सोने से हमारे ब्रेन के एक हिस्से में ब्रेन सेल्स या न्यूरॉन्स की संख्या कम हो जाती है, जिससे याददाश्त कमजोर पड़ जाती है। अच्छी नींद के लिए रात को मोबाइल फोन को तकिए से दूर रखें। इसकी स्क्रीन की रोशनी नींद के लिए सही नहीं।

रंगों की दुनिया सजाएं

गायन-वादन, अभिनय या मूर्तिकला जैसी कलाओं से एकाग्रता बढ़ती है। तनाव दूर करने, याददाश्त को चुस्त रखने के लिए इनका सहारा लिया जा सकता है। इसके लिए बड़ा कलाकार होने की भी जरूरत नहीं। आड़ी-तिरछी रेखाएं खींचकर या मिट्टी से आकृतियां बनाकर काम बन सकता है।

माइग्रेन के दर्द से हैं बेहाल तो आजमाएं एक्युप्रेशर अध्ययन में दी गई सलाह

माइग्रेन का दर्द कितना कष्टदायी होता है, यह सिर्फ उसे झेलने वाले लोग की समझ सकते हैं। न केवल सिरदर्द, बल्कि बड़ी संख्या में मरीज उल्टी, मिचली और रोशनी-ध्वनि के प्रति संवेदनशीलता की समस्या से भी जूझते हैं। दर्द के एहसास में कमी लाने के लिए वे अक्सर दवाओं का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कुछ समय बाद ये भी ज्यादा असरदार नहीं रह जातीं। यूसीएलए सेंटर फॉर ईस्ट-वेस्ट मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने इसी के मद्देनजर शरीर में मौजूद तीन एक्युप्रेशर केंद्रों का खुलासा किया है, जो माइग्रेन के दर्द से राहत दिलाने में मददगार साबित हो सकते हैं। डॉ.मैलकम टॉ के नेतृत्व में हुए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने माइग्रेन के इलाज में एक्युप्रेशर का असर आंका। उन्होंने माग्रेन के शिकार 500 प्रतिभागियों को दो समूह में बांटा। पहले समूह को लगातार एक महीने तक एक्युप्रेशर ट्रीटमेंट दिया। इसके तहत प्रतिभागियों के सिर, गर्दन और हथेली में मौजूद एमएच-9, जीबी-20 व एलआई-4 एक्युप्रेशर केंद्र नियमित अंतराल पर दबाए जाते थे। वहीं, दूसरे समूह को मांसपेशियों में खून का प्रवाह सुचारु बनाकर उन्हें सुकून पहुंचाने वाली दवाएं खिलाई गईं। इस दौरान एक्युप्रेशर ट्रीटमेंट न सिर्फ दर्द की तीव्रता घटाने, बल्कि उल्टी, मिचली और रोशनी-ध्वनि से झुंझलाहट की शिकायत में कमी लाने में भी दवाओं से कहीं ज्यादा असरदार मिला। ऊपर से इसका कोई साइडइफेक्ट भी नहीं हुआ अध्ययन के नतीजे 'द अमेरिकन जर्नल ऑफ चायनीज मेडिसिन' में प्रकाशित किए गए हैं।

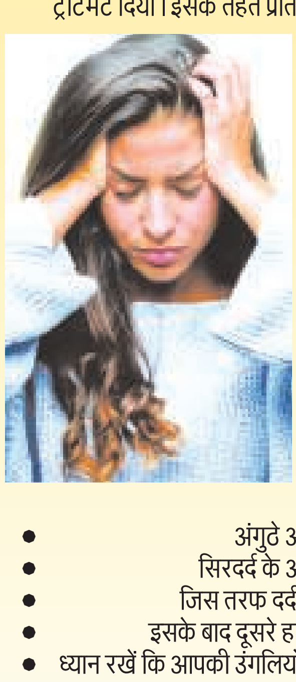

तीन केंद्रों का कमाल

एलआई-4 (हेगु)

- अंगुठे और तर्जनी उंगली के बीच में पाया जाता है 'एलआई-4'
- सिरदर्द के अलावा उल्टी-मिचली की शिकायत दूर करने में कारगर
- जिस तरफ दर्द हो, उसी ओर के अंगुठे-तर्जनी से 'एल' आकार बनाएं
- इसके बाद दूसरे हाथ की उंगलियों से 'एलआई-4' केंद्र को तेजी से दबाएं
- ध्यान रखें कि आपकी उंगलियों से इतना जोर लगना चाहिए कि हाथों में दर्द महसूस हो
- 15 से 30 सेकेंड के लिए दबाए रखें 'एलआई-4' केंद्र को
- 10 से 15 सेकेंड के अंतराल पर पांच बार दोहराएं यह प्रक्रिया

गर्भावस्था में इस्तेमाल से बचें

- शोधकर्ताओं ने गर्भावस्था में सिरदर्द से छुटकारा पाने के लिए 'एलआई-4' का इस्तेमाल करने से बचने की सलाह दी है। दरअसल, कुछ अध्ययनों में प्रसव पीड़ा उभारने में इस केंद्र की अहम भूमिका पाई गई है।

कमर का साइज घटाने से लेकर बॉडी डिटॉक्स करने तक, बहुत लाभकारी है सेब का सिरका

सेब का सिरका यानी ऐपल सीडर विनेगर का उपयोग सदियों से एक औषधि के रूप में होता आ रहा है। साथ ही रसोई में कई तरह के व्यंजन बनाने में भी इसका उपयोग होता है। स्वस्थ जीवन और छरहरी काया के लिए आप इसका उपयोग अपनी डेली डायट में कर सकते हैं। यहां जानें, इसके लाभ और उपयोग करने के तरीकों के बारे में

पोटैशियम और अमीनो एसिड का सोर्स

- सेब के सिरके में पोटैशियम और अमीनो भरपूर मात्रा में होता है। यह सिरका हमारी सेहत के लिए ऐंटिऑक्सीडेंट्स की तरह काम करता है और हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

बॉडी को डिटॉक्स करे

- ऐपल सीडर विनेगर एक बहुत अच्छा बॉडी डिटॉक्सर है। यह शरीर के सभी गैरजरूरी और विषैले तत्वों को शरीर से बाहर निकालने का काम करता है।

बैक्टीरिया नहीं पनपने देता

- अपने दैनिक जीवन में हम जो भी चीजें खाते हैं और पीते हैं, उनके साथ अनजाने में कई हानिकारक बैक्टीरिया भी हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं, जो हमें आखों से दिखाई नहीं देते हैं।
- ये बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश करके कई तरह के रोग फैलाते हैं। लेकिन सेब का सिरका इन सभी बैक्टीरिया को खत्म कर देता है।

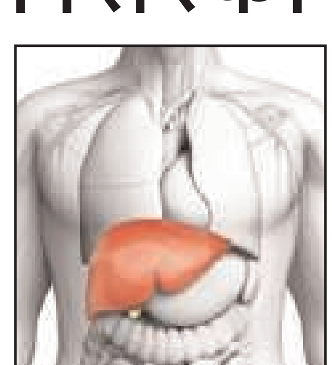

चर्बी को पिघला दे

- ऐपल सीडर विनेगर सबसे पहले पेट पर जमा चर्बी पर काम करता है। यह प्राकृतिक तरीके से कमर का साइज कम करने का काम करता है। क्योंकि यह शरीर के अंदर जमा फैट को धीरे-धीरे करके पिघला देता है और शरीर से बाहर निकालता रहता है।

पेट को भरा हुआ रखे

- ऐपल सीडर विनेगर हमारे पाचनतंत्र को ठीक करने में सहायक है। साथ ही यह हमारे द्वारा खाए गए भोजन को धीरे-धीरे लेकिन नियंत्रित गति से पचाता है। इस कारण हमारा पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है।

कैसे उपयोग करें सेब का सिरका?

- सेब का सिरका कभी भी सीधे उपयोग में नहीं लाना चाहिए। सबसे पहले इसे किसी अन्य तरल पदार्थ के साथ मिलाकर डायल्यूट करें उसके बाद इसका उपयोग करें।
- सैलेड बनाते समय इसका उपयोग करने के लिए सबसे पहले इसे ऑलिव ऑइल के साथ डायल्यूट करें और फिर सलाद को इससे गार्निश करें।
- वजन घटाने के लिए एक चम्मच सेब का सिरका एक गिलास पानी में मिलाकर रोज सुबह खाली पेट पिएं। यह आपको वजन कम करने में सहयोग करेगा। लेकिन इसकी मात्रा और ना बढ़ाएं।

ओमंग कुमार की फिल्म सिला में नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

सनम तेरी कसम फिल्म से सबके दिलों मे छा जाने वाले अभिनेता हर्षवर्धन राणे अब एक शानदार फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका पोस्टर और टाइटल रिवील कर कर दिया गया है। बीते दिनों अभिनेता को इस आगामी फिल्म की तैयारी करते हुए देखा गया था।

हर्षवर्धन राणे की आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। इसे अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्टर में अभिनेता के साथ सादिया खतीब नजर आ रही हैं, जिसमें एक्टर ने सादिया को जोर से पकड़ रखा है। इसके साथ ही दोनों को घायल अवस्था में देखा जा सकता है, जिसमें वे खून से लथपथ दिख रहे हैं। इस पोस्टर को रिलीज करते हुए फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के टाइटल का भी एलान कर दिया है। इस फिल्म का नाम है सिला।

फिल्म के बारे में

हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब की आगामी फिल्म सिला का निर्देशन ओमंग कुमार कर रहे हैं। इसके अलावा आपको बताते चलें कि फिल्म में निगेटिव रोल में करणवीर मेहरा नजर आएंगे। वहीं इस फिल्म की शूटिंग कल यानी 01 जुलाई से शुरू हो रही है। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। नेटिजंस कमेंट सेक्शन में लिखा रहे हैं कि पोस्टर से लग रहा है कि फिल्म शानदार साबित होगी।

हर्षवर्धन राणे का वर्कफ्रंट

हर्षवर्धन राणे के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। फिल्म 02 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी द्वारा किया गया है। फिल्म में अभिनेता के साथ सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

डिजिटल डेब्यू को तैयार वाणी; पहली बार इस अंदाज में आएंगी नजर

हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आईं अभिनेत्री वाणी कपूर अब अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं। वो यशराज के नए शो में नजर आने वाली हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होना है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपनी नई सीरीज का पोस्टर जारी कर दिया है, इसमें वाणी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आने वाली हैं। पोस्टर के साथ ही इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

नेटफ्लिक्स की ओर से अपनी नई सीरीज 'मंडला मर्डर्स' का पोस्टर जारी किया गया है। पोस्टर में वाणी कपूर के साथ सुरवीन चावला, 'गुल्लक' फेम एक्टर वैभव राज गुप्ता और अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर नजर आ रही हैं। पोस्टर में वाणी बंदूक ताने दिख रही हैं, जबकि सुरवीन चाहला हाथ जोड़े महिला नेता के किरदार में नजर आ रही हैं। जबकि वैभव राज गुप्ता बियर्ड लुक में आंखों पर ब्लैक चश्मा लगाए दिख रहे हैं। पोस्टर में श्रिया पिलगांवकर काफी सजी-धजी खड़ी हैं।

25 जुलाई को होगी रिलीज

पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'हर वरदान में एक श्राप छिपा है। मोल चुकाने का वक्त जल्द आने वाला है।' इसके साथ ही इस सीरीज की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है। नेटफ्लिक्स की ये नई सीरीज 25 जुलाई को रिलीज हो रही है। इसे यशराज फिल्म ने प्रजेंट किया है।

'रेड 2' में अजय देवगन के साथ नजर आई थीं वाणी

वाणी कपूर हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आई थीं। वो फिल्म में अजय देवगन के किरदार अमय पटनायक की पत्नी की भूमिका में नजर आई थीं। इसके अलावा सुरवीन चावला हाल ही में रिलीज हुए नेटफ्लिक्स के ही शो 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में दिखी थीं। इसके अलावा वो पंकज त्रिपाठी के शो 'क्रिमिनल जस्टिस' के चौथे सीजन में भी नजर आई हैं। वहीं श्रिया पिलगांवकर हाल ही में जी5 की सीरीज 'छल कपट- द डिसेप्शन' में नजर आई थीं।

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं विद्या बालन

अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रितेश देशमुख पिछले काफी समय से फिल्म राजा शिवाजी को लेकर चर्चा मे हैं। वह न सिर्फ इसमें लीड रोल निभा रहे हैं, बल्कि इसके निर्देशन की कमान भी संभाल रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। इसकी कास्ट और बड़ी हो गई है, क्योंकि रितेश और उनकी टीम ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विद्या बालन को फिल्म में शामिल कर दिया है। विद्या एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जो भारतीय इतिहास के सबसे दमदार अध्यायों में से एक की कहानी कहती है। उन्होंने फिल्म के लिए फौरन हां कर दी। रितेश भी विद्या के साथ काम करने के लिए उतावले हो रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि विद्या ने फिल्म के लिए अपना लुक टेस्ट पहले ही करवा लिया है और अब वह जल्द ही सेट पर शूटिंग में शामिल होंगी।

हेरा फेरी 3 पर रिलीज के बाद ही बात करूंगा

अभिनेता सुनील शेट्टी हिंदी भाषा और अपकमिंग फिल्म 'हेरा फेरी 3' पर बात की। अभिनेता ने हिंट दिया कि फिल्म को लेकर फिर से दर्शकों को मजा आएगा। कॉमेडी से भरपूर फिल्म परिवार के साथ देखने वाली है, जो बड़े-बच्चों के साथ सभी को पसंद आएगी। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अब फिल्म के बारे में बात रिलीज के दिन ही करूंगा। इसके साथ ही उन्होंने ओटीटी और फिल्म पर भी बात की। शेट्टी ने सिनेमाघरों को 'पापा' की संज्ञा और देते हुए ओटीटी को बच्चों की संज्ञा दी। उन्होंने बताया, कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स आ चुके हैं और यह अच्छी बात है। दरअसल, सिनेमाघर 'पापा' हैं और ओटीटी उनके बच्चे हैं। बच्चे हर हाल में पिता के लिए अच्छे होते हैं। वे सपोर्ट ही करते हैं। अभिनेता ने बताया कि यदि किसी चीज में बदलाव चाहिए तो उसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए। उन्होंने पाकिस्तानी एक्टर्स पर लगे प्रतिबंध पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेता ने बताया, रिश्ते तो हमेशा ऊपर-नीचे होते ही रहते हैं। पहलगाम की बात करें तो मेरा मानना है निश्चित तौर पर बैन होना चाहिए। जब तक माहौल सही न हो जाए। बात केवल कला की नहीं है। राजनीति, खेल और एंटरटेनमेंट सभी क्षेत्रों को यह बात समझनी होगी।

केके मेनन ने बताया को-एक्टर के साथ कैसा बर्ताव करते हैं बिग बी

अभिनेता केके मेनन इन दिनों अपने आगामी वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता शो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान केके मेनन ने बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर बात की और उन्हें भगवान का बच्चा बताया। उन्होंने बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया।

अमिताभ बच्चन आज भी नए कलाकार की तरह काम करते हैं

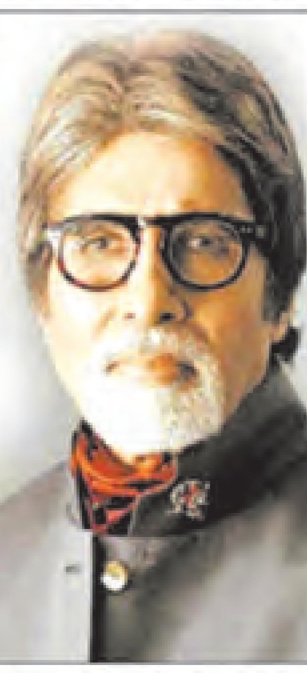

पॉडकास्ट में केके मेनन ने इस दौरान अपने शो से इतर कई मुद्दों पर बात की। बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा करते हुए केके मेनन ने उनकी तारीफ की। अभिनेता ने कहा, 'अमिताभ बच्चन भगवान के बच्चे हैं। उनकी पीढ़ी वाले कौन हैं अभी जो एक्टिव हो, लेकिन वो आज भी उतने ही सक्रिय हैं। वह आज भी प्रासंगिक हैं। वह हर सुबह उठते हैं और एक्सरसाइज करना शुरू कर देते हैं। हम इसे चमत्कार और जादू कहते हैं। मैंने सीखा है कि अगर कोई व्यक्ति जो इतना अनुभवी है, एक नए व्यक्ति की तरह काम कर रहा है, तो हम कौन हैं?'

बिग बी प्रतिभा और अनुशासन का बेहतरीन उदाहरण हैं

बिग बी के साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव को बताते हुए केके मेनन ने कहा कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। केके ने कहा कि बिग बी अपने को-एक्टर को काफी महत्व देते हैं। उन्होंने फिल्म 'सरकार' के समय को याद करते हुए एक सीन के दौरान अमित जी ने रामगोपाल वर्मा से मेरा क्लोजअप शॉट लेने को कहा क्योंकि वो चाहते थे कि मेरे हाव-भाव कैमरे में कैद हों। उन्होंने कहा कि बिग बी एक प्रतिभाशाली और अनुशासित अभिनेता हैं। अनुशासन के बिना प्रतिभा लंबे समय तक नहीं टिकती। अमिताभ बच्चन अनुशासन के साथ प्रतिभा का एक बेहतरीन उदाहरण हैं।

11 जुलाई को रिलीज होगा 'स्पेशल ऑप्स 2'

केके मेनन जल्द ही अपने वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' में नजर आएंगे। इस सीरीज में वो रॉ ऑफिसर हिम्मत सिंह का किरदार निभा रहे हैं। इस बार की सीजन एआई के बढ़ते प्रभाव से होने वाले नुकसान और साइबर अटैक पर आधारित है। इससे पहले 'स्पेशल ऑप्स' के दो सीजन आ चुके हैं और दोनों को ही लोगों ने काफी पसंद किया है। इस नए सीजन के ट्रेलर भी आते ही धमाल मचा दिया था। अब फैंस 11 जुलाई को जियो-हॉटस्टार पर रिलीज होने वाले इस शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पहली फिल्म बनने में 6 साल लगे, रैंट के पैसे नहीं थे, मॉडल है एक्टिंग नहीं आती कहकर नकारा गया

एक जमाने में सुपर मॉडल रहे अर्जुन रामपाल ने जब फिल्मों में कदम रखा, तो मॉडल होने के नाते उन्हें लंबे समय तक आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा कि मॉडल अभिनय नहीं कर सकते, मगर बीते 25 सालों में अर्जुन लगातार अपने क्राफ्ट पर काम करते गए और रॉक ऑन के लिये उन्होंने सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी हासिल किया। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई वेब सीरीज राना नायडू से।

आप जब मॉडलिंग से फिल्मों में आए तो आपकी पहली फिल्म मोक्ष को बनने में पूरे 6 साल लग गए थे, वो समय आपके लिए कितना कठिन था?

मैंने जब अपनी पहली फिल्म मोक्ष के रशेज (कुछ दृश्य) देखे तो मुझे खुद से नफरत हो गई थी। मुझे लगा कि मैं कैमरे के सामने इतना स्टिफ क्यों लग रहा हूं। फिर मैंने उसका विश्लेषण किया और मैंने पाया कि मॉडल के रूप में हमें कैमरे के आगे विशेष तरह से चलने और पोज देने की ट्रेनिंग दी जाती है, मगर जब आप फिल्म करते हैं, तो आपको किरदार में ढलना होता है। आपको बुत की तरह खड़े नहीं रहना होता। उन रशेज को देखकर मैंने तय किया कि मैं एक्टर की दिशा में आगे कदम बढ़ाऊंगा, तो मैंने ऐलान कर दिया कि मैं मॉडलिंग से संन्यास ले रहा हूं। तब मैं नहीं जानता था कि मोक्ष को बनने में 6 साल लग जाएंगे। मैं मॉडलिंग छोड़ चुका था और मेरे इनकम का स्त्रोत भी बंद हो चुका था। बहुत मुश्किल समय था। कई बार मेरे पास किराया भरने के पैसे नहीं होते थे, मगर उस दौर ने बहुत कुछ दिया भी।

मॉडल होने के नाते जब आपको आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ा कि आप अभिनय नहीं कर सकते? मगर फिर आपको आगे चलकर राष्ट्रीय पुरस्कार (रॉक ऑन के लिए सहायक अभिनेता का) भी मिला?

बहुत दुख होता था, जब मुझे और मेरे अभिनय को क्रिटिसाइज किया जाता था। शुरुआत में जब आप नए होते हैं, तो आपको प्रोत्साहन चाहिए होता है, क्योंकि उस वक्त आप खुद असुरक्षित होते हैं कि आपको काम आता है या नहीं? ऐसे में जब आपके काम को बुरा बोला जाता है, तो बहुत तकलीफ होती है। किसी फिल्म पर आप साल भर मेहनत करते हो, फिर शुक्रवार को आप उसे दर्शकों को सौंप देते हो और अगर दर्शक उसे नकार दें, तो आप गिर जाते हो, टूट जाते हो। साइकोलॉजिकल रूप से यह आपको बहुत प्रभावित कर देता है। शुरू में तो मैं आलोचकों पंचिंग बैग बन गया था। मैं जितना उन्हें महत्व देता, वे उतनी अधिक आलोचना करते। फिर एक समय ऐसा आया कि मैंने तय किया कि मैं अब अपने किरदारों को अहमियत दूंगा। मैंने क्रिटिसिज्म की परवाह करना छोड़ दिया और उन्होंने मेरे बारे में कहना।

पहले मॉडलिंग फिर सिनेमा और अब ओटीटी, आपके लिए ये शिफ्ट कैसा है?

मेरे लिए ये शिफ्ट ज्यादा कुछ नहीं है। माध्यम तो अभिनय का ही है। काम भी वही है, लोग वही हैं, निर्देशक और कहानियां भी कमोबेश वही हैं। बस एक चीज जो अलग है, वो ये कि आपको अपने किरदार पर काम करने का अधिक समय मिल जाता है। कहानी परतदार होती है। इन दिनों मैं ओटीटी पर काफी इंडियन और विदेशी कॉन्टेंट देख रहा हूं और मैंने पाया कि जिन शोज के किरदार और कहानियां मजबूत होती हैं, उनकी ग्रिप भी सुदृढ़ होती है, तो ये मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं। मैंने अपने करियर में जो भी रोल किए हमेशा से खुद को किरदार के रूप में देखा। अब तो जो फिल्में या ओटीटी पर शोज बन रहे हैं, उसमें दर्शक एक्टर को नहीं बल्कि किरदारों को देखना चाहते हैं और साथ ही ये देखना चाहते हैं कि उन चरित्रों के साथ अभिनेता ने न्याय किया या नहीं, तो मेरे लिए ये बहुत अच्छा समय है, क्योंकि मुझे उस तरह के चरित्र मिल रहे हैं, जिनमें मैं प्रवेश कर सकता हूं। वेब सीरीज के साथ मैं फिल्में भी कर रहा हूं।

आपकी ताजातरीन वेब सीरीज राना नायडू में सितारों का मेला लगा हुआ है, तो इसका हिस्सा बनते हुए मन में कोई असुरक्षा थी कि आपकी भूमिका क्या आकार लेगी?

अगर आप मेरा करियर देखेंगी तो मैं इंडस्ट्री के तमाम बड़े सितारों के साथ काम कर चुका हूं। मैंने कई मल्टी स्टार कास्ट फिल्में भी की हैं, तो मैं कभी भी किसी इंसिक्योरिटी के साथ नहीं आता। एक अभिनेता के रूप में जब आप स्क्रिप्ट पढ़ रहे होते हैं, तो आपको कुछ उस वक्त फैसला लेना होता है कि क्या मैं इस किरदार के साथ इंसाफ कर पाऊंगा? क्या अभिनेता के रूप में यह मुझमें कुछ जोड़ेगा? उस वक्त अपने निर्देशक के साथ रोल को लेकर आपके सारे डिस्कशन हो जाने चाहिए। आपको कुछ कमी लग रही है, तो उस पर भी बात हो जानी चाहिए, ताकि सेट पर सब कुछ स्पष्ट रहे। मुझे जब इस भूमिका का प्रस्ताव मिला, तो यह किरदार मुझे काफी जटिल लगा। जिसके कारण इसकी लेयरिंग भी थी। मैंने निर्देशक करण अंशुमन से सारी चीजें डिस्कस करने के बाद यही कहा कि आप जब लिखेंगे, तो मेरे किरदार को ऐसे लिखिएगा कि मुझे उसे निभाते हुए थोड़ी छूट मिल सके।

ब्रीफ न्यूज़

जिले में पिछले 24 घंटे मे 1.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

सीहोर। जिले में बीते 24 घंटे में प्रात॰08 बजे तक 1.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। वषार्मापी केंद्र सीहोर में 3.8, मिलीमीटर, श्यामपुर में 0.0, आष्टा में 0.0, जावर में 0.0, इछावर में 0.0, भैरूंदा में 0.0, बुधनी में 3.0, रेहटी में 3.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 01 जून से 04 जुलाई को प्रात॰ 8 बजे तक 223.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में औसत वर्षा 162.1 मिलीमीटर थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1148.4 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से 04 जुलाई 2025 तक जिले के वषार्मापी केन्द्र सीहोर में 199.7, मिलीमीटर, श्यामपुर में 197.7, आष्टा में 159.0, जावर में 92.0, इछावर में 207.3, भैरूंदा में 249.0, बुधनी में 361.0 तथा रेहटी में 320.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

अमलाई पुलिस द्वारा चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। थाना अमलाई क्षेत्र अंतर्गत फरियादी रविकांत त्रिपाठी निवासी रामपुर द्वारा अपने पुराने बंद घर से चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले में थाना अमलाई में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जांच के दौरान संदेही संतोष बैगा एवं लालदास बैगा, निवासी रामपुर से पूछताछ में दोनों के द्वारा ताला तोड़कर घर में घुसकर सामान चोरी करना तथा सामान का आपस में बंटवारा करना स्वीकार किया गया। उनके कब्जे से चोरी गई संपत्ति में से एलजी टीवी, रिसीवर, फूल की थाली, ट्रेक्टर का अल्टीनेटर व पंखा आदि कुल 14,300/-रुपये की मशरूका अमलाई पुलिस द्वारा बरामद कर लिया गया है। एक अन्य आरोपी द्वारा चोरी का कुछ सामान बेंच दिया गया है, जिसकी तलाश जारी है। चोरी गई शेष संपत्ति की बरामदगी एवं आरोपी की गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी हैं। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी अमलाई जे.पी. शर्मा, विवेचना अधिकारी सउनि, अमृतलाल सिंह परस्ते, प्र.आर. ठाकुर दास एवं आर. आकाश चन्द्रा की सराहनीय भूमिका रही।

गांधीनगर आदिवासी बस्ती में जलभराव की समस्या

अशोकनगर। नगर परिषद अध्यक्ष अशोक माहौर ने गांधीनगर आदिवासी बस्ती का दौरा कर जल भराव तथा कीचड़ की समस्याओं का जायजा लिया और राहत कार्य के निर्देश दिए। लगातार हो रही बारिश के कारण उबर रहे जलभराव और कीचड़ की समस्या से परेशान रहवासियों का आक्रोश बढ़ रहा है। इस समस्या को लेकर आज सुबह नगर परिषद अध्यक्ष अशोक माहौर ने गांधीनगर पहुंचकर स्थाई समाधान की योजना बनाई। मौके पर वार्ड पार्षद वीरेंद्र आदिवासी ने मोहल्ले की हर गली का निरीक्षण कर आपस में समस्याओं का ब्योरा दिया। रहवासियों ने तत्काल कीचड़ से भरे रास्तों पर चूरी रोरा डालने एवं गली-गली में सीसी रोड के निर्माण की मांग की।

शहर ब्लाक कांग्रेस ने विद्युत वितरण कंपनी की मनमानी के विरोध में कोतवाली चौराहा पर दिया धरना

स्मार्ट तरीके से जनता की खून पसीने की कमाई को लूटेंगे स्मार्ट मीटरः निशांत वर्मा

कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के हित में उठाते रहेंगे आवाज

सत्ता सुधार ■ सीहोर

स्मार्ट मीटर जनता की खून पसीनो की गाड़ी कमाई को स्मार्ट तरीके से लूटने के लिए जबरदस्ती लगाए जा रहे हैं । स्मार्ट मीटर लगाने वाले बंदूकधारियों को अभी तो हमने गांधीवादी तरीके से माला पहनाई है, नहीं माने तो काला मुंह करके शहर से बाहर निकाल देंगे,जनता की जेब काटने के लिए विरोध के बावजूद स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे है, और जनता को डराने के लिए बंदूक भी दिखा रहे है, कांग्रेस कार्याकर्ता जनता का अपमान सहन नहीं करेंगे और जनहित के मुददों को लेकर बेखौफ होकर आवाज उठाते रहेंगे उक्त शुक्रवार को कोतवाली चौराहा पर शहर ब्लाक कांग्रेस

के द्वारा स्मार्ट मीटर के विरोध में आयोजित धरना प्रदर्शन के दौरान शहर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष ने कही। शहर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि स्मार्ट मीटर खपत से अधिक रिडिंग दे रहे हैं, अघोषित बिजली कटोती के दौरान भी स्मार्ट मीटर रिडंग बना रहे है। बिजली के बिलों की राशि भारी मात्रा में बढ़ाकर दी जा रही है, समय पर मीटर की रिडिंग नही ली जा रही है। बिल तक समय पर नही दिये जा रहे हैं, विद्युत मण्डल की इसी प्रकार की कई अनीयमित्ताओं और मनमानी के कारण नागरिकों में काफी आक्रोष बना हुआ है। प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विद्युत मण्डल द्वारा नागरिकों को जबरिया भारी भरकम बिजली के बिल थमाए जा रहे है। नागरिकों के विरोध के बाद भी जबरदस्ती घरों दुकानों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे है जिससे अनेक स्थानों पर लड़ाई-झगड़े की स्थिति बन रही है अब नागरिकों को डराने चमकाने के लिए बंदूकधारियों के साथ ठेकेदार के कर्मचारी मोहल्लों में पहुंच रहे है। जिससे शहर का माहौल खराब होने की पूर्ण सम्भावना बनी हुई है। कोतवाली चौराहा पर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेता कार्याकर्ता शहर के मोहल्लें में पहुंचे और जबरदस्ती स्मार्ट मीटर घरों की दीवारों पर लगा रहे ठेकेदार के कर्मचारियों और बंदूकधारी सुरक्षा गार्डो का गांधीगिरी करते हुए फूल माला पहनाकर स्वागत कर स्मार्ट मीटर लगाने बंद करने की चेतवानी दी गई। शहर कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस कार्याकताओं के द्वारा इंग्लिशपुरा रोड क्षेत्र के मकान मालिकों से भी चर्चा की गई। दुकानदारों ने बताया की जबरदस्ती तंग करने के लिए नगर पालिका के द्वारा टू लेन रोड बनाने के लिए मकानों दुकानों को तोड़ा जा रहा है जबकी यह हमारी निजी जमीन है। एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती लोकसभा प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव मध्यप्रदेश कांग्रेस महासचिव शैलेन्द्र पटेल अखिल कांग्रेस कमेटी सदस्य हरपाल ठाकुर महिला जिला अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रुकमणि रोहिला विष्णु प्रसाद राठौर ओम वर्मा राजाराम बड़े भाई गणेश तिवारी प्रीतम दयाल चौरसिया ब्रजेश पटेल, रमेश गुप्ता धर्मेंद्र ठाकुर ओम बाबा राठौर राजेंद्र ठाकुर सीताराम भारती रघुवीर दांगी हैदर यार विनोद राठौर जयंत शाह विवेक राठौर कपिल उपाध्याय मजीद अंसारी आशीष गेहलोद डॉ मारुति राय घनश्याम यादव हर्षदीप राठौर ममता शर्मा राकेश वर्मा भूरा यादव पवन राठौर आशीष रोहिला ब्रजेश पटेल भगत तोमर मुकेश ठाकुर के के रिछारिया तारा यादव पंकज शर्मा चीनू राठौर कमल सूर्यवंशी गुलाब वर्मा सुरेश ठाकुर रहीस खान बने सिंह चंद्रवंशी देवेंद्र चौधरी ,मनोज पटेल कमलेश चांडक राज कौशल विवेक टांक ओम सोनी शामिल रहे संचालन सुनील दुबे आभार डॉ अनीश खान ने व्यक्ति किया। प्रदर्शन में संख्या में कांग्रेस नेता कार्याकर्ता शामिल रहे।

शिक्षा के बिना तरक्की के रास्ते संभव नहींः उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने मेधावी छात्र-छात्राओ को प्रदान वितरित किये चेक

सत्ता सुधार ■ शहडोल

किसी भी व्यक्ति, समाज या राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा अनिवार्य है। जब तक लोग शिक्षित नहीं होंगे, वे न तो अपने अधिकारों को समझ पाएंगे और न ही अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन कर पाएंगे। शिक्षा से ही नई सोच, नई तकनीक और आत्मनिर्भरता का मार्ग खुलता है। आधुनिक युग में शिक्षित होना बहुत जरूरी है। शिक्षा के बिना तरक्की कर पाना संभव नहीं है। उक्त विचार संभागीय मुख्यालय शहडोल के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में आयोजित प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप राशि अंतरण समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने व्यक्त किए। कार्यक्रम को शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत कक्षा 12 वीं के एमपी बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक लाने वाले विद्याथियों को मनपसंद लैपटॉप खरीदने के लिए राज्य सरकार द्वारा 25 हजार रूपये की राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा विद्यार्थी को उच्च शिक्षा व आगे की पढाई करने के लिए यह लैपटॉप काफी मददगार साबित होगा और अपना लक्ष्य पूरा करें। उन्होंने कहा कि कमजोर तबके के विद्यार्थी भी कलेक्टर,

पुलिस अधीक्षक, इंजीनियर, डॉक्टर जैसे अच्छे पदो में जाए इसके लिए हर संभव मदद की जा रही है, किसी भी स्थिति में शिक्षा के लिए आर्थिक संकट नही होने दिया जाएगा। विद्यार्थी अच्छी मेहनत और लगन के पढाई करना चाहिए, असफलता भी मिल जाए तो निराष नही होना चाहिए, उस असफलता होने का कारण खोजे और उसे सुधार करे तो सफलता अवश्य मिलती है, विद्यार्थी अपने सीनियरो से भी मार्गदर्षन जरूर लें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी शिक्षा तो ग्रहण कर रहे है लेकिन षिक्षा के साथ-साथ संस्कारयुक्त शिक्षा सीखे तो समाज के लिए वरदान साबित होगा,संस्कारयुक्त षिक्षा देने में अभिभावक, गुरूजन अपनी महती भूमिका निभाए। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार मिल विकास के क्षेत्र में नये-नये आयाम गढ रही है।

केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाए संचालित की जा रही है चाहे वह महिला सषक्तिकरण का हो किसानो के सषक्तिकरण का हो, युवाओ को रोजगार से जोड़ना, बेटी बचाओ बेटी पढाओ जैस अन्य कार्य निरंतर किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग तेजी से विकास की ओर बढ रहा है, शहडोल में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, विष्वविद्यालय आदि सुविधाओ का विस्तार किया गया जिससे शहडोल संभाग के लोगो को अन्य दूसरे शहरो में न जाना पड़े और लोगो की आवष्यकताओ को देखते हुए अन्य सुविधाओ का भी धीरे-धीरे विस्तार किया जाएगा। समारोह को विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, श्री जयसिंह मरावी ने भी सम्बोधित करते हुए मेधावी छात्र-छात्राओ को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप राशि अंतरण समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला ने मेधावी छात्र-छात्राओं को 25 हजार रूपये की राषि का प्रतीक स्वरूप चेक प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय ने किया। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत आयोजित विद्यार्थियों को लैपटॉप राशि अंतरण कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में किया गया जिसका प्रसारण वर्चुअली रूप से किया गया। शहडोल जिले के 1012 मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए राशि का अंतरण किया गया। इस अवसर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह, पूर्व अध्यक्ष महिला वित्त विकास निगम श्रीमती अमिता चपरा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह, जिला षिक्षा अधिकारी श्री फूलसिंह मरपाची, पूर्व अध्यक्ष नगरपालिका श्रीमती उर्मिला कटारे, समाजेसवी श्री संतोष लोहानी, श्री राजेश पाण्डेय, षिक्षा विभाग के श्री अरविंद पाण्डेय सहित विद्यालयो के प्राचार्य, अभिभावक, छात्रा-छात्राए उपस्थित थें।

अमिलिहा लूट और हत्याकांड के कुख्यात आरोपी गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ शहडोल

संभाग के उमरिया जिले के पाली थाना अंतर्गत शहडोल मुख्यालय से लगे हुए ग्राम अमिलिहा में हुए व्यवसायी की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा शहडोल निवासी चार लोगों ने दिया था घटना को अंजाम वारदात के बाद आरोपी सीसीटीवी कैमरे का डी वी आर भी ले कर हुए थे रफू चक्कर घटना को अंजाम देने की एक महीने के बाद आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे पाली पुलिस ने लुटे गये नकदी, गहने को किया बरामद । उमरिया जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत अमिलिहा गांव में बीते महीने हुई व्यवसायी शिवदयाल शुक्ला की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बुधवार को पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि यह हत्या लूट की नीयत से की गई थी, जिसमें चार आरोपियों अतुल बर्मन विनय गुप्ता दीपक गुप्ता आदित्य उपाध्याय को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि 4 जून की रात अज्ञात बदमाशों ने लूट की नियत से शिवदयाल शुक्ला के घर पर धावा बोला था। इस दौरान लूटपाट का विरोध करने पर आरोपियों ने व्यवसायी की बेरहमी से हत्या कर दी थी और व्यवसायी की मां को भी लहूलुहान कर दिया था वारदात के बाद से ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक अनुराग शर्मा ने आरोपियों की जानकारी देने वालो को 30 हजार रूपये का नगद इनाम देने की घोषणा की थी और तकनीकी साक्ष्यों व मुखबिर की सूचना के आधार पर सबसे पहले अतुल बर्मन को गिरफ्तार किया फिर उसके बयान के आधार पर तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है आरोपियों के पास से लूटी गई नकदी, गहने और हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने बताया कि सभी आरोपी शहडोल के कल्याण पुर के रहने वाले हैं और पहले भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रह चुके हैं। और समीपी जिले शहडोल मे कई घटनाओ को अंजाम दे चुके है इस सनसनीखेज हत्याकांड के खुलासे के बाद क्षेत्र में राहत की भावना देखी जा रही है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं वृक्षारोपण का आयोजन किया गया

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

विहिप बजरंग दल सेवा सप्ताह के अंतर्गत पिपरई प्रखंड में निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। श्री राम दरबार की पूजा अर्चना के साथ चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का प्रारंभ किया गया। जिसमें प्रांत संयोजक बजरंग दल अवधेश तिवारी ने बताया कि सेवा सप्ताह 1 जुलाई से 7 जुलाई तक सम्पूर्ण भारत में सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें आज 235 मरीजों की जांच की गई एवं दवाई वितरण साथ में वृक्षारोपण राम जानकी मंदिर राम दरबार के प्रांगण में किया गया। बजरंग दल के जितने भी संयोजक है। सभी वृक्षारोपण करें अधिक से अधिक वृक्ष लगाए

मध्य भारत प्रांत सह मंत्री जितेंद्र चौहान ने सभी डॉक्टर्स चंद्रावल सिंह एमडी एवं आशीष पलेरिया एवं समस्त स्टाफ का तिलक लगा कर सम्मान किया।

सुबह से ही तेज बारिश होने के बाद भी शिविर में मैरिज पहुंचे सभी ने डॉक्टर को दिखाया इसके बाद मरीजों की खून की जांच भी की गई वह सभी को निशुल्क दबाए वितरित की गई । डॉक्टर ने बताया लगे लगातार निशुल्क सिविल लगाते रहना चाहिए बहुत मरीज ऐसे होती है जो बीमारी का अनदेखा करते हैं इसे वह मरीज की जांच भी हो जाती है।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश निरंतर हो रहा है अग्रसरः शुक्ला

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना से जिले के 1285 छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुक्रवार को प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम से विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय करने हेतु सिंगल क्लिक के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों जिनके कक्षा 12 वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त हुए है उनके खातों में 25 हजार रूपये की राशि का अंतरण किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अशोकनगर में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 1285 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को 25000 रूपये की राशि का अंतरण किया गया। प्रभारी मंत्री द्वारा इस दौरान प्रतीकात्माक रूप से 10 छात्र-छात्राओं को लेपटॉप हेतु 25 हजार रूपये की राशि का चेक प्रदान किये गये। इस

अवसर पर प्रभारी मंत्री शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी ने कहा कि राष्ट्र की उन्नति का पैमाना शिक्षा होती है। शिक्षा ही अच्छा नागारिक बनाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा नई शिक्षा नीति को सुदृण कर छात्र छात्राओं को सुंदर भविष्य के लिये बेहतर कार्य किये है। बच्चो में शिक्षा के प्रति अलख जगाने के लिये उन्हे प्रोत्साहन स्वरूप लेपटॉप की राशि दी जा रही है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री आलोक तिवारी,नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज मनोरिया,कलेक्टर श्री आदित्य सिंह,पुलिस अधीक्षक श्री विनीत कुमार जैन,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन,अपर कलेक्टर श्री मुकेश कुमार शर्मा,संयुक्त कलेक्टर श्री आर.बी.सिण्डोस्कर,पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश चौधरी,सांसद प्रतिनिधि श्री हरिओम नायक,भाजपा जिला मंत्री मनोज शर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण,शिक्षकगण एवं बडी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक बाढ़ आपदा एवं राहत ,जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित

जिले में अतिवर्षा एवं बाढ़ से निपटने के लिए सभी तैयारियां रखें पूर्णः प्रभारी मंत्री

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जिले में अतिवर्षा एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण रखी जाए। जिससे बाढ़ संबंधी सूचना पर समय पर राहत एवं बचाव के कार्य किये जा सके। यह निर्देश मध्यप्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बाढ़ आपदा एवं राहत तथा जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में प्रभारी मंत्री श्री शुक्ला ने निर्देश दिए कि जिले में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का प्रशासन द्वारा जो चिन्हाकंन किया गया है,उन क्षेत्रों की वर्षा के दौरान विशेष निगरानी में रखा जाए। बाढ़ की स्थिति में इन स्थानों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों में

पहुचाने,उनके ठहरने के लिए राहत शिविरों की व्यवस्था करने, उन्हें बाढ़ से बचाव संबंधी तैयारियां रखी जाए। उन्होंने नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जाए तथा जल स्तर खतरे के निशान पर पहुचने की संभावना होने पर कन्ट्रोल रूम को सूचित किया जाए। जलाशयों में नियंत्रित रूप से जल निकासी के प्रयास किए जाएं जिससे बाढ़ की स्थिति नहीं निर्मित हो। ऐसे दुर्गम क्षेत्र जहां बाढ़ की स्थिति में नहीं पहुचा जा सकता है वहां पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामगी, पेयजल व्यवस्था, जीवन रक्षक दवाईयां पर्याप्त मात्रा में पहले से ही उपलब्ध करा दी जाएं। ऐसे क्षेत्र जो बाढ़ के पानी से घिर जाते हैं उन क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने हेतु पेयजल स्त्रोतों का चिन्हांकन तथा आवश्यकता पड़ने पर पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था कर ली जाए। बाढ़ नियंत्रण हेतु जिले में समस्त बाढ़ बचाव सामग्री जैसे मोटर वोट, नार्वे आदि की सूची तैयार की जाए तथा उनके दूरभाष नंबर एवं पते रखे जाएं। प्रशिक्षत चालकों एवं गोताखोरों की सूची भी तैयार रखी जाए। बाढ़ एवं अतिवृष्टि के समय नगरीय क्षेत्रो में ऐसे बस्तियां जो नदी नालों के किनारे तथा निचले क्षेत्रों में अनाधिकृत रूप से बसी हैं तथा बाढ़ से जल स्तर बढ़ने पर बाढ़ आने की संभावना में ऐसी बस्तियों बसे लोगों को पूर्व से सूचित कर दिया जाए जिससे उन्हें वैकल्पिक स्थानों पर पहुंचाया जा सके। चिन्हित जीर्णशीर्ण मकानों एवं भवनों को गिराये जाने की कार्यवाही की जाए। बाढ़ एवं अतिवृष्टि के समय जलमग्न सड़कों एवं पुलियों से वाहन चालक अपने जोखिम पर पार करने का प्रयास करते हैं इन स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जांए तथा बैरियल स्थापित किए जाएं। बैठक में प्रभारी मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यो को समय पर पूर्ण कराया जाए। नल जल योजना अंतर्गत डाली जाने वाली पाईप के लिए सड़कों की खुदाई की जाती है,उन सड़कों का मरम्मत कार्य पाईप लाईन डालने के उपरांत संबंधितों द्वारा कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने राजघाट समूह जल प्रदाय योजना के कार्यो की प्रगति की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

नवमी पर कन्या पूजन-भड़ली नवमी पर कन्या पूजन के बाद भोजन करवाया

सत्ता सुधार ■ सीहोर

हर साल की तरह इस साल भी शहर के विश्रामघाट के समीपस्थ प्रसिद्ध मरीह माता मंदिर में आषाढ़ गुप्त नवरात्र के अंतिम दिवस भड़ली नवमी पर यहां पर श्रद्धालुओं के द्वारा अनुष्ठान किया गया। इस दौरान कन्या पूजन करने के साथ ही खीर-पुडी आदि पकवानों का भोग लगाकर मातारानी की पूजा-अर्चना की गई। कन्या-पूजन कर उन्हें भोजन करवाकर उपहार भेंट कर अनुष्ठान किया। महाआरती में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रसाद प्राप्त किया। इस मौके पर मंदिर के व्यवस्थापक गोविन्द मेवाड़ा, रोहित मेवाड़ा, पंडित उमेश दुबे, ज्योतिषाचार्य पंडित गणेश शर्मा, जिला संस्कार मंच की ओर से जितेन्द्र तिवारी, राहुल सिंह, मनोज दीक्षित मामा, सुनील चौकसे, धर्मेन्द्र माहेश्वरी, सहित अन्य ने यहां गुप्त नवरात्रि के नौवें दिन शुक्रवार को महा आरती की। शुक्रवार की सुबह नवमी पर मां सिद्धी दात्री की पूजा अर्चना के लिए मंदिर परिसर में दिनभर माता के दर्शनों कर पूजा-अर्चना की गई। गुप्त नवरात्रि के अंतिम दिन सुबह सामूहिक रूप से पूर्णाहुति दी। भड़ली नवमी आषाढ़ माह की नवरात्रि का आखिरी दिन होता है। इस तिथि पर देवी दुर्गा के जगदंबा स्वरूप की पूजा करने का विधान है। इसके साथ ही देवी की पूजा दश महाविद्याओं के रूप में भी की जाती है, चूंकि यह नवरात्रि का आखिरी दिन है, इसलिए इस दिन कन्या भोजन का भी आयोजन किया जाता है।

ब्रीफ न्यूज

अस्पताल कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

इंदौर। बाणगंगा क्षेत्र में रहने वाले एक अस्पताल के कर्मचारी रतनदीप पुत्र सेवाराम सूर्यवंशी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर रतनदीप को एमवाय अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले में जांच कर रही है। रतनदीप के भाई विमल दीप ने पुलिस को बताया कि भाई का गुरुवार को अचानक तबीयत खराब हो गई थी। उन्होंने दवाई खाई, इसके कुछ देर बाद उनके मुंह से झाग निकला और वे बेसुध हो गए। इसके बाद परिवार के लोग अस्पताल लेकर पहुंचे। रतनदीप के परिवार में एक बेटी, दो भाई है। वह परिवार से अलग रहते थे।

व्यापारी ने जहर खाकर की आतमहत्या

इंदौर। छावनी मंडी में बारदान का काम करने वाले व्यापारी 50 वर्षीय राजेश शर्मा ने गुरुवार देर शाम मूसाखेड़ी स्थित अपने घर पर जहर खाकर आत्म हत्या कर ली। जहर खाने के बाद तबीयत बिगड़ने पर राजेश को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान मौत हुई है। राजेश के पड़ोसियों ने बताया कि राजेश शादी न होने के कारण तनाव में रहता था। उसके पिता का निधन 10 साल पहले हो गया और बुजुर्ग मां उसके साथ रहती थी। पुलिस के मुताबिक पोस्ट मार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा जाएगा। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गार्ड से बंदूक छीनने वाला बदमाश गिरफ्तार

इंदौर। तिलक नगर में बुजुर्ग गार्ड से 12 बोर की बंदूक छीनने के मामले में फरार चल रहे आरोपी समीर मौर्य को पुलिस ने पकड़ लिया। भागते समय स्कीम नंबर 140 की बाउंड्रीवॉल कूदते वक्त समीर गिर गया, जिससे उसके पैर और घुटने में चोट आई और फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए रात में एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया और अब कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है। इस मामले में पुलिस पहले ही चार नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। बंदूक समीर ने ही छीनी थी, जिसे बाद में एक नाबालिग साथी को सौंप दिया था। पुलिस ने बंदूक नाबालिगों से बरामद कर ली है।

बीआरटीएस में अब वाहनों के चालान बनाने में जुटी पुलिस

इंदौर। एक तरफ बायपास से लेकर शहरभर में जाम की स्थिति रोजाना ही रहती है, तो दूसरी तरफ कल से बीआरटीएस लेन के अंदर आए निजी वाहनों के चालान बनाना पुलिस और उसके यातायात विभाग ने शुरू कर दिए। कल शाम के बाद कई वाहनों के चालान बनाए गए। हालांकि चालाकों ने इसका विरोध भी किया। बीते तीन महीने से नगर निगम बीआरटीएस की रैलिंग अभी हटा नहीं पाया, जबकि हाईकोर्ट ने बीआरटीएस हटाने के निर्देश दे दिए और उसके पहले मुख्यमंत्री भी इसकी घोषणा कर चुके थे, जिसके चलते अभी कुछ हिस्सों में आई बस तो लेन के अंदर चल रही है, वहीं पुलिस व प्रशासन के वाहनों के साथ-साथ दुपहिया वाहनों द्वारा भी बीआरटीएस का इस्तेमाल किया जा रहा है। कल बड़ी संख्या में निजी वाहनों ने बीआरटीएस लेन के अंदर प्रवेश किया तो यह यातायात विभाग के जवानों ने धड़ाधड़ चालान काटना शुरू कर दिए।

सांसद शंकर लालवानी ने बच्चों को बांटे चेक, कहा-अपना लक्ष्य तय करें

इंदौर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मिली लैपटॉप की राशि

सत्ता सुधार | इंदौर

मुख्यमंत्री प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत इंदौर जिले के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए प्रोत्साहन राशि का वितरण किया। शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतीक स्वरूप कुछ विद्यार्थियों को 25 हजार रुपए के चेक दिए।

उन्होंने कहा कि नई मंजिल तुम्हारा इंतजार कर रही है। अपना लक्ष्य तय करो और आगे बढ़ो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। यह आप लोगों के लिए बहुत अच्छा अवसर है। इंदौर जिले में 5312 मेधावी विद्यार्थी हैं। जिन्हें लैपटॉप खरीदने के लिए 13 करोड़ 28 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। औपचारिक कार्यक्रम के बाद अन्य विद्यार्थियों को जिला स्तर पर राशि के चेक दिए जाएंगे। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में आयोजित हुआ। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों को राशि के चेक वितरण किए और विद्यार्थियों को संबोधित किया।

कार्यक्रम में सांसद के अलावा कोई

ब्लॉक स्तर पर भी हो रहे कार्यक्रम

भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बाल विनय मंदिर इंदौर सहित जिले के सभी विकासखंडों में किया गया। विकासखंड स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। जिनमें संबंधित क्षेत्र के विधायक और अधिकारी शामिल हो रहे हैं। सभी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी और उनके अभिभावक मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ- इंदौर में आयोजित लैपटॉप के लिए राशि वितरण कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी के अलावा कोई जनप्रतिनिधि या अधिकारी शामिल नहीं हुआ। लालवानी भी 10 मिनट में चेक बांटकर चले गए। यह घटनाक्रम शहर में चर्चाओं में है।

जयपुरिया विद्यालय में हुआ संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

सत्ता सुधार | बड़वानी

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार, पुलिस अधीक्षक बड़वानी जगदीश डावर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर के मार्गदर्शन में जयपुरिया विद्यालय बड़वानी में एक संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा, सृजन अभियान, तथा यातायात जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की गई। मुख्य बिंदु- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री धीरज बब्बर ने विद्यार्थियों को सरल व रोचक तरीके से साइबर सुरक्षा और महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। यातायात थाना प्रभारी विनोद बघेल ने छात्रों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि- नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं चलाना चाहिए। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करें

नेक इंसान योजना के अंतर्गत सहायतार्थ राशि प्रदान की जाती है। साइबर एक्सपर्ट रितेश खत्री ने छात्रों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए- कभी भी अपनी बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड या पिन किसी से साझा न करें। छात्रों को अपने माता-पिता के फोन से संदिग्ध ऐप्स हटाने का आग्रह किया गया। डिजिटल अरेस्ट क्या होता है और उससे कैसे बचा जाए, इसकी जानकारी विस्तार से दी गई। फ्रॉड कॉल्स, फिशिंग लिंक, और स्पैम एप्लिकेशन से बचाव के लिए सतर्क रहने की समझाइश दी गई। विद्यार्थियों ने वॉइस चेंजर एप्स समेत कई तकनीकी सवाल पूछे, जिनका उत्तर विशेषज्ञों ने सरल भाषा में देकर उनकी जिज्ञासा शांत की। महिला सुरक्षा एवं परामर्श- कार्यक्रम में काउंसलर अनिता चोयल ने बालिकाओं को निम्न विषयों पर जागरूक किया- महिला, पुलिस, साइबर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी गुड टच और बैड टच की पहचान एवं ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग के लिए पुलिस दीदी योजना की जानकारी दी। अजनबी व्यक्तियों पर भरोसा न करने एवं अकेले बाहर न जाने की सावधानियां बताई। उपस्थित गणमान्य इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.वी. सत्या रमेश, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। बड़वानी पुलिस द्वारा इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को जागरूक, सुरक्षित एवं आत्मविश्वासी बनाना है। ऐसे आयोजन भविष्य में भी सतत रूप से जारी रहेंगे।

ड्यूटी पर तैनात जवान ने खुद को गोली मारकर किया सुसाइड

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा

इंदौर। इंदौर में एक आरक्षक ने ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मामला शुक्रवार तड़के करीब 5 बजे का है। 28 वर्षीय अनुराग भागोर ने द्वारिकापुरी इलाके में दिग्विजय मल्टीस्टोरी बिल्डिंग के एक फ्लैट में अपनी जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया।

घटना के समय अनुराग के साथ सिपाही रोहित भी मौजूद था। उसने बताया कि अनुराग ड्यूटी के दौरान आ रहे फोन कॉल्स रिसीव नहीं कर रहा था। शुरुआती जांच में पत्नी से विवाद की बात सामने आई है। अनुराग ने डेढ़ साल पहले लव मैरिज की थी। पत्नी रानू धार के मांडव की रहने वाली है। 7 दिन से मायके में ही है। अनुराग, अलीराजपुर का निवासी था। द्वारिकापुरी थाने से पहले वह सराफा थाने में था। अनुराग ने रात में अपने दोस्त से मोबाइल पर बात की थी। उसने कहा था- पत्नी फोन नहीं उठा रही है। मैसेज देखने के बाद भी रिप्लाई नहीं किया। उसे कह देना कि अब मेरी लाश देखने को मिलेगी। वह लाश के आसपास भी नहीं भटके। पुलिस इस मामले में दोस्त के बयान लेगी। परिवार में बड़ा भाई अविनाश और छोटा भाई देवेंद्र है। अनुराग मंझला था। पिता वेटरनिरी डिपार्टमेंट से रिटायर्ड हैं। अनुराग की बुआ के बेटे राजेंद्र ने बताया कि उसे पुलिस विभाग में 10 साल हो गए थे।

पत्नी के भाई को 7 दिन पहले करंट लगा था

अनुराग की पत्नी के भाई को 7 दिन पहले करंट लगा था। अरविंदो हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। परिजन के मुताबिक, सर्राफा से द्वारकापुरी थाने में ट्रांसफर के बाद अनुराग का ड्यूटी शेड्यूल बढ़ गया था। वह अपने घर-अस्पताल नहीं जा पा रहा था। पत्नी अरविंदो अस्पताल में मायके पक्ष के लोगों के साथ ही थी। इसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था। जिस बिल्डिंग में अनुराग ने खुदकुशी की, वह इंदौर डेवलपमेंट अथॉरिटी (आईडीए) की है। यहां अक्सर नशाखोरी और विवाद सामने आते हैं।

जल जमाव से परेशान रहवासियों की चक्काजाम की चेतावनी

रहवासियों का आरोप हाउसिंग बोर्ड और नगर निगम के अधिकारी नहीं सुन रहे

सत्ता सुधार | उज्जैन

उज्जैन के वार्ड क्रमांक 4 की अतिरिक्त विश्व बैंक कॉलोनी के पीछे स्थित हाउसिंग बोर्ड की एससी/एसटी कॉलोनी के रहवासी थोड़ी सी बारिश में ही घरों में पानी भर जाने से बेहद परेशान हैं। कई बार पार्षद से शिकायत करने के बावजूद समाधान न होने पर अब रहवासियों ने चक्का जाम करने और पार्षद के घर के बाहर धरना देने की चेतावनी दी है। आगर रोड पर स्थित हाउसिंग बोर्ड की इस एससी/एसटी कॉलोनी में बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस जाता है, जिससे लोग बेहद परेशान हैं। यदि जल्द समाधान नहीं किया गया, तो रहवासी प्रदर्शन कर भूख हड़ताल करने को मजबूर होंगे। रहवासियों ने बताया कि यह कॉलोनी पूरी तरह वैध है। यहां के घरों के नक्शे, नामांतरण और एनओसी सभी वैध हैं। वे सालों से

नियमित रूप से टैक्स भरते आ रहे हैं, इसके बावजूद आज तक न तो कॉलोनी में नाली बनी है और न ही कचरा गाड़ी आती है। इतना ही नहीं, क्षेत्र की अन्य कॉलोनियों का बारिश का पानी भी नगर निगम द्वारा जानबूझकर इस कॉलोनी की ओर मोड़ दिया गया है। शिकायत करने पर हाउसिंग बोर्ड और नगर निगम के अधिकारी एक-दूसरे के पास भेजते रहते हैं। पार्षद से कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ।

भूख हड़ताल और चक्का जाम की चेतावनी

रहवासियों ने कहा कि उन्होंने यहां की भाजपा पार्षद बबीता घनश्याम गोड़ को वोट दिया था, लेकिन चुनाव के बाद से अब तक उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो वे पार्षद के घर के बाहर भूख हड़ताल पर बैठेंगे और चक्का जाम करेंगे।

आरती में त्रिनेत्र और त्रिपुंड लगाकर सजे बाबा महाकाल, धारण किया मुकुट

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि शुक्रवार की सुबह 4 बजे हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन-अभिषेक कर श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल को भस्म रमाई गई। इस दौरान हजारों भक्तों ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया, जिसके बाद जय श्री महाकाल के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। कालों के काल विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष की नवमी शुक्रवार पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया। पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि भस्म आरती के लिए सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत को अर्पित कर किया।

शासकीय विधि महाविद्यालय बड़वानी में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

सत्ता सुधार | बड़वानी

मध्यप्रदेश उच्चशिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय विधि महाविद्यालय बड़वानी में दीक्षारंभ तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। विधि के नवागत छात्र छात्राओं को महाविद्यालय में संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

महाविद्यालय का भ्रमण करा कर ग्रन्थालय एवं मूट कोर्ट की जानकारी प्रदान की गई। विधि के क्षेत्र में आगे न्यायाधीश, शासकीय अभिभाषक और कानूनी अधिकारी आदि के बारे में बताया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रविन्द्र सिंह चौहान ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनोद कुमार चौरसिया ने किया। आभार क्रीड़ा अधिकारी प्रेम सिंग ने माना। इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार कुल्हारे, प्रो. रवीश माटसेनिया आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रविन्द्र सिंह चौहान ने की

प्रतियोगिता | प्रतियोगिता में देश भर के 26 राज्यों ने भाग लिया

पंजा कुश्ती में बड़वानी जिले को मिले चार राष्ट्रीय पदक

सत्ता सुधार | बड़वानी

राष्ट्रीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता त्रिसूर केरल में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में देश भर के 26 राज्यों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में लगभग 1200 भिन्न-भिन्न वर्ग के महिला-पुरूष व दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपने हाथों की ताकत का प्रदर्शन करते हुई पदक जीते। बड़वानी जिले के चार खिलाड़ियों ने भी भाग लेकर जिले का डंका बजाते हुए कुल 04 रजत पदक जीत कर अपने नाम किए। इन पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में मनोज पटेल 90 किलोग्राम, दिव्यांग वर्ग में 02 रजत पदक दाये व बाई हाथ से, सुनीता काग 60 किलोग्राम मास्टर वर्ग में 02 रजत पदक दाये व बाये हाथ से, सतीश डावर 55 किलोग्राम यूथ वर्ग में चौथा स्थान व यश डुडवे 75 किलोग्राम यूथ वर्ग में सातवां स्थान प्राप्त किया। इनकी इस उपलब्धि पर कोच मनोज पटेल ने बताया कि विगत समय में हुई पंजा कुश्ती के सुपर मैच की बदौलत यह परिणाम देखने को मिल रहे है।

कोच ने बताया एक छोटे से जिले में पंजा कुश्ती के जोश व जुनून को देखते हुए पीपीएल ओनर प्रवीण डबास ने निमाड़ क्षेत्र के मां नर्मदा तट राजघाट किनारे एक भव्य पंजा कुश्ती मैच के पुनः आयोजन की चर्चा जोरो पर है। इस प्रकार के आयोजन से हमारे ग्रामीण क्षेत्रों के उभरते युवा खिलाड़ियों को अधिक संख्या में अपने हुनर का प्रदर्शन करने के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। इस प्रतियोगिता के सभी विजेता खिलाड़ी अक्टूबर माह में आयोजित वर्ल्ड आर्म रैसलिंग चैम्पियनशिप यूरोप महाद्वीप के अल्बेना बुल्गारिया में भाग लेंगे।

इन सभी खिलाड़ियों को जिला पंजा कुश्ती संघ के मनीष गुप्ता व पंजा कुश्ती फैंस क्लब के सदस्य अनिल आलूने, श्याम गोस्वामी,रुद्र खेडकर, घोंटन पंडित,गोलू चौहान,बलराम अवस्या,विनोद भार्गव, महेंद्र सावले,स्वप्निल माहेश्वरी,महेश जाधव, नरेंद्र पारगीर, नंदू नागौर,भूपेंद्र जाट,दीपक अवस्या, प्रकाश धनगर,राजेंद्र पटेल,छोटू डोडवे, सौरभ बडोले व पिंटू डावर ने उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई व शुभकामनाएं दीं।

वन विभाग की जमीन से मुरम-गिट्टी चुराते 3 डंपर, 1 पोकलेन जब्त

सत्ता सुधार | इंदौर

शहर के आसपास अब अवैध खनन माफिया फिर सक्रिय हो गया है । अवैध खनन करने वालों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब यह जंगल की जमीन में अवैध खुदाई कर डम्पर भर-भरकर मुरम-गिट्टी ले जाकर बाजार में बेचने लगे हैं। ऐसे ही एक मामले का पर्दाफाश तब हुआ, जब एक गुमनाम फोन पर रात को 11 फॉरेस्ट रेंजर ऑफिसर संगीता ठाकुर के नेतृत्व में वन विभाग की टीम देवगुराडिया इलाके में रेणुका टेकरी के पास रणभंवर बीट पर पहुंची तो वहां कई लोग पोकलेन से अवैध उत्खनन करते नजर आए। वन विभाग की टीम को देखते ही आरोपी वहां से भाग गए।

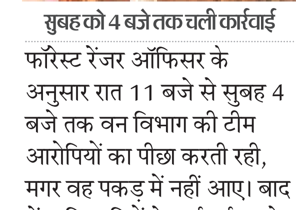

सुबह को 4 बजे तक चली कार्रवाई

फॉरेस्ट रेंजर ऑफिसर के अनुसार रात 11 बजे से सुबह 4 बजे तक वन विभाग की टीम आरोपियों का पीछा करती रही, मगर वह पकड़ में नहीं आए। बाद में अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए 3 डम्पर और पोकलेन जब्त कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ वन विभाग से सम्बन्धित अपराध की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

कुशवाह समाज के युवकों ने प्रदर्शन के दौरान किया पथराव, आरआई, थाना प्रभारी सहित आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल

बैरियर चौराहे पर अधेड़ की मारपीट के मामले में ज्ञापन देने आया था कुशवाह समाज, पुलिस ने किया लाठी चार्ज

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शुक्रवार की दोपहर बैरियर चौराहे पर उस समय अफरा तफरी मच गई, जब प्रदर्शन कर रहे कुशवाह समाज के लोगों में से कुछ युवकों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इस हमले में सिविल लाइन थाना प्रभारी एवं रक्षित निरीक्षक सहित आधार दर्जन पुलिसकर्मी घायल बताए गए हैं। उग्र हो रही भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लाठी चार्ज किया, जिससे बैरियर चौराहे पर भगदड़ मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। कुशवाह समाज के लोग कुछ दिन पूर्व बैरियर चौराहे पर कुशवाह समाज की एक अधेड़ व्यक्ति की हत्या का प्रयास किए जाने के मामले में धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन देने आए हुए थे।

कुशवाह समाज के नेताओं ने 3 दिन पूर्व से ही मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से ऐलान कर दिया था कि कांसपुरा गांव में रहने वाले कुशवाह समाज के निर्मल कुशवाह की हत्या का प्रयास करने तथा कुशवाह समाज के लोगों पर बढ़ते अत्याचार को लेकर 4 जुलाई की दोपहर कुशवाहा समाज बैरियर चौराहा स्थित रेस्ट हाउस पर एकत्रित होकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देने जाएगा तथा प्रदर्शन करेगा। जिसके बाद दोपहर 12:00 बजे से ही कुशवाह समाज के लोग एकत्रित होने लगे, लगभग 2:30-3:00 बजे जब रेस्ट हाउस से कुशवाह समाज के लोग बाहर निकले और प्रदर्शन करने लगे, तो इस दौरान युवकों द्वारा तमाम बैनर पोस्टर फाड़कर लाठियां हाथ में ले ली गई।

सुरक्षा की दृष्टि से कई थानों के थाना प्रभारी एवं भारी पुलिस बल वहां मौजूद था। इसी दौरान कुशवाह समाज के कुछ युवाओं ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिसमें पुलिस लाइन के रक्षित निरीक्षक रविकांत शुक्ला एवं सिविल लाइन के थाना प्रभारी दर्शन लाल शुक्ला सहित आधा दर्जन पुलिसकर्मी पत्थर लगने से चोटिल हो गए। पथराव होते देख वहां उपस्थित निरीक्षकों ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया और उनके आदेश पर लाठी चार्ज एवं अश्रु गैस छोड़ना आरंभ कर दिया। इसके बाद वहां पर भगदड़ मच गई। उक्त घटनाक्रम के बाद रचित निरीक्षक एवं सिविल लाइन थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मी उपचार के लिए अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज किया गया। इधर पुलिस द्वारा उपद्रवियों के चिन्हित कर उनके विरुद्ध मामला दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि जौरा थाना अंतर्गत कांसपुरा गांव में एक सप्ताह पूर्व आरोपी भूरा गुर्जर एवं रंजीत गुर्जर द्वारा निर्मल कुशवाह 50 वर्ष की बेटी के साथ छेड़खानी कर उसे अपना नंबर देने का प्रयास कर रहे थे, तभी गांव वालों ने देख लिया और दोनों की जमकर मारपीट कर दी। थाना प्रभारी उदयभान सिंह के अनुसार मारपीट में एक युवक को 12 टांके आए थे। उक्त घटना के बाद दोनों पक्ष के बड़े बुजुर्ग द्वारा राजीनामा कर लिया गया, लेकिन मारपीट की टशन भूरा और रंजीत दिमाग में चल रही थी। इसका बदला लेने के लिए वह लगातार निर्मल कुशवाह की लोकेशन ले रहे थे। इसी के चलते 29 जून रविवार की दोपहर दोनों आरोपी अपने दो साथियों के साथ मुरैना बेरियल चौराहे पर पहुंचे और निर्मल को बीच सड़क पर डालकर बुरी तरह पीटकर हत्या का प्रयास किया। आरोपियों द्वारा अधेड़ की हत्या का प्रयास किया गया, जिसका अभी तक जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

ब्रीफ न्यूज

राहगीर योजना के लिए कलेक्टर ने नोडल अधिकारी किए नियुक्त

मुरैना। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 162 के प्रावधानों अनुसार पीड़ित को दुर्घटना दिनांक से अधिकतम 07 दिवसों तक प्रति पीड़ित राशि 1.5 लाख तक के नगदी रहित उपचार किए जाने का उल्लेख किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर अंकित अस्थाना ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुरैना सुरेन्द्रपाल सिंह डाबर को सड़क सुरक्षा समिति में शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार हिट एंड रन/गुड समेरेटिन एवं राहगीर योजना के समुचित क्रियान्वयन के लिए पदेन अपर कलेक्टर मुरैना सी.बी. प्रसाद को नोडल अधिकारी एवं पदेन क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मुरैना श्रीमती अर्चना परिहार को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। सड़क सुरक्षा समिति की समय-समय पर बैठक आयोजित किए जाने हेतु कलेक्टर ने निर्देशित किया है। इसके लिए जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सुनील त्यागी को डाटा फीडिंग एवं बेब साईड पर मोटरयान अधिनियम के निर्देशों को फीड किए करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचायें: सीईओ

मुरैना। परिषद की स्थापना दिवस के अवसर पर 4 जुलाई 2025 को स्वैच्छिकता पर्व का आयोजन संगम आजीविका सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र के सभाकक्ष में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश भार्गव उपस्थित रहे। मौके पर प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर सुनील दीक्षित, मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता मनोज वर्मा और जिला समन्वयक सतीश सिंह तोमर उपस्थित थे। जिला समन्वयक सतीश सिंह तोमर द्वारा परिषद की स्थापना काल से लेकर वर्तमान समय तक की उपलब्धियां एवं किए गए कार्यों का प्रतिवेदन पीपीटी के माध्यम से रखते हुए परिषद की योजना व उद्देश्यों के विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। तत्पश्चात परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर का वीडियो संदेश सभी प्रतिभागियों को दिखाया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव द्वारा परिषद के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ग्राम स्तर पर शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति को मिले।

शासकीय महाविद्यालय कैलारस में "दीक्षारंभ कार्यक्रम" संपन्न

सत्ता सुधार ■ कैलारस

शासकीय महाविद्यालय कैलारस में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार मिश्रा ने अध्यक्षता करते हुए विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व एवं महाविद्यालयीन जीवन के मूल्यों से अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. मिश्रा ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में छात्रों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, समय के सदुपयोग तथा उपलब्ध संसाधनों के उचित उपयोग के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि महाविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का केंद्र है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली, पुस्तकालय, छात्रवृत्तियाँ, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), रेड रिबन क्लब, कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ तथा अन्य गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता दिखाई और अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन क्रीड़ा अधिकारी (स्पोर्ट्स ऑफिसर) सुदीप कुमार यादव द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ किया गया। इस अवसर पर नवप्रवेशित छात्र छात्राओं के अलावा शासकीय महाविद्यालय कैलारस से प्राचार्य डॉ संतोष कुमार मिश्रा, सुदीप कुमार यादव,, डॉ शिवचरण, डॉ राजीव शर्मा, डॉ प्रवीण कुमार लिटोरिया, डॉ प्रशांत चतुर्वेदी, डॉ रामेंद्र सिंह परमार, डॉ देवेंद्र जाटव, डॉ ममता सोनी, डॉ नीतू सिंह, दर्शन गिरी गोस्वामी, सुश्री प्रियंका साहू, श्रीमती रुचि गुप्ता, श्रीमती शिल्पी अग्रवाल, टैलेंद्र सिंह निगम, नीरज सिंह तोमर, आशु शुक्ला, अमित शर्मा, यशवंत राठौर, श्रीमती प्रीति धाकड़ आदि उपस्थित थे।

अश्लील गालियां देकर मारपीट करने वाले आरोपी को एक वर्ष का सश्रम कारावास

मुरैना। न्यायालय अमित प्रताप सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जिला मुरैना द्वारा आरोपी रविन्द्र राठौर पुत्र मवासी राठौर उम्र 27 वर्ष निवासी राठौर कॉलौनी मुरैना को फरियादी की मारपीट कर अस्थिभंग करने के आरोप में सिद्ध पाते हुए धारा 325 भा.द.वि. के अंतर्गत एक वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मीडिया सेल प्रभारी (अभियोजन) श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि घटना 4 मई 2017 को समय लगभग 11 बजे फरियादी शिवराज गल्ला मण्डी में मैच खेल रहा था। वहां पर दीपा और रविन्द्र भी खेल रहे थे। वह कीपिंग कर रहा था और कीपिंग करने में उसके हाथ से कैच छूट गया। इसी बात पर रविन्द्र उसे मां–बहन की गंदी-गंदी गालियां देने लगा। जब उसने पूछा कि गालियां क्यों दे रहे हो, खेल में कैच तो छूट ही जाता है, तब रविन्द्र ने उसके बांये गाल पर थाप मारी तथा उसके बांये हाथ पर बल्ला भी मारा, जिससे वह गिर पड़ा। तभी वहां सोनू राठौर व दीपू राठौर आ गए, जिन्होंने बीच–बचाव किया व शिवराज को घर पर छोड़ने गए। फरियादी शिवराज ने अगले दिन थाना सिटी कोतवाली मुरैना में शिकायत दर्ज कराई जिसके आधार पर 5 मई 2017 को अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जिला मुरैना अमित प्रताप सिंह के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। अभियोजन के द्वारा क्रमबद्ध तरीके से साक्ष्य को पेश किया गया। न्यायालय द्वारा अभियोजन के साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होकर आरोपी को दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्रीमती बबीता गुप्ता सहायक जिला अभियोजन अधिकारी' जिला मुरैना द्वारा की गई।

चाचा को गोली मारकर घायल करने वाला भतीजा हथियार सहित पकड़ा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के माता बसैया थाना अंतर्गत बिचोली गांव के पास बुधवार की सुबह अपने पिता के खून का बदला लेने के लिए दो भतीजे ने अपने साथियों के साथ चाचा को गोली मार कर घायल कर दिया। पुलिस द्वारा इस मामले में मुख्य आरोपी राहुल प्रजापति को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास मामले में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया है और आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

थाना प्रभारी माताबसैया जयपाल सिंह को गुरुवार को सूचना मिली कि अपराध क्रमांक 99/25 में शामिल एक आरोपी राहुल प्रजापति नहर की पुलिया से बरेथा की तरफ आ रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम ने घटना के 24 घंटे के भीतर उक्त आरोपी को ग्राम बरेथा कुआरी नदी के पुल से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल, अवैध हथियार 315 बोर का कट्टा मय खाली खोखा जब्त किया गया एवं गिरफ्तारशुदा आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल किया गया। प्रकरण में फरार चल रहे शेष एक आरोपी की गिरफ्तारी हेतु भी प्रयास जारी है।

उल्लेखनीय है कि एक वर्ष पूर्व रामनिवास पुत्र समोखान प्रजापति उम्र 50 जखोना घड़ी थाना दिमनी के द्वारा घरेलू विवाद के चलते अपने खास बड़े भाई राजेंद्र प्रजापति को लाठी मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। इस मामले में रामनिवास पर हत्या का मामला दर्ज हुआ था। रामनिवास न्यायालय में तारीख के चलते यहां आया हुआ था। रामनिवास अपने पुत्र धर्मेंद्र के साथ माता बसैया थाना अंतर्गत आने वाले ज्वाला सिंह का पूरा गांव में रिश्तेदारी में गया हुआ था और वहां से बुधवार की सुबह 10 बजे ई-रिक्शा में बैठकर मुरैना जिला न्यायालय तारीख करने के लिए जा रहा था, जैसे ही उनका ई-रिक्शा बिचोली गांव के पास पहुंचा, तभी मृतक बड़े भाई के लड़के राहुल प्रजापति एवं भूपेंद्र गुर्जर ने कुछ अन्य साथियों के साथ उन्हें घेर कर अवैध हथियार से गोली चला दी, जो रामनिवास के कंधे को छूकर निकल गई और वह घायल हो गया।

आईवीएफ के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

मुरैना। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गोयल के निर्देश पर आईवीएफ के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन जिला अस्पताल मुरैना के ब्लड बैंक में किया गया। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान महादान है, इससे बढ़कर कोई बड़ा दान नहीं, रक्तदान करने वाले की सेहत पर भी कोई बुरा असर नहीं होता, बल्कि रक्तदान करने से शारीरिक तौर पर लाभ ही होता है। रक्तदान से मिले रक्त से किसी की जिन्दगी को बचाया जा सकता है। स्थापना दिवस के अवसर पर ही जिला अध्यक्ष आकाश चांदिल का जन्मदिन भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिविर में आईवीएफ के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें रविकांत गोयल, मनोज जैन, कुम्हेर चंद, आनंद गुप्ता, एड राजेश गुप्ता, अजय महेश्वरी, दिनेश गोयल, राजेश राठौर, आयुष अग्रवाल, अमन सक्सेना, हेमा अग्रवाल, अमित बंसल, नीरु मित्तल, विजेंद्र गुप्ता, राजू अग्रवाल, विष्णु बंसल, गिरीश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

मुरैना शहरी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 36, 40, 41, 27 में भ्रमण कर मलेरिया के लार्वा को नष्ट करने की जानकारी दी

सत्ता सुधार ■ मुरैना

राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को मुरैना शहरी क्षेत्र के वार्ड नंबर 36 संजय कॉलोनी, न्यू हाउसिंग वार्ड 46, गोपालपुरा वार्ड 40, आमपुरा वार्ड 41 एवं रामनगर वार्ड 27 में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुरैना शहरी क्षेंत्रो के वार्डो में कुल 579 घरां का सर्वे किया गया। जिसमें से 31 घरों में लार्वा मिला। कुल 1428 कंटेनर चेक किये, जिसमें से 38 कंटेनरो में लार्वा मिला। उन सभी कंटेनरो को खाली एवं बी.टी.आई. 5 प्रतिशत ए.एस, टेमीफोस 2 प्रतिशत का छिड़काव किया गया। मलेरिया, डेंगू व चिकुनगुनिया की रोकथाम के लिए मलेरिया की जांच लार्वा सर्वे एवं लार्वा विनिष्टीकरण का कार्य, वार्डो में निवास कर रहे जनसमुदाय को समझाईश दी गई कि जहां भी पानी के गड्डे हों, उनमें मिट्टी डालकर उन गड्डों का भराव किया जाये। घरों में उपयोग किये जा रहे टंकी, फ्रीज के पीछे लगे टप, कूलरों के पानी को प्रत्येक 07 दिवस में पानी को निकालकर साफ पानी भरा जाये, जिससे उनमें लार्वा पैदा न हो सके।

पांच बदमाशों ने दुकान में घुसकर फोटोग्राफर को पीटा, एक लाख का कैमरा 10000 नगदी लूट ले गए

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के जौरा नगर मे चंद्रशेखर आजाद रोड पर रॉयल फोटो स्टूडियो के नाम से संचालित एक दुकान फोटो खिंचवाने के नाम पर घुस आए और दुकान संचालक की मारपीट कर 100000 रूपए कीमत का कैमरा तथा नगदी 10000 रूपए लूट कर ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी जितेंद्र कुशवाह पुत्र मुंशी कुशवाह की चंद्रशेखर आजाद रोड पर फोटो स्टूडियो की दुकान है। 4 जुलाई को दोपहर में पांच लोग ग्राहक बनकर दुकान पर आए और जितेंद्र कुशवाह से बोले हमें फोटो खिंचवाने हैं। दुकानदार जितेंद्र कुशवाह ने कहा कि मेरे पास ग्राहक है, थोड़ी देर में आपका फोटो खींचता हूं। लगभग 10 मिनट बाद अन्य ग्राहकों से फ्री होने के बाद जितेंद्र कुशवाह ने उक्त लोगों को फोटो खिंचवाने के लिए अंदर कमरे में बुला लिया। चार लोग अंदर आ गए एक युवक बाहर खड़ा रहा। अंदर आए चारों लोगों ने अचानक फोटोग्राफर दुकानदार जितेंद्र कुशवाह की मारपीट कर दी। जितेंद्र की जमकर मारपीट करने के बाद उक्त चारों लोग लगभग 1 लाख रुपए का कैमरा एवं 10000 रूपए के करीब दुकान में से उठाकर ले गए। इसी आशय का आवेदन जितेंद्र कुशवाह ने जौरा थाने में दिया है। पुलिस ने घायल जितेंद्र का मेडिकल भी कराया है, उसके हाथ में सिर में चेहरे पर चोट भी आई है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना" के तहत मुरैना जिले के 4214 छात्रों को मिली 25-25 हजार रूपये लैपटॉप की राशि

विद्यार्थी पढ़ लिखकर मुरैना का नाम रोशन करें ,यही मेरी मंशा: सांसद

सत्ता सुधार ■ मुरैना

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कुशाभाउ ठाकरे अंतराष्ट्रीय सभागार भोपाल से आज प्रदेश के 94 हजार बच्चों को लैपटॉप की राशि 25-25 हजार के मान से सिंगल क्लिक से हस्तांतरित की है। जिसमें मुरैना जिले के 4 हजार 214 छात्रों को भी यह राशि प्राप्त हुई है। मुरैना में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 में आयोजित हुए कार्यक्रम में मुरैना श्योपुर के सांसद शिव मंगल सिंह तोमर ने कहा कि विद्यार्थी खूब पढ़ें-खूब बढ़ें, मुरैना का नाम रोशन करें यही मेरी मंशा है। उन्होंने मेधावी छात्रों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर कलेक्टर अंकित अस्थाना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, जिला शिक्षाधिकारी सुधीर सक्सेना, डीपीसी हरीश तिवारी सहित 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 10वीं एवं 12वीं के छात्र एवं विद्यालय के प्राचार्य सहित शिक्षक उपस्थित थे।

सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि हम सबके लिये आज का दिन बड़ा ही गौरवशाली है कि मुख्यमंत्री द्वारा मुरैना जिले के 4214 छात्रों को 25-25 हजार रूपये लैपटॉप क्रय करने हेतु राशि हस्तांतरित की है। मुरैना जिले के 16 छात्रों ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है। जिनमें से 2 छात्रों को मुख्यमंत्री के हाथों से भोपाल में शुक्रवार को सम्मानित किया गया है। यह मुरैना के लिए बड़े ही गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ छात्र अपने जीवन में शारीरिक क्षमता को भी बढ़ाये। कार्यक्रम का संचालन डॉ राकेश कुमार शर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों को सांसद व कलेक्टर ने पुष्प गुच्छ, शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले अभी तक लापता

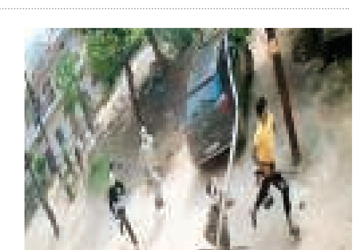

मुरैना। सिविल लाइन थाना अंतर्गत कॉलोनी में गुरुवार की दोपहर आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फै ला दी और लाठियां लेकर भागने लगे। बदमाशों के लाठी लेकर भागे जाने का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन दूसरे दिन तक कोई भी फरियादी पुलिस थाने नहीं पहुंचा है। पुलिस द्वारा अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। बताया जाता है कि गुरुवार की दोपहर को आधा दर्जन से अधिक बदमाश मुंह बांधकर हाथों में लाठियां एवं अवैध राइफल लेकर बिस्मिल मूर्ति एवं पार्क के बीच दहशत फै लाने के इरादे से वहां पहुंचे और कई राउंड फायर किए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया और लोग घरों के अंदर घुस गए। फायरिंग के बाद बदमाश हाथों में लाठियां लेकर भाग निकले। बताया जाता है कि वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में बदमाशों के भागने के फुटेज सामने आए हैं। घटना की सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन कोई भी बदमाश हाथ नहीं लगा। थाना प्रभारी के अनुसार शुक्रवार की शाम तक कोई भी फरियादी थाने नहीं आया है, जिससे आगे की कार्रवाई की जा सके।

ब्रीफ न्यूज

प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग ने भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओ से की भेंट

हरदा। जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विश्वास सारंग का आगमन हुआ वे सरकार द्वारा चलाये जा रही योजना अंतर्गत प्रतिभावान, मेधावी छात्रों के अभिनंदन हेतु पधारे थे। उन्होंने एक शासकीय कार्यक्रम में भाग लेकर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया तथा लैपटॉप वितरित किए। मीडिया प्रभारी दीपक नेमा ने बताया कि प्रदेश में 96,400 लैपटॉप मेधावी विद्यार्थियों को वितरण किया जाना है, उसी श्रृंखला में हरदा में भी मंत्री ने मेधावी छात्रों को मार्गदर्शित किया एवं लैपटॉप वितरित किए। तत्पश्चात वे भाजपा कार्यालय में पधारे एवं कार्यकताओं जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता एवं मातृ शक्ति ने उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा, पूर्व विधायक टिमरनी संजय शाह, जिपांध्यक्ष गजेन्द्र शाह, दर्शन सिंह गहलोत,नपाध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेडिया,देवीसिंह सांखला सहित सभी ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय के नामकरण हेतु ज्ञापन

हरदा। जिले के प्रवास पर आये सहकारिता, खेल, युवा कल्याण विभाग तथा हरदा जिला प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग को टिमरनी विकासखंडातर्गत ग्राम छिदगांव मेल में शासकीय महाविद्यालय टिमरनी के नामकरण के संबंध में मोहित सोलंकी पूर्व छात्र द्वारा एक ज्ञापन दिया गया। जिसमें बताया कि टिमरनी में एकमात्र शासकीय महाविद्यालय जो कि भव्य स्वरूप तथा आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण है।विगत अनेक वर्षो से छात्र संगठन अपनी मांग करते आ रहे है कि महाविद्यालय का नामकरण किया जाये। लेकिन महाविद्यालय के नामकरण की कार्यवाही नहीं हो पा रही है।वर्तमान में नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो रहा है, हम शासन से मांग करते है कि शीघ्र ही शासकीय महाविद्यालय का नामकरण की कार्यवाही पूर्ण की जाये। सनद रहे कि शिवराज सरकार में महाविद्यालय का नाम श्रद्धेय भाऊसाहब भुस्कुटे महाविद्यालय था, किंतु छ~ माह बाद जब कांग्रेस सरकार 16 माह सत्ता में आई तो नाम को बदलकर पुन~ शासकीय महाविद्यालय टिमरनी किया गया। जो प्रश्नचिन्ह लग गया।

प्रभारी मंत्री ने गंजालेश्वर महादेव मंदिर में किया पूजन

हरदा। प्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग ने जिले के प्रवास के दौरान छिदगांव मेल-पिपल्या कलॉ स्थित प्राचीन श्री गंजालेश्वर महादेव मंदिर में पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रांगण में पौधरोपण कर हरियाली संवर्धन का संकल्प भी दिलवाया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कमल पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

खाद को लेकर अन्य स्थानों पर परेशान हो रहे किसान

खाद से ज्यादा अन्य सामग्रियों की कीमत

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में यूरिया डी.ए.पी. के साथ अन्य सामानों को जबरन खरीदने पर किसानों को मजबूर किया जा रहा है। खाद से ज्यादा अन्य सामानों को खरीदना पड़ रहा है। अन्य सामानों को खरीदे बिना यूरिया, डी.ए.पी. खाद नहीं दी जा रही है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महा संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास खोरे का कहना है कि प्राइवेट कंपनियों की सामग्रियों को बिकवाने का जो हथकंडा अपनाया गया है। उससे किसान परेशान हैं। बजट नहीं होने पर कर्ज लेकर प्राइवेट कंपनियों की सामग्रियों को खरीदना पड़ रहा है। यूरिया डी.ए.पी. के साथ सामान खरीदना अनिवार्य करने से किसानों की परेशानी काफी बढ़ गई है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने कृषि विभाग के इस निर्णय का विरोध करते हुए खाद के साथ अन्य सामग्रियों की खरीदी पर रोक लगाते हुए उसे स्वेच्छिक करने की मांग की है।

खाद से ज्यादा अन्य सामग्रियों का किराया: 25 टन की खाद एक ट्रक में आती है। जिसका किराया 1 लाख 51हजार रुपये होता है। खाद से ज्यादा 1लाख 70 हजार रुपये किराया अन्य सामग्रियों का है। खाद से ज्यादा अन्य सामग्रियों का किराया होने के कारण किसानों को जबरन थोपा जा रहा है न चाहने पर भी सामग्री दे दी जाती है। इससे किसान परेशान है।

शासन की नीति किसानों की समझ के परे: खाद के साथ जबरदस्ती अन्य सामग्रियों की बिक्री की शासन की नीति समझ के परे है। जिन किसानों के पास पैसा नहीं होता तो खाद लेने के चक्कर में कर्ज लेकर अन्य सामग्रियों की खरीदी करते हैं। कृषि विभाग के अधिकारी और अन्य जवाबदेह अधिकारी शासन के आदेश और व्यवस्था का हवाला देते हुए बिक्री कर रहे हैं। इसका प्रदेश काफी विरोध करने की राजनीति राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने तय कर ली है। समय रहते अन्य सामग्रियों की खरीदी की अनिवार्यता खत्म नहीं की गई तो किसान संघ संगठित होकर इसका विरोध करना शुरू कर देंगे।

प्राइवेट कंपनियों से सांठगांठ : प्राइवेट कंपनियों से सांठगांठ के कारण ऐसा जबरदस्ती किया जा रहा है। इसकी जांच पड़ताल कराकर कार्यवाही की जानी चाहिए, अन्यथा किसान विरोध करने के साथ-साथ सरकार की किसान विरोधी नीति नियति की पोल खोलेंगे। किसान हितैषी होने का दंभ भरने वाली सरकार ने जबरदस्ती प्राइवेट कंपनियों की सामग्रियों को बिकवाया जा रहा है। न चाहने पर या आवश्यकता नहीं होने पर भी जबरदस्ती दिया जा रहा है। न लेने पर खाद नहीं दी जाती है। इस मामले पर गंभीरता पूर्वक विचार-विमर्श करके समय रहते उचित निर्णय नहीं लिया गया तो राष्ट्रीय किसान मजदूर महा संघ के बैनर तले आंदोलन शुरू हो जायेगा। जिसकी सारी जवाबदारी संबंधित अधिकारी की होगी।

स्वेच्छा से खरीदने की अनुमति दी जाय : दुबे

सुनिल दुबे का कहना है कि किसानों को खाद के साथ अन्य सामग्रियों की खरीदी स्वेच्छा से करने की अनुमति दी जाये। अन्य सामग्रियों की कीमत खाद से कहीं अधिक होती है। पोने तीन सौ की खाद पर 4 से 5 सौ रुपये की अन्य सामग्रियां जबरदस्ती दे दी जाती है जो काफी महंगा पड़ रहा है। न चाहते हुए भी सामग्रियां खरीदनी पड़ रही है। इससे किसान परेशान है। अन्य सामग्रियां खरीदना अनिवार्य होने के कारण अधिकांश गरीब किसान सोसायिटी से खाद खरीदना पसंद नहीं कर रहे हैं। बाजार से महंगे दाम पर यूरिया डी.ए.पी. खरीदने को मजबूर है।

क्या कहते जबाबदार -

खाद के साथ अन्य सामग्रियां कहीं भी नहीं बेची जा रही है । ऐसी कहीं कोई स्थिति निर्मित होती है तो जांच पड़ताल कराकर कार्रवाई की जाएगी।

-सिद्धार्थ जैन, जिला कलेक्टर, हरदा।

इनकी भी सुने...

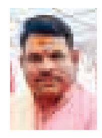

● खाद के साथ में अन्य समग्रियों को खरीदने पर दबाव बनाना गलत है अभी किसान परेशान है । प्राकृतिक आपदा का सामना करने से किसानों की आर्थिक स्थिति एवं डावाडोल है ऐसी स्थिति में किसानों को जबरन परेशान किया जाना न्याय संगत नहीं है। वाह वाही लूटने के लिए सरकार दिखावा कर रही है ।

-राजेश योगी नाथ, महाराज पूर्व नगराध्यक्ष युवक कांग्रेस, टिमरनी।

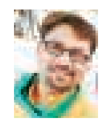

● खाद के साथ अन्य सामग्रीयो को जबरन देकर किसानों के साथ धोखाधड़ी की जा रही है। इसका विरोध किया जाना चाहिए और अन्य सामग्रियों की खरीदी पर अनिवार्यता खत्म कर दिया जाना चाहिए। स्वेच्छा से अन्य सामग्रियों को खरीदने की व्यवस्था होनी चाहिए।

-शैलेंद्र वर्मा, किसान नेता, छिरपुरा ।

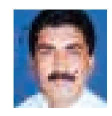

● खाद के साथ अन्य सामग्री देना गलत है किसान खाद के लिए जहां एक और लाइन लगा रहे हैं वहीं दूसरी और अन्य सामग्री देकर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है जिससे किसानों की स्थिति खराब हो गई है ।

-ओम पटेल, जिलाध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी, हरदा।

● खाद के साथ अन्य सामग्री देकर किसानों को ब्लैकमेल किया जा रहा है । किसानों की पहले से आर्थिक स्थिति खराब है । खाद के साथ अन्य सामग्री देकर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालकर परेशान किया जा रहा है,जो अनुचित है।

- ओम मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि, नगर परिषद

● किसानों को खाद के साथ अन्य सामग्री देकर ब्लैकमेल किया जा रहा है। मजबूरी का फायदा उठाते हुए कंपनियों से सांठगांठ कर कमीशन खोरी की जा रही है। इसमें बड़े लेवल पर भ्रष्टाचार हो रहा है । किसानो की आय दोगुनी करने की बजाय अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल कर उन्हें आर्थिक संकट में डाला जा रहा है जो बेहद चिंताजनक और विचारणीय है ।

-गंगाराम गुर्जर, विधायक प्रतिनिधि, कृषि उपज मंडी ।

जल संरक्षण में जनसहभागिता का नया उदाहरण : विधायक निवास पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया

सत्ता सुधार ■ खंडवा

जल ही जीवन है, जल है तो कल है इस अमूल्य संदेश को आत्मसात करते हुए खंडवा की विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तनवे ने शुक्रवार को अपने निजी निवास पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित कर जनसामान्य को जल संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश दिया। यह कार्य न केवल एक प्रतीकात्मक पहल है, बल्कि जल संरक्षण आंदोलन में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी का बेहतरीन उदाहरण भी है। इस अवसर पर विधायक कंचन तनवे ने जनता से अपील की कि वे अपने घरों में भी रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अवश्य लगवाएं। उन्होंने कहा पानी को व्यर्थ ना बहने दें। अपने घर की छतों का वर्षा जल संरक्षित करें। यह हमारी पीढ़ियों के भविष्य और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। जल संरक्षण न केवल हमारी ज़िम्मेदारी है, बल्कि यह आज के युग की सबसे बड़ी ज़रूरत भी है।

उन्होंने बताया कि जल संरक्षण हेतु घर के आंगन में गड्ढा बनाकर वर्षा जल को धरती में समाहित किया जा सकता है, जिससे भूजल स्तर भी संतुलित रहता है और हरियाली बनी रहती है।

अभियान में जिला बना अग्रणी: इस अवसर पर समाजसेवी एवं प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा 'जल संरक्षण सर्वर्धन योजना' के तहत व्यापक 'पानी बचाओ अभियान' चलाया जा रहा है। यह अभियान केवल सरकार का नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक की सामूहिक भागीदारी से सफल हो रहा है।

उन्होंने गर्वपूर्वक बताया कि खंडवा जिले ने इस अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन, नगरीय निकायों, जनप्रतिनिधियों और आम जनता के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। सुनील जैन ने जनता से आग्रह किया कि वे इस मुहिम में भागीदार बनें और अपने-अपने घरों में जल संरक्षण उपाय अपनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाएं।

मेधावी बच्चों को मिला लैपटॉप का पैसा, सरकार ने खाते में भेजी रकम

सत्ता सुधार ■ खंडवा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भोपाल में हुए कार्यक्रम में हायर सेकेंडरी परीक्षा 2024-25 के उन बच्चों को 25,000 की राशि ऑनलाइन ट्रांसफर की, जिन्होंने 75% या उससे ज्यादा अंक हासिल किए थे। मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश के 94,234 बच्चों को एक साथ यह पैसा उनके खाते में भेजा गया। इस मौके पर भोपाल में शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह भी मौजूद थे।

खंडवा में भी हुआ कार्यक्रम: खंडवा में यह कार्यक्रम मोतीलाल नेहरू स्कूल में हुआ। इसमें खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे, महापौर अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े, भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, नगर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा और अन्य लोग शामिल हुए।

महापौर और अन्य नेताओं की बात: महापौर अमृता यादव ने बच्चों को बधाई दी और कहा कि सरकार किताबें, यूनिफॉर्म, खाना, स्कूटी और लैपटॉप जैसी चीजें मुफ्त दे रही है। अब मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में भी हो रही है और हिंदी मीडियम के बच्चे भी टॉप कर रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष तोमर ने बताया कि मुख्यमंत्री ने बच्चों की पढ़ाई को लेकर कई योजनाएं शुरू की हैं, जैसे कि सांदीपनि स्कूल।

इन बच्चों को मिला सांकेतिक चेक: कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी पी.एस. सोलंकी ने योजना के बारे में जानकारी दी। कुछ बच्चों को मंच पर चेक दिए गए, जिनमें शामिल थे। श्याम पिता मोहन निहाल, आयुष पिता नन्हेलाल, नव्या पिता मनोज सिंगला, करण पिता कांतीलाल राठौर, युवराज सिसोदिया, मुस्कान पिता रामलाल गुप्ता, मोहम्मद पिता असलम खान, ताहिर पिता जमिल खान, हमजा पिता अब्दुल समद, उम्मेनूर पिता रहमत, महक पिता राजेन्द्र सेजेकर, प्रिया पिता रामपाल, नूरसबा पिता बशीर कुरैशी, शीतल पिता भूपेन्द्र चौरे, महक पिता दिलीप रेवतानी कार्यक्रम का संचालन संदीप जोशी ने किया।

विधायक ने क्या कहा

कंचन तनवे ने कहा कि सरकार बच्चों की पढ़ाई को लेकर गंभीर है और पढ़ाई के लिए जो भी मदद चाहिए, वो दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बच्चे सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दें, बाकी चिंता सरकार की है।

जब नवजात का जीवन बचा, स्वास्थ्य दल की सजगता और संवेदनशीलता से

सत्ता सुधार ■ दमोह

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अठया ने बताया कि ''जहां चाह, वहां राह'' जैसा वाक्या बीते दिवस विकासखंड बटियागढ़ में देखने को मिला। बटियागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 26 जून को जन्में कमजोर जुड़वॉ नवजात शिशुओं की नाजुक स्थिति के चलते उन्हें तेजी से स्वास्थ्य लाभ के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। लेकिन उपचार के एक दिन बाद ही परिजन अस्पताल से नवजात शिशुओं को वापस घर ले गए। ग्राम की आशा कार्यकर्ता को जब इस बात का पता चला, तो अगले दिन ही नवजात शिशुओं के घर पहुँची। उन्होंने शिशुओं का अत्यंत कम वजन 1500 ग्राम, धीमी श्वांस एवं स्तनपान में अरूचि, पीला चेहरा और शिशु का सुस्तपन जैसी जोखिम पूर्ण स्थिति देखकर ब्लॉक मेडिकल ऑफीसर को इस संबंध में बताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिना समय गंवायें ब्लॉक स्तरीय दल बच्चों के घर पहुँचा और आवश्यक उपचार सेवा प्रदान की। शिशु की नाजुक स्वास्थ्य स्थिति के कारण जिला अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी, लेकिन परिवारिक कारणों से परिजनों ने इंकार कर दिया। स्वास्थ्य दल ने शिशु की सेहत को लेकर बेहद संवेदनशीलता दिखाई। अगले ही दिन एक बार फिर से स्थानीय सरपंच, सचिव को लेकर बच्चों के परिजनों से मिले और शिशु की जीवन रक्षा के लिए जिला अस्पताल भेजने की समझाईश दी। परिजनों की सहमति से जिला अस्पताल भेजा गया, जहॉ उनका उपचार चल रहा है और स्थिति में सुधार हो रहा है। इस सफलता में बटियागढ़ की स्वास्थ्य टीम, आशा कार्यकर्ता, अंतरा फाउण्डेशन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके समन्वय और सहयोग से शिशु की जान बचाई जा सकी।

न्यायालय में मीडियेशन फॉर द नेशन अभियान

30 सितंबर तक चलेगा अभियान

छतरपुर। शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अथवा ए.डी.आर भवन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय के समस्त न्यायाधीशगण एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण के साथ बैठक आयोजित की गई जिसमें बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मेन मीडियेशन मॉनीटरिंग कमेटी, नई दिल्ली के तत्वावधान में 90 दिवसीय मीडियेशन फॉर दी नेशन (राष्ट्र के लिए मध्यस्थता) अभियान अंतर्गत जिला एवं समस्त तहसील न्यायालयों द्वारा मीडियेशन अभियान के दौरान मीडियेशन प्रकिया के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों को रेफर किया जाकर अधिक से अधिक मामलों का निराकरण हेतु अभियान है जिसमें उक्त अभियान जुलाई माह से आरंभ होकर 30 सितम्बर तक चलाया जाएगा।

मीडियेशन राष्ट्रव्यापी अभियान में मीडियेशन योजना के माध्यम से वैवाहिक प्रकृति, मोटर दुर्घटना, घरेलू हिंसा, चौक वाउन्स, वाणिज्यिक विवाद, सर्विस मेटर, कन्ज्यूमर विवाद, पार्टीसन, लेण्ड एक्यूजीशन, एविक्शन सूट, आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरण अन्य सिविल प्रकृति के राजीनामा योग्य मामले निराकृत किए जाएंगे। उक्त आशय का संदेश प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा समस्त तहसील न्यायालयों को व्ही.सी. के माध्यम से दिया साथ ही उक्त अभियान को सफल बनाने के लिए समस्त न्यायिक अधिकारी, कर्मचारीगण एवं समस्त स्टेक होल्डर से अपील की।

सामग्री सहीत चोरो को किया गिरफ्तार

हरदा। ए.एस.पी. आर.डी. प्रजापति तथा एस.डी.ओ.पी. हरदा श्रीमती अर्चना शर्मा के नेतृत्व मे अनेक जिलों के चोरो को गिरफ्तार करने में हरदा पुलिस ने सराहनीय कार्य किया है। 17 जून सुबह 10 बजे फरियादी गोविन्द राम पिता परसराम सुन्दरदास तलरेजा उम्र 63 साल निवासी बडी सिंधी कालोनी स्थित दुकान नबंर 08 पवन किराना स्टोर पर दो अज्ञात व्यक्ति ग्राहक के रुप में आये और राजश्री, विमल गुटखा एवं सिगरेट और भी अन्य सामान लिखवाया और एक खाली बोरी सब्जी लेने का बोलकर खरीदकर ले गये।

फरियादी दुकानदार ने सामान निकाल कर दुकान के बाहर रख दिया करीबन 15 मिनट बाद फिर वह लोग वापस दुकान पर आये और सामान को बोरी में जमाने लगे। फिर और सामान कि लिस्ट बनवाई जो दुकान में नहीं था जिसे लेने के लिये फरियादी बाजार गया। फरियादी ने बाजार से आकर देखा तब तक दोनों व्यक्ति दिये गये सामान मे से राजश्री गुटखा व विमल गुटखा के 45 पैकेट और सिगरेट के 80 पैकेट कीमती करीबन 18-20 हजार रुपये का सामान बिना पैसे दिये चोरी कर ले गये। फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। कोतवाली थाना प्रभारी प्रहलाद मर्सकोले ने बताया कि घटना का तरीका भी था बेहद शातिर था, आरोपियों ने दुकानदार को विश्वास में लेकर भारी मात्रा में किराने का सामान लेने की बात कही और धीरे-धीरे दुकानदार को व्यस्त करते हुए गुटखा, सिगरेट जैसे कीमती सामान चुपचाप बोरी में भरकर फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज से दोनों के हुलिए और मोटरसाइकिल की पहचान की गई। बाद में इंड्रस्टीज एरिया हरदा से दोनों को हिरासत में लिया गया। इससे पहले खातेगांव नसरुल्लागंज चिचोली आदि जगह वारदात को अंजाम दे चुके थे।

स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया

संस्कृति मंत्री लोधी शिक्षक नन्हे सिंह ठाकुर के विदाई समारोह में हुए शामिल

सत्ता सुधार ■ दमोह

प्रदेश की संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी शिक्षा विभाग के सहायक संचालक नन्हें सिंह ठाकुर के बिदाई समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्री ठाकुर को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दीं।

रानी अवंतीबाई लोधी परिसर नोहटा में आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा नन्हें सिंह शिक्षक के साथ अच्छे समाजसेवी भी है और निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे-अच्छे कार्य किए हैं। मुझे हमेशा उनका मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है। कार्यक्रम में श्री भाव सिंह लोधी, अनुपमा लोधी पूर्व डायरेक्टर केंद्रीय भंडार निगम भारत सरकार सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों की उपस्थिति रही।

जिले के 652 विद्यार्थियों के खाते में लेपटॉप की राशि अंतरित: मंत्री सारंग

सत्ता सुधार ■ हरदा

सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि विद्यार्थी समाज एवं राष्ट्र के पुनुर्त्थान के लिये अध्ययन करें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में अनेक विकास कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि यह बड़ी प्रसन्नता की बात है कि आज प्रदेश के 94,234 बच्चों के खाते में लगभग 235 करोड़ रुपये की राशि लेपटॉप के लिये जमा की जा रही है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लेपटॉप प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। यह हमारी बेहतर शिक्षा और व्यवस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर मध्यप्रदेश को स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाना है। मंत्री श्री सारंग शुक्रवार को हरदा जिले के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय लेपटॉप वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। हरदा जिले के 652 विद्यार्थियों के खाते में लेपटॉप की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के जरिये प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत विद्यार्थियों के खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से लेपटॉप की राशि अंतरित की। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने हरदा जिले के लेपटॉप की राशि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने विद्यार्थियों प्रोत्साहित करते हुए राशि से लेपटॉप की खरीदने को कहा। इस योजना से अन्य विद्यार्थी भी प्रोत्साहित होंगे।

कार्यक्रम में विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने, जिपांध्यक्ष गजेन्द्र शाह, उपाध्यक्ष दर्शन गेहलोत, नपाध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेड़िया, उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा, पूर्व मंत्री कमल पटेल, पूर्व विधायक संजय शाह, बाल अधिकार आयोग सदस्य अनुराग पाण्डे, कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय जिला शिक्षा अधिकारी डी.एस. रघुवंशी, जिला परियोजना समन्वयक बलवन्त पटेल सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि व विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री श्री सारंग ने विद्यार्थियों को किया सम्मानित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत लेपटॉप की राशि वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लेपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की। इस अवसर पर हरदा जिले के 652 विद्यार्थियों के खाते में राशि अंतरित की गई। प्रभारी मंत्री श्री सारंग ने जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रतीक स्वरूप जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थी दीपिका परते, तोशिफा शेख, तरन्नुम शेख, प्रिया प्रजापति, रिया प्रजापति, प्रमती चौहान, रानू बरखड़े, निकिता कौशल, मयंक बुंदेल, राहुल मालवीय व पीयूष मात्रे को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रतिभाशाली युवा, सकारात्मक सोच और टेक्नोलॉजी देश की प्रगति के वाहक हैं : सिंह

खुरई में विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत लैपटॉप वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया

सत्ता सुधार ■ खुरई (सागर)

प्रतिभाशाली युवा, सकारात्मक सोच और टेक्नोलॉजी ये तीन प्रतिभाएं देश की प्रगति के वाहक हैं। यह विचार युवा भाजपा नेता अविराज सिंह ने खुरई के सरदार पटेल ऑडिटोरियम में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 75 प्रतिशत से अधिक परीक्षा परिणाम अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय हेतु 25 हजार रुपए की राशि वितरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों को युवा भाजपा नेता श्री अविराज सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त विद्यार्थियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से लैपटॉप क्रय हेतु 25 हजार राशि प्रदान की है, इसके लिए मैं सभी प्रतिभाशाली युवा छात्र-छात्राओं को बधाई देता हूँ साथ ही हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री माननीय मोहन यादव का भी

अभिनंदन करता हूँ जिन्होंने प्रदेश के 94 हजार छात्रों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की है। उन्होंने कहा कि देश का आगे बढाने के लिए तीन प्रतिभाएं हैं प्रतिभाशाली आबादी, सकारात्मक सोच और टेक्नोलॉजी। आज टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने एआई आधारित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी के माध्यम से कैसे हम अपने काम को आसानी से कर सकते है इसका विवरण विद्यार्थियों को दिया। उन्होंने कहा कि चैटजीपीटी के माध्यम से हम कुछ भी पूछ सकते हैं अपनी दैनिक दिनचर्या का शेड्यूल बना सकते हैं। आज के समय में सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपने विचार पूरे विश्व में साझा कर सकते हैं।

युवा नेता अविराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से डिजिटल इंडिया का सपना साकार हो रहा है। आज हम यूपीआई पेमेंट में माध्यम से कुछ सेकंडों में पैसों का आदान प्रदान कर सकते हैं। टेक्नोलॉजी देश के सशक्त, मजबूत और शिक्षित युवाओं का निर्माण करेगी। भारत का वर्तमान और भविष्य युवा है, प्रतिभाशाली युवा ही कठिन परिश्रम, संघर्ष करके देश का आगे बढ़ाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए कई बार निराश भी होना पड़ता है। ऐसी परिस्थिति के लिए ही स्वामी विवेकानंद जी ने संदेश दिया है कि उठें,जागें, परिश्रम करें और तब तक न रूकें जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाये। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नन्हीं बाई अहिरवार, नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौधरी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष रविन्द्र राजपूत, बीआरसी राजेन्द्र सेंगर, बीओ आर.एस शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रवीण जैन, प्रिसंपल रविकांत असाटी, अजीत सिंह अजमानी, आकाश परिहार, इंद्रराज सिंह, जगदीश अहिरवार, विनोद राजहंस, इंद्रकुमार राय, विनोद राय, के.पी यादव, एचएन जिजोतियां, कपिल रैकवार, रितिक कुशवाहा सहित सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी व युवा शक्ति उपस्थित रहे।

नपा परिषद मकरोनिया क्षेत्र अंतर्गत

वार्ड 18 शबरी वार्ड में विकास कार्यों का भूमिपूजन सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ सागर

नगर पालिका परिषद मकरोनिया क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 18 शबरी में विभिन्न स्थान पर विकास कार्य 1.वार्ड क्रमांक 18 में प्रहलाद यादव जी के घर से तीन मढिया तक सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 8.90 लाख रुपए।

2.वार्ड क्रमांक 18 में ही सतीश पांडे जी के घर से मोहन यादव जी के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 6.77 लाख रुपए।3. विभिन्न स्थानों पर आरसीसी नाली निर्माण एवं रोड निर्माण कार्य लागत 17 लाख रुपए।कुल 32.67 लाख के विकास कार्यों का भूमि पूजन नरयावली विधायक इंजी श्री प्रदीप लारिया जी, नगर पालिका परिषद मकरोनिया अध्यक्ष मिहीलाल अहिरवार जी लोक निर्माण विभाग में सभापति बलबंत सिंह ठाकुर द्वारा सभी पार्षद गण की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शारदा खटीक जी नगर पालिका परिषद मकरोनिया के सभी पार्षद गण विवेक सक्सेना, नरेंद्र सिंह ठाकुर, जितेंद्र खटीक, निशांत आठिया, कमल चौधरी, हरलाल साहू, मधुकर जाटव, मुकेश यादव जी श्री गोकुल सिंह ठाकुर जी श्री बद्रीविशाल साहू, दारा उपाध्याय, छत्रपाल जाट, चंदू शुक्ला, भगवान दास मासाहब, अंकित श्रीवास्तव श्रीमति जयंती मौर्य श्रीमती वर्षा विश्वकर्मा जी श्रीमती उमा रजक श्रीमती राधा राठौर जी श्रीमति पूनम साहू श्रीमती शिक्षा विश्वकर्मा श्रीमती आरती ठाकुर श्रीमती रश्मि अहिरवार श्रीमती रेखा चौधरी श्रीमती रेखा वर्मा जी श्रीमती प्रियंका यादव मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन शर्मा नगर पालिका उपयंत्री सत्यम देवलिया श्रीमति वर्षा शनि जैन साहू वार्ड क्रमांक 18 शबरी वार्ड के बासी उपस्थित रहे।

दो वर्ष से छात्र कुंअर सिंह गौड़ छात्र वृत्ति के लिए परेशान

आधार कार्ड जन्मप्रमाण पत्र के अनुसार नहीं लिखी गई स्कूलों में अंकसूचियों पर जन्म तारीख

सत्ता सुधार ■ केसली (सागर)

विकासखंड केसली अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला महका पिपरिया में कुंअर सींग गौड़ ने कक्षा पहली में प्रवेश लेने हेतु सभी आवश्यक दस्तावेज दिये। दस्तावेजों में छात्र की जन्म तारीख सात दो दो हजार नौ स्पष्ट थी स्कूल प्राचार्य के द्वारा छात्र कुंअर सींग गौड़ पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण करता है तो उसको शास.प्राथ. शाला महका पिपरिया से मनगढ़ंत उसकी जन्म तारीख अंकसूची में बदलकर सात दो दो हजार नौ अंकसूची में कर दी जाती है। अब सोचिए कि विकासखंड केसली में

शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल प्राचार्य द्वारा की गई लापरवाही से छात्र लगभग दो वर्ष से छात्रवृत्ति के लिए परेशान हो रहा है कक्षा पाचवी से आठवीं दसवीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करता गया आगामी कक्षाओं में प्रवेश मिलता रहा पर जब उसको छात्रवृत्ति की जरूरत क्या पड़ी स्कूल प्रबंधन द्वारा की गई।जन्म तारीख में गलती अब उसको परेशानी बनी हुई अब छात्रवृत्ति के लिए कहा गया कि आधार कार्ड सुधार करवाईये तो छात्र कभी स्वास्थ्य केन्द्र केसली जन्म स्थल जाता है तो कभी लोकसेवा केन्द्र में आधार कार्ड सुधरवाने को चक्कर लगा रहा है।

इनका कहना है ...

इस संबंध में संबंधित अधिकारी से बात की गई तब उन्होंने कहा कि आपके द्वारा छात्रवृत्ति समस्या संबंधित मामला संज्ञान में आया है जो भी छात्र की समस्या है किसकी लापरवाही जांच करवाता हूं जो भी दोषी पाया जाता है तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

मेहरवान सिह
बीआरसी केसली

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना की राशि खातों में न पहुंचने पर

पूर्व जनपद अध्यक्ष के नेतृत्व में बरसते हुए पानी में किया धरना प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ बीना (सागर)

मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना अंतर्गत कृषि उपज मंडी में 403 जोड़ों के विवाह आयोजित किए गए थे किंतु अभी तक इन कन्याओं के खातों में राशि ना आने पर विगत दिनों पूर्व जनपद अध्यक्ष इंदर सिंह ठाकुर ने जनसुनवाई में कई हितग्राहियों के साथ इन्होंने अनुविभागीय अधिकारी विजय डेहरिया ने शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि यह राशि कन्याओं के खाते में शीघ्र नहीं पहुंची तो हम महात्मा गांधी तिराहा पर धरना प्रदर्शन करेंगे।शुक्रवार को पूर्व जनपद अध्यक्ष इंदर सिंह ठाकुर के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम नायब तहसीलदार हेमराज सिंह मेहर ज्ञापन सोपा।गांधी तिराहा पर धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया।जिसमें पूर्व जनपद अध्यक्ष इंदर सिंह ठाकुर ने विधायक पर आरोप लगाते हुए कहा जो पंजीयन जनपद पंचायत और नगर पालिका में होने थे विधायक ने अपने कार्यालय में बैठकर करवाएं जिसमें शुरू से ही भ्रष्टाचार की शंका हो रही थी कई ऐसे जुड़े थे जिनके विवाह पहले संपन्न हो चुके थे ऐसे भी जुड़े इसमें शामिल किए गए जिसकी शिकायत की गई।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंदर सिंह यादव ने कहा कि जैसे ही जनपद अध्यक्ष ने खातों में राशि डालने की बात वही विधायक अब कहने लगी की कुछ राशि डाल दी गई किंतु प्रश्न यही उठता है आखिर सभी की राशि क्यों नहीं डाली गई इससे निश्चित कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार होता हुआ नजर आ रहा है।शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग ठाकुर ने कहा कि बीना में भ्रष्टाचार चारों तरफ हो रहा है जब पूर्व जनपद अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना अंतर्गत कन्याओं के खातों में राशि नहीं डालने पर आंदोलन की चेतावनी दी तब जाकर कुछ कन्याओं के खातों में राशि डाली गई प्रश्न यह उठता है आखिर सभी की खातों में राशि क्यों नहीं डाली गई इससे यह स्पष्ट है की निश्चित ही नियत में कहीं ना कहीं खोट है तभी तो कुछ खातों में राशि डाली गई शासन प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा यदि शीघ्र सभी कन्याओं के खातों में राशि नहीं डाली गई तो कांग्रेस जन सहयोग लेकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

कन्या खाते में मात्र बीस हजार आए- सभा के दौरान मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना अंतर्गत 16 नंबर पर दर्ज खुशबू रोहित अहिरवार के अभिभावक ने आकर बताया कि खुशबू के खाते में केवल?20,000 राशि आई है। और कह दिया गया शेष राशि बाद में मिलेगी आखिर ऐसा क्यों?

इस मौके पर अनेक कांग्रेस जनों ने जमकर विधायक पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए कहां की मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना में निश्चित ही भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी जांच हो जाए तो एक बड़ा भ्रष्टाचारी घोटाला सामने आएगा विचार व्यक्त करने वालों में युवक कांग्रेस अध्यक्ष शालू बिलगैया, चंद्रशेखर बबलू राज, अशोक परिहार, प्रमोद राय, मोतीलाल अहिरवार, सुखलाल अहिरवार, सुरेंद्र सिंह लोधी, जहर सिंह, शालिग्राम यादव, अरविंद पटेल, मोनू अहिरवार, विनोद सोलंकी, मनोहर लाल यादव, चंद्रभान आदि उपस्थित थे।

जन्मदिन पर बाबा विश्वनाथ की रज से महाराज ने किया तिलक

छतरपुर। बागेश्वर महाराज पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के 29वें जन्मदिन के अवसर पर शुक्रवार को बागेश्वर धाम में देश-विदेश से आए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रातः काल से ही भक्तजन बागेश्वर बालाजी भगवान के दर्शन कर रहे हैं और बागेश्वर महाराज की लंबी उम्र की कामना कर रहे हैं। धाम पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई है। धाम पर हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ, परिक्रमा और अखंड रामधुन जैसे धार्मिक अनुष्ठान हुए। कई श्रद्धालु भक्तजनों हनुमान चालीसा का पाठ कर, परिक्रमा, अखंड रामधुन, सुंदरकांड का पाठ करते रहे। जन्मदिन के अवसर पर धाम पर श्रद्धालुओं को शुद्ध घी से बना हुआ भंडारा प्रसाद ग्रहण कराया गया। बता दें कि इस बार बागेश्वर महाराज ने सभी मंचीय सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द कर साधारण रूप में उत्सव मनाने की अपील की थी।

सभी संस्कृति कार्यक्रम तीन जुलाई को महाराज ने रद्द कर दिए थे और सामान्य हनुमान चालीसा पाठ, प्रसाद ग्रहण कर उत्सव मनाने की अपील की थी। महाराज जी को शुभकामनाओं का क्रम रात 12 बजे से ही सोशल मीडिया पर शुरू हो गया था। काशी विश्वनाथ से आये हुए प्रकांड ब्राह्मणों ने विश्वनाथ भगवान का तिलक लगाकर शुभकामनाएं दीं।

बीना में वरिष्ठ आचार्य राकेश नामदेव का सेवानिवृत्त समारोह

शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नही होता-प्राचार्य सुनील कुमार मुडौतिया

बीना(सागर)। हमारे विद्यालय मे राकेश नामदेव वरिष्ठ आचार्य जी का सेवानिवृत्त समारोह सरस्वती पूजन ,दीपस्तुति से प्रारंभ हुआ ,कार्यक्रम की अध्यक्षता मुरारी गोस्वामी नगर संघ चालक ,विशिष्ठ अतिथि श्रीमति लता सीरोठिया दीदी पूर्व आचार्या ,मुख्य अतिथि नामदेव जी की माता जी रही ।कार्यक्रम में महेश अग्रवाल जिला सचिव ,प्राचार्य सुनील कुमार मुडौतिया ,समस्त आचार्य परिवार और राकेश जी नामदेव के समस्त परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य राजेश तिवारी ,लता सीरोठिया दीदी ,श्रीराम शर्मा आचार्य,पूरन लाल पटैल पूर्व आचार्य और नगर से प. ओ.पी.देवलिया सभी ने राकेश नामदेव के सरल सहज स्वाभाव के धनी व्यक्तित्व व साथ की स्मृतियों पर व्यक्त किया।विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार मुड़ौतिया ने बताया कि आचार्य कभी सेवानिवृत्त नही होता,ऐसे ही हमारे सभी के प्रिय राकेश जी नामदेव सरल सहज स्वाभाव हँसमुख व्यक्तित्व से पूर्ण आदर्शवादी एवं कर्तव्य निष्ठ व्यक्तित्व के धनी है जिन्होने कठिन से कठिन परिस्थितयों का सामना बड़ी सहजता के साथ किया आपका जीवनचरित्र अनुकरणीय है।विद्यालय प्राचार्य व समिति से महेश अग्रवाल आदित्य बुधौलिया द्वारा साल श्रीफल व 11000 की राशि भेट कर सम्मानित किया गया और जीवन की द्वितीय पारी की शुरुआत के शुभकामनाए दी।

शिविर मनीष सिंघई 104वीं बार तो राकेश सुमन 41वीं बार, रक्तदान कर रचा बीना में इतिहास

डॉक्टर्स डे पर सिविल अस्पताल बीना में किया गया 'रक्त-क्रांति रक्तदान शिविर 73 का आयोजन

सत्ता सुधार ■ बीना (सागर)

सिविल अस्पताल बीना के सभागार में चिकित्सक दिवस के अवसर पर सिविल अस्पताल बीना के डॉक्टर्स व अस्पताल स्टाफ एवं स्वास्थ्य सेवा संगठन बीना द्वारा रक्त-क्रांति रक्तदान शिविर -73 का आयोजन किया गया, जिसमें 11 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया।रक्तदान शिविर का शुभारंभ बीएमओ संजीव अग्रवाल, जिला अस्पताल सागर के आपातकालीन चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेन्द्र सिंह ठाकुर एवं स्वास्थ्य सेवा संगठन अध्यक्ष मनीष सिंघई, राकेश जैन के द्वारा स्वास्थ्य के देवता भगवान धन्वंतरि के पूजन व माल्यार्पण के साथ किया गया।

लैब टेक्नीशियन रवि बोथ, रजनीश तिवारी, लैब सहायक पुष्पा कोरी आदि द्वारा

रक्तदाताओं से रक्तदान करवाया गया।बीना, जिला सागर, मध्यप्रदेश में जून 2018 से हर माह की 1 तारीख को सिविल अस्पताल बीना में ÷रक्त-क्रांति÷ रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें अब तक आयोजित हुए इन 73 रक्त-क्रांति रक्तदान शिविरों के समस्त भागों में 2377 यूनिट से अधिक ब्लड, रक्तदान किया जा चुका है। रक्तदान शिविर में शिवम राय, नितमय जैन, महावीर जैन, मनीष सिंघई (104वीं बार), राकेश सुमन (41वीं बार), डॉ वीरेन्द्र सिंह ठाकुर (33वीं बार) सहित कुल 11 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया। महावीर जैन को ÷रक्त-क्रांति रक्तवीर सम्मान÷ एवं कनक पंथी को ÷रक्त-वीरांगना÷ सम्मान प्रदान किया गया। चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा बीना की छात्रा तैयबा खान को ÷उत्कृष्ठ रक्तदाता प्रेरक सम्मान प्रदान किया गया। डॉक्टर्स डे के अवसर पर जिला अस्पताल सागर के आपातकालीन चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा आम जन से अपील की गई कि सभी स्वस्थ रक्तदान कर सकने योग्य व्यक्ति अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें और चिकित्सकों को मरीजों की जान की रक्षा करने में मदद करें।

चिकित्सक तो मरीजों का इलाज कर ही रहे हैं परंतु साथ ही समाजसेवी एवं समाज व परिवार के जागरूक जन गंभीर मरीजों? को चिन्हित कर उन्हें बीमारियों की जल्दी जांच के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाएं ताकि ऐंसे गंभीर बीमार मरीजों को समय पर उचित इलाज दिला कर उनकी जान बचाई जा सके।

कलयुग में अमृतवाणी है श्रीमद्भागवत कथा :गुरु मां सविता देवी

भागवत कथा के पूर्व निकाली भव्य कलश यात्रा

बीना(सागर)। शुक्रवार को प्रभु सेवा धाम कॉलेज तिराहा सिटी पावर हाउस के पास वीर सावरकर वार्ड में आज से गुरु पूर्णिमा महा महोत्सव के पूर्व सिटी पावर हाउस से कलश यात्रा प्रारंभ हुई जो नगर भ्रमण करती हुई कथा स्थल पर पहुंची जहां पर श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के प्रथम दिन साध्वी मां सविता देवी गुरु मां ने कहा कि कथा वही है, जिसमें ईश्वर से प्रेम हो. कथा सुनने से भक्तों में श्री कृष्ण का ज्ञान वैराग्य भक्ति स्थापित हो जायेगी। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा गुरु शिष्य संबंध भी है, जिसमें गुरुदेव सुखदेव जी महाराज अपने प्रिय शिष्य राजा परीक्षित को भगवान की कथा अमृत का पान कराते हुए उनके हृदय में भगवान की प्रेम भक्ति स्थापित की और उसे भगवान से मिला दिया, अर्थात आत्म ज्ञान करा दिया. ठाकुर जी की कथा सुनते-सुनते खुद से मिल जाना जो स्वयं से मिल जाता है उसे कभी अकेलापन नहीं सताता. श्रीमद् भागवत कथा असीम है। श्रीमद्भागवत कथा परमात्मा का अक्षर स्वरूप है। यह परमहंसों की संहिता है, भागवत कथा हृदय को जागृत कर मुक्ति का मार्ग दिखाता है। आषाढ़ माह में इसके श्रवण का महत्व है।

ब्रीफ न्यूज

दूसरे एकदिवसीय में कोच के बिना ही उतरेगी बांग्लादेश टीम

कोलंबो। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के मुख्य कोच फिल सिमंस श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले दूसरे एकदिवसीय के लिए टीम के साथ नहीं रहेंगे। इसका कारण ये है कि वह चिकित्सा कारणों से इंग्लैंड में डॉक्टर से मिलने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सिमंस सीरीज के तीसरे एकदिवसीय में खेलेंगे। वह 7 जुलाई को श्रीलंका वापस लौटेंगे। इस दौरे में एकदिवसीय सीरीज के बाद बांग्लादेश की टीम को तीन मैचों की टी20 सीरीज भी खेलनी है। 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मुकाबले में बांग्लादेश को हार का सामना करना पड़ा था। वह 8 जुलाई को होने वाले तीसरे मैच के लिए लंदन से वापस आ जाएंगे। बांग्लादेश की टीम ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और मैच ड्रॉ रहा था पर उसे अगले मैच में हार मिली थी। इसके बाद से ही टीम अभी तक अपनी लय हासिल नहीं कर पाई है। दूसरा टेस्ट हारने के बाद पहले एकदिवसीय मैच में भी उनको करारी हार का सामना करना पड़ा।

आजकल परिवार के साथ लंदन में समय बिता रहे विराट

लंदन। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद आजकल भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपने परिवार के साथ लंदन में रह रहे हैं। भारतीय टीम आजकल यहां टेस्ट सीरीज खेल रही है पर विराट ने उससे दूसरी बनायी हुई है और वह पूरा समय परिवार के साथ बिता रहे हैं। सोशल मीडिया पर हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें विराट और उनकी पत्नी अनुष्का लंदन की एक सड़क पर टहलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में वह कैमरे की ओर पलटकर देखते हैं और फिर अनुष्का के साथ आगे बढ़ जाते हैं।

लीवरपूल के फुटबॉलर की कार हादसे में मौत, रोनाल्डों ने संवेदना जतायी

ज़मोरा। इंग्लैंड के लीवरपूल क्लब से खेलने वाले पुर्तगाल के एक फुटबॉलर की कार हादसे में मौत हो गयी है। लीवरपूल के फॉरवर्ड डिएगो की कार पुर्तगाली सीमा के करीब जमोरा प्रांत में हादसे का शिकार हो गयी। इस दौरान जोटा के साथ उनके छोटा भाई 26 साल के आंद्रे भी गाड़ी में थे। आंद्रे भी एक पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे थे और पुर्तगाल की टीम पेनाफिल के लिए खेलते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेन के ज़मोरा में स्थानीय फायर अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों की हादसे में मौत हुई है। मृतकों की उम्र 28 और 26 साल थी। उनकी गाड़ी में आग लग गई थी। डिएगो जोटा के नाम 130 से ज्यादा गोल है, इस खिलाड़ी ने अंतिम गोल एवर्टन के खिलाफ मैच में किया था। अभी वह लिवरपूल से खेल रहे थे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी गोल 2 अप्रैल को किया था। ये गोल एवर्टन और लिवरपूल के बीच खेले गए मुकाबले में बना था। लिवरपूल एफसी ने डियागो की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि इस कठिन समय में हमारी हार्दिक संवेदनाएं डियोगो के परिवार के साथ हैं।

राष्ट्रपति ने डूरंड कप फुटबॉल 2025 ट्रॉफी का अनावरण करने के साथ ही खेलों का महत्व बताया

अनुशासन, संकल्प और टीम भावना को मिलता है बढ़ावा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज एक भव्य समारोह में डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 की ट्रॉफियों का अनावरण किया। राष्ट्रपति ने इस दौरान खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे अनुशासन, संकल्प और टीम भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि खेलों में लोगों, क्षेत्रों और देशों को जोड़ने की ताकत है। इसी कारण हम इसे राष्ट्रीय एकीकरण का भी एक साधन मानते हैं। इसी कारण ओलंपिक या किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में जब तिरंगा फहराया जाता है तो सभी नागरिक रोमांचित हो जाते हैं। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, डूरंड कप जैसे आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देते हैं बल्कि इससे फुटबॉल खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को विकसित करने के लिए भी एक मंच मिलता है। जिसपर खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर आगे बढ़ते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि फुटबॉल का लाखों लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान है। यह सिर्फ एक खेल नहीं है; यह एक जुनून है। फुटबॉल का खेल रणनीति, धैर्य और एक साझा लक्ष्य की ओर मिलकर काम करने के बारे में बताता है। डूरंड कप का 2025 संस्करण इसी माह 15 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच राज्यों - पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर, मेघालय और झारखंड के छह स्थानों पर खेला जाएगा। असम के कोकराझार में लगातार तीसरे साल डूरंड कप होने जा रहा है।

इस टूर्नामेंट ने 2019 में अपना घरेलू मैदान नई दिल्ली से कोलकाता में स्थानांतरित कर दिया था और लगातार छठे संस्करण के लिए यह बना रहेगा। डूरंड कप ने देश की प्रमुख प्रतियोगिता के रूप में स्थापित कर लिया है, तथा इसमें भाग लेने वाली टीमों की संख्या 16 से बढ़कर 24 हो गई है, जिसमें सभी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीमों की भागीदारी भी शामिल है। यह टूर्नामेंट इस मायने में खास है कि इसमें सेना की टीमें भारत के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल क्लबों के खिलाफ मुकाबला करती हैं और पिछले कुछ संस्करणों में पड़ोसी देशों की सेना टीमों के साथ विदेशी भागीदारी भी देखी गई है।

भारतीय फुटबॉल टीम की मुश्किलें बढ़ी, नये कोच ने भी पद छोड़ा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम टीम की मुश्किलें बढ़ गयी है। टीम के नये कोच मनोलो मार्केज ने भी अपना पद छोड़ दिया है। मार्केज ने एक साल से भी कम समय में अपना पद छोड़ दिया। उन्हें पिछले साल अगस्त में इगोर स्टिमैक के पद छोड़ने के बाद कोच बनाया गया था। मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) के साथ आपसी सहमति से पद छोड़ा है। वहीं पिछले साल टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए स्टिमैक को राष्ट्रीय संघ ने कोच पद से हटा दिया था। मार्केज को एआईएफएफ ने उन्हें तीन साल के लिए राष्ट्रीय टीम का कोच बनाया था पर अचानक ही उनके इस्तीफे से साफ है कि एआईएफएफ में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। वहीं एआईएफएफ के उप महासचिव के सत्यनारायण ने कहा है कि, एआईएफएफ और मनोलो ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। साथ ही कहा कि एआईएफएफ जल्द ही नया मुख्य कोच नियुक्त करेगा। वहीं सवाल ये भी उठता है कि जिस प्रकार से कम समय के अंतराल में कोच हटाये जा रहे हैं उससे भारतीय टीम कैसे आगे बढ़ेगी।

उनकी कोचिंग में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम ने उनके नेतृत्व में 8 मैच खेले, जिनमें से सिर्फ एक में जीत हासिल की। यह जीत भी एक मैत्री मैच में मार्च 2025 में मालदीव के खिलाफ दर्ज की गई थी, जिसे भारत ने 3-0 से जीता था। सबसे ताजा झटका 10 जून को लगा, जब भारत को हांगकांग के खिलाफ 2027 एएफसी एशिया कप क्वालीफायर मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। मारक्वेज की कोचिंग में भारत की फीफा रैंकिंग में भी जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है। जुलाई 2023 में भारत 99वें स्थान पर था, लेकिन अब 127वें स्थान तक फिसल चुका है। नवंबर 2023 के बाद से भारतीय टीम ने कोई भी मैच नहीं जीता है। गौरतलब है कि मारक्वेज को स्टीमैक की जगह लाया गया था। स्टीमैक की कोचिंग में भारत ने कुवैत के खिलाफ आखिरी जीत दर्ज की थी।

शुभमन इंग्लैंड में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बने

गावस्कर, द्रविड़, सचिन को पीछे छोड़ा

एजेंसी ■ बर्मिंघम

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में दोहरा शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। अपनी 269 रनों की पारी के साथ ही शुभमन ने लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर के अलावा राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ दिया। शुभमन अब इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम था, जिन्होंने 1979 में द ओवल में 221 रन बनाए थे। इसके अलावा राहुल द्रविड़ ने 2002 में द ओवल में 217 रन बनाए थे। वहीं सचिन तेंदुलकर ने उसी साल लीड्स में 193 रनों की पारी खेली थी। रवि शास्त्री ने 1990 में द ओवल में 187 रन बनाए थे। वहीं शुभमन ने 269 रन बनाने के इन सभी को पीछे छोड़ दिया है। अब वह इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गये है। शुभमन ने इस पारी के दौरान यशस्वी जायसवाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन और ऋषभ पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 47 रन जोड़े। इसके बाद रवींद्र जडेजा के साथ छठे विकेट के लिए 203 रनों की साझेदारी ने बड़ी साझेदारी कर भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। इस दौरान जडेजा ने भी 89 रन बनाये। शुभमन ने अपनी इस पारी के साथ ही कई अन्य अहम रिकार्ड बनाये हैं। वह इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बने हैं। इसके अलावा 25 साल के शुभमन गिल मंसूर अली खान पटौदी के बाद टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए। वह सेना देशों (दक्षिण, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड और इंग्लैंड) में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई कप्तान और टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बने हैं।

जडेजा एजबेस्टन में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में शामिल

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द जडेजा ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अर्धशतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। जडेजा एजबेस्टन के मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों के एक खास क्लब में शामिल हो गये हैं। इसमें सुनील गावस्वकर, गुंडप्पा विश्वनाथ, एमएस धोनी, विराट कोहली और ऋषभ पंत शामिल हैं। जडेजा इस मैदान पर संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक अर्धशतक बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। भारत जडेजा ने इस मैच में कप्तान शुभमन गिल के साथ 6 विकेट के लिए शानदार शतकीय साझेदारी की जिससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। इसी दौरान 50 रन पूरे करने के साथ ही वह धोनी और विराट कोहली के की बराबरी पर आ गये। इस मैदान पर गावस्कर ने सबसे अधिक तीन अर्धशतक लगाये हैं। वहीं धोनी, जडेजा, कोहली, पंत और विश्वनाथ ने बर्मिंघम में दो बार पचास या उससे ज़्यादा रन बनाए हैं। जडेजा ने इस मैदान पर शतक भी लगाया है।

जोकोविच ने विंबलडन में अपना 99वां मैच जीता

इवांस को हराकर तीसरे दौर में पहुंचे

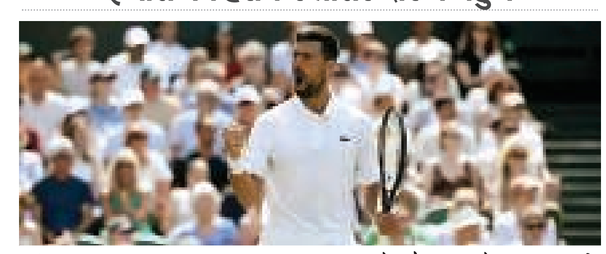

लंदन। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रहे जोकोविच ने दूसरे दौर में ब्रिटेन के डैन इवांस को 6-3, 6-2, 6-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही जोकोविच ने विंबलडन में अपना 99वां मैच जीता है।

इसी के साथ ही वह तीसरे दौर में 19वीं बार पहुंचे हैं। ये ओपन युग में किसी पुरुष खिलाड़ी का अब तक का सबसे अच्छा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं स्विटजरलैंड के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर ने 18 बार तीसरे दौर में जगह बनायी। जोकोविच ने जीत के बाद कहा, '19 बार, यह एक शानदार आंकड़ा है। यह संख्या यानिक सिनर और कार्लोस अल्कारेज की उम्र के करीब है। गौरतलब है कि पिछले दो विंबलडन फाइनल में जोकोविच को 22 साल के अल्कारेज और 23 साल के सिनर ने हराया था। वहीं महिल एकल में सातवीं वरीयत प्राप्त मीरा आंद्रीवा और 10वीं वरीयता प्राप्त ऐमा नवारो ने सीधे सेट में जीत हासिल की।

एक अन्य मैच में आंद्रीवा ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-6 से पराजित किया जबकि नवारो ने वेरोनिका कुदरमेतोवा को 6-1, 6-2 से हराया। विंबलडन विजेता एलेना रिबाकिना ने मारिया सकारी को 6-3, 6-1 से पराजित किया। पुरुष एकल में एलेक्स डि मिनोर ने आर्थर केजॉक्स को 4-6, 6-2, 6-4, 6-0 से हराया जबकि ग्रेगोर दिमित्रोव ने कोरेनटिन मोटेट को 7-5, 4-6, 7-5, 7-5 से हराया।

पीसीए ने शुभमन का पुराना वीडियो जारी कर कहा, आपका ताज सबसे अधिक चमक रहा

एजेंसी ■ चंडीगढ़

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दोनो टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल छा गये हैं। इसके बाद से ही उन्हें बधाईयां मिल रही हैं।

शुभमन ने पहले टेस्ट में शतक और अब दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया है। उनकी 269 रन की ऐतिहासिक पारी पर उनके गृह राज्य पंजाब क्रिकेट संघ ने एक बेहद प्यारा संदेश दिय है। इस इसमें कहा गया है कि ताज पहने नहीं, कमाए जाते हैं। आपका ताज सबसे अधिक चमक रहा है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने उनके एक साक्षात्कार को सोशल मीडिया में साझा किया है। ये तक का वीडियो है जब गिल शुरुआती किशोरावस्था में थे। इस वीडियो के साथ पीसीए ने जो लिखा है, वो सबसे अहम है। पीसीए ने पोस्ट किया, ' शुभमन आपने सिर्फ नेतृत्व ही नहीं किया बल्कि राज किया।

ब्रैथवेट ने रिचर्ड्स, लॉयड के क्लब में जगह बनाई

एजेंसी ■ बारबाडोस

वेस्टइंडीज के क्रेग ब्रैथवेट यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए मैदान पर उतरने के साथ ही वेस्टइंडीज की ओर से 100 टेस्ट खेलने वाले 10वें क्रिकेटर बन गये। इस मैच में उतरने के साथ ही विव रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और गॉडर्न ग्रीनिज जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के क्लब में आ गये हैं।

पछले कुछ साल में ब्रैथवेट सबसे लंबे प्रारूप में वेस्टइंडीज क्रिकेट के स्तंभ बनकर उभर हैं, उन्होंने अब तक 99 टेस्ट मैचों में 12 शतकों के साथ ही कुल 5943 रन बनाए हैं, उनमें से 39 में टीम का नेतृत्व किया है। साल 2011 में डेब्यू करने के बाद से इस क्रिकेटर ने पिछले एक दशक से शानदार प्रदर्शन किया है। ब्रैथवेट ने कहा, 'जब मैं शायद 14 वर्ष का था तभी से मेरा लक्ष्य 100 टेस्ट खेलना था। अब मैं 18 साल बाद वेस्टइंडीज के लिए अपना सौवां टेस्ट खेल रहा हूं। मैं बहुत आभारी हूं, और मैं बस युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनना चाहता हूं। पाकिस्तान के खिलाफ डेब्लू मैच में ब्रैथवेट का प्रदर्शन अच्छा नहीं था और वह इस मैच में केवल 15 रन ही बना पाये थे। इसके बाद जब उन्हें लय मिली तो वह बेहतर होते गये। मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद से ही उनके करियर में तेजी आई।

चैंपियनशिप

7 शतकों के साथ ही सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये

डब्ल्यूटीसी में रोहित को पीछे छोड़ने शुभमन को चाहिये तीन शतक

एजेंसी ■ मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आजकल इंग्लैंड दौरे में छाये हुए हैं। शुभमन ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया है। इससे उनके शतकों की संख्या अब सात हो गयी है। इस प्रकार देखा जाये तो शुभमन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में 7 शतकों के साथ ही सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा शतक भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम है। रोहित ने इस चैंपियनशिप में कुल 9 शतक जड़े हैं। उन्होंने टेस्ट से संन्यास ले लिया है। वहीं शुभमन जिस प्रकार खेल रहे हैं उससे वह पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में रोहित की बराबरी कर सकते हैं या उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं। शुभमन अगर दो शतक लगा दें तो रोहित की बराबरी पर आ जाएंगे। वहीं तीन शतक से उन्हें पीछे छोड़ देंगे। भारत की ओर से ऋषभ पंत के नाम 6 हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। वहीं डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज की सूची में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 18 शतकों के साथ टॉप पर हैं। वहीं रूट के अलावा कोई बल्लेबाज अभी तक 15 शतक से आगे नहीं आ पाया है। वहीं 13 शतकों के साथ ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ दूसरे नंबर पर हैं। डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक शतक लगाने के मामले में रुट 18 शतक के साथ पहले। वहीं ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 13 शतकों के साथ ही दूसरे व ऑस्ट्रेलिया के ही मार्नस लाबुशेन 11 शतक लगाकर तीसरे नंबर पर हैं। भारत के रोहित 9 शतक के साथ ही चौथे नंबर पर हैं जबकि श्रीलंका के डी सिल्वा 8 शतक सके साथ ही पांचवें नबर पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम 8 शतक के साथ ही छठे जबकि ऑस्ट्रेलिा के उस्मान ख्वाजा के भी 8 शतक हैं और वह भी छठे नंबर पर है।

थर्ड एशिया पैसिफिक चैम्पियनशिप में पदक जीतना चाहती है वान्या

नई दिल्ली। वह 3 सितंबर को मलेशिया में होने वाजी थर्ड एशिया पैसिफिक योग चैंपियनशिप में सात साल की वान्या शर्मा भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वान्या का लक्ष्य इसमें पदक जीतना है। थर्ड एशिया पैसिफिक चैंपियनशिप में भारत, थाईलैंड, श्रीलंका, मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, नेपाल सहित 11 देश हिस्सा लेंगे। इसमें भारत का प्रतिनिधित्व करने वाजी वान्या दो साल की छोटी उम्र से योग का अभ्यास कर रही हैं। अब वह सात साल की उम्र में योग में प्रशिक्षिक हो गई हैं। वह खुद भी योग करती हैं और लोगों को भी सिखाती हैं। वान्या का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड सहित कई जगह शामिल है।

शुभमन की पारी से गर्व का अनुभव कर रहे उनके मेंटोर युवराज

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह आजकल बेहद खुश हैं। युवराज की खुशी का कारण उनके शिष्य और भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का शानदार प्रदर्शन है। शुभमन ने इंग्लैंड के खिलाफ दोहरा शतक लगाया है। युवराज ने कहा कि उसने बल्लेबाजी को बेहद आसान बना दिया है। युवराज ने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान युवा गिल और टी20 सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को कोचिंग दी थी। युवराज ने खुशी जताते हुए सोशल मीडिया में लिखा, ''शुभमन गिल को सलाम! बड़े मंच पर उसने सब कुछ इतना आसान बना दिया।

सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

लोर्ड कृष्णा पब्लिक हाई स्कूल
Play group, Nursery, LKG, UKG,
1st to 10th classes.
ADMISSION OPEN
Code 162107
मिया नगर, गुलाब शाह दरगाह के पास, छत्री रोड़, शिवपुरी (म.प्र.) Mobile 9425488667, 6770753472, 7974832538

सत्ता सुधार

उत्तरप्रदेश में बारिश से नदियां उफान पर हैं। वहीं वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा नदी में आधे से ज्यादा डूब गया है। हरिश्चंद्र घाट भी डूब गया। इसके चलते शवदाह स्थल की जगह बदली गई है। इसके अलावा पंडा-पुरोहितों की 300 से ज्यादा स्थान डूब गए हैं। काशी में गंगा का जलस्तर 4 दिन में 15 फीट तक बढ़ा है।

औवेसी को थूक-मूत्र जिहाद से प्रेम है तो उठाएं कांवड़ और जाएं होटल-ढाबा

भाजपा नेत्री साध्वी प्राची ने सीएम के फैसले का किया स्वागत, कहा- यात्रा के दौरान पवित्रता सर्वोपरि है और नेम प्लेट लगाने पर आपत्ति जताने वालों के इरादे संदेहास्पद

एजेंसी ■ मेरठ

उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटल-ढाबों की पहचान उजागर करने के अभियान को लेकर उठे विवाद पर भाजपा नेत्री साध्वी प्राची ने एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और सपा के पूर्व सांसद पर तीखा हमला बोला। मेरठ रोड स्थित गुप्ता रिसोर्ट में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा-औवेसी को यदि थूक-मूत्र जिहाद करने वालों से प्रेम है, तो कांवड़ उठाएं और मुस्लिमों द्वारा नाम छिपाकर चलाए जा रहे ढाबों पर अशुद्ध भोजन करें, तब उन्हें असलियत का पता चलेगा। साध्वी ने मुख्यमंत्री योगी के उस फैसले की सराहना की जिसमें कांवड़ यात्रा के दौरान मांस की दुकानों पर रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान पवित्रता सर्वोपरि है और नेम प्लेट लगाने पर आपत्ति जताने वालों के इरादे संदेहास्पद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ होटल व ढाबे पहचान छिपाकर अशुद्ध भोजन परोसते हैं, जो शिव भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ है।

आतंक की परिभाषा तक नहीं पता

इधर, समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एचटी हसन के बयान पर साध्वी ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें आतंकवाद की परिभाषा तक नहीं पता, ऐसे लोगों की बुद्धि पर शर्म आती है।

बेनकाब किया जाएगा

वहीं, हिंदू संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली-देहरादून हाईवे के कई होटलों पर भगवान वराह के चित्र चिपकाए और जय श्रीराम के नारे लगाए। संयोजक नरेंद्र पवार साधु ने कहा कि यह अभियान स्वामी यशवीर के नेतृत्व में जारी रहेगा और शिव भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को बेनकाब किया जाएगा।

मथुरा में मिलावटखोरी का खतरा

समस्या से निपटने जुटा विभाग

इधर, मथुरा के बरसाना में दो दिन पहले डेयरी पर 1100 किलो मिलावटी पनीर और 4200 लीटर पनीर बनाने की सामग्री पकड़ी गई। मिलावटी पनीर बनाने के लिए यहां रिफाइंड, सोयाबीन पाउडर, चूना, एसीटिक एसिड, हाइड्रोजन भी मिला। दुकानदार पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। यहां के विभागीय अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी है। इसी तरह सहारनपुर के रामपुर मनिहारन में भी 11 क्विंटल मिलावटी पनीर पकड़ा गया। अंबेडकर नगर में 40 किलो इमरत्ती व लड्डू मिलावटी पाया गया। उसे नष्ट करा दिया गया। 740 किलो इमरती बनाने की सामग्री मिली, जो मिलावटी सामग्री से तैयार थी। इसी तरह ग्रेटर नोएडा, अमेठी, मेरठ सहित कई जिलों में नकली मिठाइयां पाई गई हैं। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा व अन्य त्योहार के दौरान मिलवटखोरी बड़ा खतरा है। इसकी वजह से श्रद्धालुओं की तबीयत खराब होने की आशंका बनी हुई है।

ब्रीफ न्यूज़

9वीं के छात्र को लालच देकर लूट ली 8 लाख की ज्वेलरी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर में 14 साल के लड़के से आईफोन का लालच देकर 8 लाख की सोने की ज्वेलरी लूटने के मामले में दो लोग गिरफ्तार हुए हैं। पुलिस ने कुछ ज्वेलरी बरामद की। लड़के के परिवार की शिकायत पर मोदीनगर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शैलेश कुमार (26, बाउंसर) और दिव्यम कुमार (18, बीसीए छात्र) के रूप में हुई है। वहीं, फरार अर्नब कुमार और ज्वेलर अभिषेक की तलाश जारी है।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गौ तस्कर को किया गिरफ्तार

जौनपुर। पवारा पुलिस ने मुठभेड़ में गौ तस्कर को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में दाहिने पैर में गोली लगी। पिस्टल, कारतूस व बाइक बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि पवारा में वाहनों की चेंकिग कर रहे थे। तभी सूचना मिली कि एक बदमाश किसी घटना को अंजाम देने के लिए कुंवरपुर होते हुए बंधवा बाजार मीरगंज की ओर जाने वाला है। इस पर पुलिस फोर्स के साथ कुंवरपुर बंधवा मार्ग पर बरेठी नहर पुलिया के पास पहुंचे। थोड़ी देर बाद एक व्यक्ति बाइक से आता दिखा। पुलिस टीम द्वारा टार्च की रोशनी देकर रोकने का इशारा करने पर फायर करने लगा। इस पर थानाध्यक्ष ने भी दो राउंड फायर किया। एक गोली बदमाश के दाहिने पैर में गोली और वहां गिर गया। जिसके बाद पुलिस ने उस गिरफ्तार कर लिया। नाम व पता पूछने पर मनोज यादव निवासी गौरा माफी जिला प्रतापगढ़ बताया।

निजी स्कूल की किताब-ड्रेस का खर्च उठाना बना चुनौती

सीएम योगी के आदेश से मुरादाबाद की बाची को मिला दाखिला

परिजन हो रहे परेशान...अब यूनिफार्म और किताबों के लिए बच्ची को 14 हजार रुपए की दरकार

सत्ता सुधार ■ मुरादाबाद

मुख्यमंत्री के आदेश पर आरटीई के तहत शहर के सीएल गुप्ता वर्ल्ड स्कूल में बच्ची को दाखिला मिलने के बाद भी उसकी मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं।

बाची के पिता अमित कुमार किताबों की जानकारी करने के लिए स्कूल गए, लेकिन महंगी किताबें होने के कारण वह नहीं खरीद सके। वहीं, बेटी के पिछले तीन महीने का कोर्स पूरा कराने की जिम्मेदारी भी माता-पिता के कंधों पर आ पड़ी है। रामगंगा विहार के रहने वाले रैपिडो चालक अमित कुमार तीन महीने तक बेटी के एडिमशन को लेकर परेशान रहे। इसके बाद वह परिवार समेत जनता दर्शन में लखनऊ पहुंच गए तो सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेश पर उनकी बेटी को दाखिला मिला। हालांकि, उनकी परेशानी यहीं नहीं खत्म हुई। अब वह बेटी की ड्रेस, किताबें समेत अन्य सामान खरीदने के लिए चिंतित हैं। तीन महीने से अमित कुमार काम पर नहीं जा पा रहे हैं। बाची की ड्रेस, किताबें खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं।

ड्रेस-किताब 14 हजार की: स्कूल में बाची की यूनिफार्म और किताबें करीब 14 हजार रुपए की हैं। अमित ने बताया कि बाजार में किताबें और ड्रेस उपलब्ध नहीं है। सब कुछ स्कूल की ओर से दिया जा रहा है, जो बेहद महंगा है। अगर बाजार में किताबें और ड्रेस उपलब्ध होतीं तो शायद कम पैसे में काम हो जाता।

माता-पिता पर जिम्मेदारी: एक जुलाई से बाची ने स्कूल जाना शुरू कर दिया है। उसका दाखिला नर्सरी में हुआ है। बाची की पढ़ाई का कोर्स तीन महीने पीछे है। स्कूल ने कोर्स पूरा कराने की जिम्मेदारी माता-पिता पर डाल दी है। बाची के पिता अमित कुमार और माता प्राची ने बताया कि बेटी का कोर्स तीन महीने पीछे है तो उसकी जिम्मेदारी हमारे ऊपर है।

स्कूल ने झाड़ा पल्ला: बेटी की क्लास टीचर निकिता चौधरी ने बताया कि बाची का कोर्स तीन महीने पीछे है। इसे पूरा कराने की जिम्मेदारी खुद माता-पिता की है। अभिभावकों ने बताया कि बेटी का रोज का होमवर्क पूरा कराना होता है। अब अगर तीन महीने का कोर्स पूरा कराना होगा तो हम कैसे करा पाएंगे। बेटी का कोर्स पूरा कराने की जिम्मेदारी तो स्कूल की होनी चाहिए।

15 दिन से बंद आइस्क्रीम की दुकान: अमित कुमार ने बताया कि बेटी के पढ़ाई को लेकर काफी परेशान हैं। 15 दिन से आइसक्रीम की दुकान बंद है। अभी तक बाची की पढ़ाई को लेकर भागदौड़ चल रही है, लेकिन अभी तक कोई फाइनल परिणाम नहीं निकला। मां प्राची ने बताया कि बाची के पास स्वीमिंग, योग और स्कूल ड्रेस नहीं है। इसलिए बेटी को स्वीमिंग और योग नहीं कराया गया। बाची के लिए योग की ड्रेस खरीदी गई है। ड्रेस देखकर बाची काफी खुश है।

आषाढ़ी एकादशी पर भक्तों को मिला विरासत का वारदान, विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में लौटा संतों का युग

सत्ता सुधार ■ पंढरपुर

सदियों पुराना श्री विठुल-रुक्मिणी मंदिर, जो संत नामदेव और संत तुकाराम महाराज के काल में जिस स्वरूप में था, आज उसी वैभवशाली रूप में भक्तों के समक्ष प्रकट हो रहा है। महाराष्ट्र सरकार और पुरातत्व विभाग के संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों के चलते, यह ऐतिहासिक मंदिर अब अपनी मूल गरिमा और शिल्पकला के साथ फिर से जीवंत हो उठा है।

भव्यता अब और स्पष्ट

संरक्षण कार्यों के अंतर्गत मंदिर की दशावतार मूर्तियां, नक्काशीदार खंभे, और पत्थर की दुर्लभ शिल्पकलाएं पहले से कहीं अधिक स्पष्ट और मोहक हो गई हैं। विशेष विद्युत रोशनी व्यवस्था के कारण ये कलाकृतियाँ अब रात में भी अपनी चमक बिखेर रही हैं। गर्भगृह, सभा मंडप और सोलखांबी मंडप में की गई शुद्धिकरण प्रक्रिया से श्रद्धालुओं को अब एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव मिल रहा है।

पुरातत्व विभाग ने किया बारीकी से कार्य

मंदिर के संरक्षण कार्य में पुरातत्व विभाग और निर्माण विभाग की संयुक्त भागीदारी रही। स्तंभों पर उकेरे गए भगवान विष्णु के विभिन्न रूप और पुष्प आकृतियां प्रकाश व्यवस्था के कारण और भी मनोहारी दिखाई दे रही हैं। काले पत्थरों पर की गई नक्काशियां वर्षों बाद एक बार फिर से उजागर हो पाई हैं। मंदिर की दीवारों पर खुदे सैकड़ों साल पुराने शिलालेख, जो समय के साथ धुंधले हो चुके थे, अब पुनः सामने आए हैं। पुरातत्व विभाग इन लेखों को डिजिटाइज और दस्तावेजीकृत कर रहा है, जिससे मंदिर के इतिहास और संस्कृति पर नई जानकारी सामने आने की संभावना है।

खड़कवासला डैम लबालब स्पिलवे से छोड़ा गया पानी

सत्ता सुधार ■ पंढरपुर

मानसून की सक्रियता के चलते पुणे शहर को पानी सप्लाई करने वाले खड़क वासला डैम श्रृंखला के चारों प्रमुख बांध- खड़कवासला, पानशेत, वरसगांव और टेमघर- अब आधे से अधिक भर चुके हैं। जल संसाधन विभाग के अनुसार, इन डैमों में 15.56 टीएमसी पानी जमा हो गया है। जल स्तर नियंत्रण के लिए, खड़कवासला बांध के स्पिलवे से 2,464 क्यूसेक की गति से पानी मुठा नदी में छोड़ा जा रहा है। चारों बांधों के कैचमेंट क्षेत्रों में लगातार हल्की से मध्यम बारिश जारी है। पिछले 24 घंटे में टेमघर

में 58मिमी, वरसगांव में 39 मिमी,पानशेत में 34 मिमी, खड़कवासला में 5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। पिंपरी-चिंचवड़ और मावल क्षेत्र को पानी देने वाला पवना बांध भी तेजी से भर रहा है। फिलहाल यह 66.49 प्रतिशत भर चुका है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग चार गुना अधिक है। इस वर्ष अब तक पवना क्षेत्र में 1,022 मिमी बारिश हुई है।

ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से इंकार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू पक्षकारों की दलीलों को ठुकराया

सत्ता सुधार ■ प्रयागराज

मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह से जुड़ी संपत्ति को विवादित घोषित करने से इंकार कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से हिंदू पक्षकारों को झटका लगा है। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अदालत ने वादी महेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल अर्जी खारिज कर दी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। इससे पहले कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका पर मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। साथ ही निर्णय के लिए चार जुलाई की तारीख नियत की थी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में मांग की है कि शाही ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित किया जाए, जैसा कि बाबरी मस्जिद प्रकरण में किया गया था।

पहले यह हुआ था

दावा किया था कि शाही मस्जिद भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भगृह को तोड़कर ही बनाई गई है। हालांकि हिंदू पक्ष की इस मांग पर मुस्लिम पक्ष ने विरोध जताया था। साथ ही कोर्ट में लिखित आपत्ति भी दाखिल की थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की कोर्ट ने ईदगाह को विवादित ढांचा घोषित करने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

ज्ञानवापी वज़ूखाने सर्वे केस में 6 अगस्त को सुनवाई

इधर, वाराणसी के ज्ञानवापी केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई टाल दी गई। हाईकोर्ट ने वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर में शिवलिंग आकृति के अलावा वजूखाने का एएसआई से सर्वेक्षण की मांग में पेश याचिका पर सुनवाई के लिए छह अगस्त की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने उपासना स्थल कानून को लेकर दाखिल याचिका की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई लंबित रहने के कारण दिया है। राखी के वकील ने कोर्ट को बताया कि उपासना स्थल कानून की वैधता को लेकर सुको में लंबित सुनवाई पूरी नहीं हुई है।

सप्त मंडपम के शिखरों पर बनेंगी 56 थ्री-डी मूर्तियां

अयोध्या। राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के साथ मंदिर में बनाए जा रहे सप्त मंडपम के शिखरों पर कुल 56 थ्री-डायमेंशनल मूर्तियां बनाई जाएंगी। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सूत्रों के अनुसार, हर मंदिर के शिखर पर आठ-आठ मूर्तियां होंगी। ये मूर्तियां दक्षिण भारतीय गोपुरम शैली में निर्मित शिखरों पर स्थापित की जा रही हैं। गर्भगृहों का निर्माण पूरा कर मूर्तियों की स्थापना की जा चुकी हैं। हालांकि शिखरों की फिनिशिंग व मूर्ति निर्माण कार्य अभी जारी है। सप्त मंडपम का यह निर्माण धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, सांस्कृतिक और खगोलीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।

महोबा में पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी अरेस्ट

महोबा। जिले के कबरई क्षेत्र में पुलिस और एसओजी की टीम ने गुरुवार रात एक मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। मुखबिर से मिली सूचना पर धरोन से सीचोरा रोड पर डबल पुलिया के पास पुलिस ने बदमाश आशाराम उर्फ अशू की घेराबंदी करके उसे आत्मसमर्पण की चेतावनी दी। किन्तु बदमाश द्वारा गोली चलाने पर पुलिस ने भी जवाबी गोलीबारी की। जहां पैर में गोली लगने पर बदमाश घायल हो गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक गोपाल श्रीवास्तव, द्वारा मेसर्स डीबी कॉर्प लिमिटेड 10-11 सेक्टर बी इंडस्ट्रियल एरिया गोविंदपुरा भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं तृतीय तल, सी ब्लॉक, मानसरोवर काम्पलेक्स भोपाल से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-अभिषेक शर्मा*, मोबाईल न. 6261052058, सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा । आर एन आई नम्बर-एमपीएचआईएन/2017/72467, मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, प्रतियां बुक कराने एवं एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें-जाहिद हुसैन-9826278877, ई मेल- sattasudharbpl@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। 0755-4002626, 4939910